परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
1	**क –सचिवालय सामाजिक सेवा'**	मंत्रालय के दक्ष कार्यकरण हेतु स्थान का आधुनिकीकरण करना तथा सूचना प्रौद्योगिकी सहायता भी उपलब्ध कराना। कार्यालय उपकरणों का रख–रखाव तथा लेखन–सामग्री का प्रापण।	**17.00**	**1.40**	मंत्रालय में पुराने और अप्रयुक्त कम्प्यूटरों को बदलना। कोलाहल मुक्त कार्य वातावरण बनाने के लिए अनुभागों/इकाईयों में पड़े पुराने रिकार्डों का डिजिटीकरण। कार्यालय स्थान का आधुनिकीकरण। कमरों का नवीकरण स्कीम की समीक्षा एवं मूल्यांकन में सहायता प्रदान करने के लिए एक व्यावसायिक सेवा शीर्ष।	18 कंप्यूटर (17 डेस्क टॉप और 1 लेपटॉप), 11 बहुकार्यात्मक प्रिंटर और 4 फोटोकॉपीयर खरीदे गए, वर्ष के दौरान पी एंड बी और एस एंड एफ अनुभाग के आधुनिकीकरण के प्रस्ताव पर कार्य शुरू नहीं किया जा सका। आवश्यकताअनुसार अन्य कार्यालय उपकरण भी खरीदे गए।	**19.91**	**1.74**	सामान्यतया, योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक व स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है।
	ख – केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सी एस एल)	शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं तथा नीति आयोजकों को सूचना तथा अनुसंधान सेवाएं उपलब्ध कराना। सभी प्रयोजन हेतु यह प्रमुख ग्रंथागार है।	**1.55**	**2.40**	अत्याधुनिक सर्वर को खरीदना, 18वीं, 19वीं और 20वीं शताब्दी की दुर्लभ पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना, भू–तल पर स्टैक एरिया का विस्तार / दुर्लभ पुस्तकों का अभिलेखीय जिल्दीकरण, पुस्तकों, शेल्फ खरीदना, आरके पुरम पुस्तकालय में बाल खंड का अवसंरचनात्मक विकास/ भारत सरकार की अधिसूचना	सीपीडब्ल्यूडी के जरिए सम्मेलन कक्ष के आधुनिकीकरण का कार्य जारी रखा गया और लाइब्रेरी में इलेक्ट्रिक कार्य को पूरा किया गया। वाटर कूलर लगाया गया/ अंग्रेजी में 1473 शीर्षक तथा हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में लगभग 1800 शीर्षकों से पुस्तके शामिल की गई। एनएससी इथरनेट स्विच लगाने में	**0.91**	**0.31**	सामान्यतया, योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक व स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					का अंकीयकरण/ पुस्तकों का परिरक्षण एवं संरक्षण बीएल लंदन से माइक्रोफिल्म रोलों को खरीदना आदि।	असमर्थ रहा। कालीबारी कवर सिस्टम मशीन खरीदी गई जिसे प्रापण अनुभाग में लगाया गया। एएमसी आवधिक पत्रिकाएं, अखबार जरनलों को नियमित रूप से प्राप्त किया गया और पढने के लिए पुस्तकालय में प्रदर्शित किया गया।			
2	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र***	लक्ष्य मूल संस्कृति और सांस्कृतिक बंधुता को बढ़ावा देना है, जो क्षेत्रीय सीमाओं के पार हो तथा स्थानीय संस्कृति को बढ़ाना और उसके प्रति जागरूकता पैदा करना और उसे बढ़ाना।	--	**17.00** (टीएसपी हेतु प्रावधान शामिल हैं)	विभिन्न स्कीमों, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों आदि के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों को सुदृढ़, संवर्धन और प्रदर्शित करना।	--	**37.61**	38.91 (प्रत्याशित उत्तर पूर्व और टीएसपी सहित)
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों में कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का आदान–प्रदान।			लगभग 1459 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनसे बड़ी संख्या में कलाकार लाभान्वित होंगे।	1222 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे देशभर में सांस्कृतिक विविधता को प्रसारित करने के लिए मेलों, समारोहों, सांस्कृतिक आयोजनों में बड़ी संख्या में तैनात किए गए कलाकारों को लाभ मिला।			
(ii)	प्रलेखन	विशेष रूप से लुप्त हो			कार्यक्रम समिति के परामर्श के	वर्ष 2011–12 के दौरान 58			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		रहे कलारूपों के समुचित परिरक्षण हेतु विभिन्न लोक एवं जनजातीय कलारूपों का प्रलेखन।			अनुसार सदस्य राज्यों के विभिन्न लोक तथा जनजातीय कलारूपों, उत्कृष्ट कलाकारों की कृतियों का प्रलेखन किया जाएगा और प्रकाशनार्थ अनुसंधानोन्मुखी परियोजनाओं का कार्य शुरू किया जाएगा।	से अधिक प्रलेखन कार्य किए गए।			
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष जनवरी के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह के लिए आयोजित किया जाता है जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता का संवर्धन करना है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर देश के विभिन्न हिस्सों के लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शन का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भाग लेते हैं।	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों ने 2011-12 की गणतंत्र दिवस परेड में सफलतापूर्वक भाग लिया।			
(iv)	कुरूक्षेत्र उत्सव	महाभारत से संबंधित एक पावन स्थल, कुरूक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर मनाया जाता है।			भारतीय कला व संस्कृति के संवर्धन हेतु बहुत ही उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकार कला प्रदर्शन करते हैं जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिल्पकलाकारों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन और उनकी बिक्री करने का अवसर मिलता है।	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा कुरूक्षेत्र उत्सव-गीता जयंती समारोह-2011, का आयोजन दिसंबर, 2011 के दौरान किया गया।			
(v)	गुरू शिष्य	हमारे तेजी से लुप्त हो			इससे न केवल गुरूओं बल्कि	स्कीम के तहत विभिन्न			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	परंपरा	रहे कलारूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करना।			शिष्यों को भी लाभ पहुँचाने का प्रस्ताव है। वर्ष के दौरान लगभग 110 गुरुओं और 439 शिष्यों को लाभान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।	कलारूपों के लगभग 85 गुरू अपने 258 शिष्यों के साथ लाभान्वित हुए।			
(vi)	रंगमंच सुदृढ़ीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाटकों तथा अन्य रंगमंच कार्यकलापों के मंचन का अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक दूसरे के साथ मेलजोल करना।			लगभग 172 रंगमंच समूहों को अपने नाटक प्रस्तुत करने का प्रस्ताव था और रंगमंच के संवर्धन में बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किए जाने का प्रस्ताव है	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि नाटक प्रस्तुतियों, नाटक उत्सवों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस स्कीम के अंतर्गत 88 से अधिक नाटक भी मंचित किए गए।			
(vii)	प्रतिभावान युवा कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कलारूपों में प्रतिभावान युवा कलाकारों को पहचानना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना।			लगभग 104 लोक कलाकारों को चुनें जाने तथा पर्याप्त संख्या में उभरते कलाकारों तथा लोगों को शामिल करते हुए प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी।	इस स्कीम के तहत 19 कलाकार लाभान्वित हुए और पुरस्कृत किए गए।			अखबारों में एक विज्ञापन दिया जाएगा और अन्य सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों से सम्पर्क किया जाएगा।
(viii)	शिल्पग्राम	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा स्थापित शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति			बड़ी संख्या में कलाकार और दस्तकार लाभान्वित होते हैं। बड़ी संख्या में लोगों को हमारी	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों ने बड़ी संख्या में दस्तकार और शिल्पी को शामिल करते हुए			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और प्रतिभावान दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। मुख्य उद्देश्य शिल्पग्राम/कलाग्राम में कार्यकलापों को बढ़ावा देना है।			समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी जाती है।	अपने संबंधित शिल्पग्रामों में शिल्पग्राम उत्सव और अन्य सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया।			
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव – आक्टेव	पूर्वोत्तर के प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य सामान्यतः लोगों को और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों को देश के शेष भाग से घनिष्ठ मेलजोल बढ़ाने में सहायता पहुँचाना है। यह पूर्वोत्तर और मुख्य भूमि के बीच तथाकथित दूरी का कम करना है।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, शिल्पकारों आदि सहित पूर्वोत्तर से लगभग 1200 कलाकार, आयोजित किए जाने वाले श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों में कला प्रस्तुत करेंगे।	सदस्य राज्यों में 25 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 250 कलाकारों ने भाग लिया।			
3.	**संगीत नाट्क अकादेमी, नई दिल्ली**	अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य और नाटक के संवर्धन और वृद्धि के लिए मंचकलाओं में प्रशिक्षण मानक के अनुरक्षण; संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से	**7.80**	**11.50**	संवर्धन और वृद्धि के लिए मंचकलाओं में प्रशिक्षण मानक के अनुरक्षण; संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित समितियों के जीर्णोद्धार, परिरक्षण, प्रलेखन और प्रसार के लिए तथा विशिष्ट कलाकारों	अकादेमी भारत की मंच कलाओं को आगे बढ़ाने के प्रति समर्पित है और प्रख्यात वयोवद्ध कलाकारों तथा नई पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों की कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था करके प्रशिक्षण	**9.44**	**23.79**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापना खर्चो के लिए योजनेतर

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		संबंधित समितियों के जीर्णोद्धार, परिरक्षण, प्रलेखन और प्रसार के लिए तथा विशिष्ट कलाकारों की पहचान के लिए कार्य करती है।			की पहचान के लिए कार्य करती है।	कार्यक्रमों के माध्यम से तथा छात्रवृत्तियां प्रदान करके प्रलेखनों द्वारा इस उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करती है।			अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	सर्वेक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन तथा प्रसार व प्रकाशन और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कार्यान्वयन परियोजना पर यूनेस्को सम्मेलन	मंच कलाओं की दुर्लभ परंपराओं की रिकार्डिंग का संरक्षण व संग्रहण, मंच कलाओं के सैद्धांतिक व अकादेमिक ज्ञान का विकास तथा मंच कलाओं पर साहित्य का प्रकाशन।			750 घंटे की ऑडियो तथा वीडियो रिकार्डिंग, 10 ऑडियो सी डी, 10 वीडियो सी डी, तथा 3000 फोटोग्राफों, 60 घंटे की ऑडियो तथा वीडियो डबिंग जारी किया जाना है। 5000 फोटो जोड़ा जाना है। 4 राज्यों में मानचित्रण परियोजना। एक राष्ट्रीय सम्मेलन, दो क्षेत्रीय सम्मेलन प्रस्तावित है। 6 पुस्तकें, 8 जर्नल और 12 समाचार बुलेटिने और एक वार्षिक रिपोर्ट। विश्वकोष के लिए 5 विद्वानों को लगाया जाएगा। अकादमी की उम्मेदवारी हेतु उन पर 10 फिल्मों सहित 5 घटकों का डॉजियर तैयार करना। पेरिस	एसएनए अभिलेखागार में 404 घंटों और 30 मिनट की विडियों रिकॉर्डिंग तथा 63 घंटे 35 मिनट की ऑडियों रिकॉर्डिंग तथा 12234 एवं श्यात–श्वेत एवं रंगीन फोटोग्राफ शामिल किए गए।			4 क्षेत्रों में सांस्कृतिक मानचित्र हेतु सर्वेक्षण प्रतिनिधि सूची के लिए अकादमी की उम्मेदवारी हेतु उन पर 10 फिल्मों सहित 5 घटकों का डॉजियर तैयार करना। पेरिस स्थित यूनेस्को के आईसीएच

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					स्थित यूनेस्को के आईसीएच उत्सव में भारतीय प्रस्तुतियों का आयोजन।				उत्सव में भारतीय प्रस्तुतियों का आयोजन।
(ii)	राष्ट्रीय मंच कला संग्रहालय भूमि की खरीद और भवन का निर्माण रंगमंच कला अभिलेखागार और पुस्तकालय एवं अभिलेखागार	अलग भवन और परिसर के अधिगहण द्वारा अकादेमी के विद्यमान संग्रहालय वाद्ययंत्रों, कठपुतलियों, मुखौटों व अन्य कला वस्तुओं को रंगमंच कलाओं के राष्ट्रीय स्तर के एक संग्रहालय में विकसित करना। अकादेमी के स्वयं के मौजूदा अभिलेखागार के अलावा देशभर में बिखरे पड़े दुर्लभ संग्रहों को प्राप्त करके दक्षिण भारत का एक समानांतर अभिलेखागार सहित भारत की मंच कलाओं के			कठपुतली, मुखौटे और अन्य कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए रविन्द्र भवन में उपलब्ध स्थान के स्तरोन्नयन हेतु एनएमपीए के लिए डीडीए से भूमि मिलना अपेक्षित है। मौजूदा अभिलेखीय संग्रह का अंकीकरण, गुवाहाटी, तिरूवनंतपुरम में एसएनए केन्द्रों में विषयवार अभिलेखागार स्थापित करना आदि।	गुरू शिष्य परम्परा के अंतर्गत दुर्लभ संगीत वाद यंत्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, दुर्लभ वाद यंत्रों को बनाने (उत्तर पूर्व के तुगबक और बेना) पर कार्यक्रम, श्रीनगर, उत्तराखं डमें डोल, डमो और हुडका बनाने पर तीन दिवसीय कार्यशालाएं (22–24 दिसम्बर, 2011) . संरिदा के वाद यंत्र बनाने पर 3–दिवसीय कार्यशाला (कूच बिहार, पश्चिम बंगाल में 23–25 जनवरी) ; दर्शकों के लिए गुवाहाटी में 15 दिनों की एक 250 कठपुतलियों एवं संगीत वाद यंत्रों वाली प्रदर्शनी पुस्तकालय में 225 पुस्तकें शामिल की गई।			नियमित कार्य नियमित कार्य

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	रंगमंच कलाओं पर विशेषीकृत पुस्तकालय	ऑडियो, वाडियो तथा फोटोग्राफों के दस्तावेजों का एक विशिष्ट अभिलेखागार विकसित करना। रंगमंच कलाओं पर अकादेमी के मौजूदा विशेषीकृत पुस्तकालय का विस्तार करना और इसके समग्र सामिग्रियों का डिजिटीकरण करना और इसे ऑनलाइन उपलब्ध करना।							
(iii)	भारत के विशेषीकृत क्षेत्रों/रूपों के लिए अकादमी के राष्ट्रीय संस्थान व केंद्रः कथक केंद्र, नई दिल्ली, कुटियट्टम केंद्र, केरल, छाऊ केंद्र, बारिपदा/जमशेद	अच्छे विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक स्तर के कथक डांसरों को तैयार करना, कुटियट्टम के लिए अकादमी की परियोजना सहायता को अपग्रेड करना व विकसित करना, पूर्वी क्षेत्र के छाऊ नृत्यों के लिए चल रही परियोजना सहायता का अपग्रेडेशन व विकास,			कथक पर नृत्य सेमिनार का नया प्रोडक्शन। कथक केन्द्र रिपर्टरी कंपनी का विस्तार 3 उत्सव, कथक महोत्सव। कुटियट्टम की जारी परियोजना जिसमें प्रशिक्षण, प्रोडक्शन, अनुसंधान व प्रदर्शन की कई परियोजनाएं शामिल हैं और जिससे संस्थान, काफी संख्या में कलाकार व अध्येता प्रत्यक्ष तौर पर लाभान्वित होते हैं। छाऊ नृत्यों की जारी परियोजना जिसमें प्रशिक्षण, प्रोडक्शन,	यह भारत के विभिन्न कला रूपों की विभिन्न परियोजनाओं के नियमित कार्यकलाप हैं। इन केन्द्रों द्वारा प्रत्येक वर्ष कार्यक्रम/ उत्सवों का आयोजन किया गया। पुदुल यात्रा गुवाहाटी (22 अप्रैल से 1 मई 2011), यह उत्सव विभिन्न उत्सवों की एक श्रृखला जैसे कि शिलांग, लखीमपुर, ईटानगर, आइजॉल, शिपझार,			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुर, अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएं, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इंफाल तथा सत्रीय केंद्र, गुवाहाटी	अकादमी के परंपरागत लोक रंगमंच रूपों, यथा – कर्नाटक का यक्षगान, तमिलनाडु का भगवत्मेला के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास, अच्छे विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के जरिए व्यावसायिक स्तर के मणिपुरी नर्तकों को तैयार करना, सत्रीय नृत्य व संबद्ध संगीत व नाट्क परंपराओं के लिए अकादमी परियोजना सहायता का विकास।			अनुसंधान व प्रदर्शन की कई परियोजनाएं शामिल हैं और जिससे शहरी व अर्धशहरी इलाकों के तकरीबन 300 कलाकार व अध्येता सीधे तौर पर लाभान्वित होते हैं। संगीत केंद्र, ग्वालियर, कठपुतली केन्द्र, नई दिल्ली, ओडिसी नृत्य एवं संगीत केंद्र, भुवनेश्वर और परंपरागत रंगमंच, वाराणसी पर परियोजनाओं की स्थापना/विकास। पुतुल यात्रा एवं प्रदर्शनी पश्चिम बंगाल गठपुतली यशगान गोपलीला में प्रशिक्षण आदि परम्परा उत्सव। संगीत केंद्र स्थापित करना, पारंपरिक लोक रंगमंच रूप, तमिलनाडु के भागवत मेला को सहायता, कर्नाटक के यक्षगण को सहायता वर्ष में नृत्य नाट्क के 3–4 नए निर्माण, 200 कलाकारों को मंच और देश में मणिपुरी नृत्य के लिए नए दर्शक जुटाना।*	मजोली, सिल्चर, दीमापुर, अगरतला, इम्फाल और गेजिंग के रूप में आयोजित किए गए, भारतीय कठपुतली कार्यशाला तथा भारतीय कठपुतली कलाकारों के साथ बातचीत, विश्व कठपुतली दिवस (21 मार्च, 2012), दिल्ली।			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	उत्सव, कार्यशालाएँ तथा राष्ट्रीय प्रदर्शनियाँ 1.संगीत नाटक अकादमी उत्सव, कार्यशालाएँ व प्रदर्शनियाँ 2. राज्य अकादमियाँ, संगठनों, केंद्र सरकार के संगठनों तथा बड़े सांस्कृतिक संस्थानों तथा प्रायोजित कार्यक्रम (नई स्कीम) 3. मेघदूत थियेटर परिसर में नियमित कार्यक्रम	क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तरों पर जीवंत शैली वाली प्रदर्शन कला परंपराओं को संरक्षित करना, प्रोत्साहित करना तथा उनका विकास करना एवं विचारों, परिकल्पनाओं एवं तकनीकों का देशव्यापी स्तर पर आदान-प्रदान करना।			नाट्य परम्परा पर 9 उत्सव, ब्रहदेसी श्रृंखला नृत्य लोक एवं संगम श्रृंखला/ ध्रुपद, ठुमरी परम्परा पर उत्सव, संस्कृति रंगमंच, उत्सव रविन्द्रनाथ टैगोर को 150वीं जयंती, मंच कलाओं के क्षेत्र में राज्य सरकार / अकादमियों और केन्द्रीय संगठनों के सहयोग के साथ 25 कार्यक्रम / कठपुतली परम्परा, रंगमंच, फिल्म आदि के पाक्षिक कार्यक्रम।	सिविल सेवा दिवस (14-17 अप्रैल, 2011), कोलकाता, रंगसंगम (22-28 अप्रैल, 2011), अहमदाबाद ने संपदन थिएटर, बंगलौर द्वारा आयोजित किए गए सम्पदा उत्सव 2011 में 4 समूहों को प्रायोजित किया (16-29 मई, 2011)			यह एक मौजूदा स्कीम है और कार्यक्रम शास्त्री बोर्ड ही सिफारिशों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे। रविन्द्र प्रनति थिएटर उत्सव, देहरादून, रविन्द्रनाथ स्मरणोत्सव नृत्य नाट्य; नृत्यांजली; भूपेन हजारिका को श्रृंद्धाजली, नई दिल्ली
(v)	अवार्ड, सम्मान	प्रदर्शन कलाओं में			33 अकादमी पुरस्कार, 2	33 अकादमी पुरस्कार, 2			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	तथा पुरस्कार : संगीत नाटक अकादेमी फेलोशिप तथा अवार्ड (अकादेमी रत्न सदस्यता तथा पुरस्कार), बिस्मिल्लाह खां–युवा पुरस्कार, युवा पुरस्कार	उत्कृष्टता तथा निरंतर अवदान को मान्यता देना तथा प्रख्यात वृद्ध कलाकारों को सहायता। अकादेमी अवार्ड फेलोशिप तथा अकादेमी अवार्ड (फेलोशिप 30 जीवित व्यक्तियों हेतु सीमित है।) 35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खां पुरस्कार प्रारम्भ किया गया। पुरस्कार में 25,000 रू0 की राशि दी जाती है।			फेलोशिप तथा 33 युवा पुरस्कार युवा कलाकार को दिए जाने हैं। युवा कलाकारों को युवा पुरस्कार	फेलोशिप। एक सप्ताह के उत्सव के पश्चात दिल्ली में बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार विजेता को माननीय अध्यक्ष एसएनए द्वारा युवा पुरस्कार प्रदान किया गया (7–13, 2012)			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 1.अंतर–राज्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 2. भारत–एशियाई सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम (नई स्कीमें)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण			30 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को मिलाकर 20 आदान–प्रदान २ वदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान सहित कार्यक्रम। प्रमुख एशियाई उत्सवों में 6 समूहों को प्रायोजित करते हुए पडोसी देशों की राष्ट्रीय अकादमियों के साथ संयुक्त प्रस्तुति।	30 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को मिलाकर 20 आदान–प्रदान विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान सहित कार्यक्रम। प्रमुख एशियाई उत्सवों में 6 समूहों को प्रायोजित करते हुए पडोसी देशों की राष्ट्रीय अकादमियों के साथ संयुक्त प्रस्तुति।			एफओआई और चीन में संगोष्ठियों / प्रदर्शनियों का आयोजन। ब्राजील और मैक्सिको में एफओआई, तथा प्रतिनिधि मंडल का चीन का दौरा।
(vii)	प्रशिक्षण और मंच सहायता – पारंपरिक, लोक और जनजातीय मंच कलाओं का प्रशिक्षण, युवा कलाकारों का संवर्धन और सहायता।				विभिन्न मंचकला रूपों में 50 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना। दस और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया जाएगा। उत्तर, दक्षिण, पूर्व व पश्चिम और मध्य क्षेत्र में युवा संगीतकारों/नर्तकों के 5 समारोह। विभिन्न राज्यों में युवा निर्देशकों के 3 समारोह, 2 रंगमंच	गुरू शिष्य परंपरा के अंतर्गत 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और 5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समीक्षा के पश्चात बंद कर दिया गया है। नृत्य प्रतिभा विशाखापंटनम (5–7 अप्रैल, 2011) संगीत प्रतिभा, नैनीताल (19–22 अक्तूबर, 2011)			कठपुतलियों पर प्रदर्शनी एवं उत्सवों तथा विभिन्न अन्य कार्यक्रमों के लिए 30 संस्थानों को सहायता प्रदान की

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कठपुतली का परिरक्षण, बाल थिएटर को सहायता।				कार्यशालाएं, निर्माण आर्थिक सहायता।*				जानी है। 50 बाल रंगमंच समूहों को वित्तीय सहायता।
4.	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा प्लास्टिक कलाओं का संवर्धन	**6.75**	**7.00**		स्थापना शीर्ष के अंतर्गत सीजीएचएस अंशदान का भुगतान, चिकित्सा खर्चे, सेवानिवृत्ति संबंधी लाभों का भुगतान भी गैर योजना बजट से किया जाता है।	**6.76**	**7.09**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापना खर्चो के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	दृश्य तथा प्लास्टिक कला के क्षेत्र में संवर्धनात्मक कार्यकलाप। सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आग्र प्रदर्शनी,	अकादेमी के मुख्य उद्देश्य विशेषतः समकालीन कला के क्षेत्र में देश के कला, कार्यकलापों के विकास हेतु कलाकार समुदाय को बुनियादी ढांचागत सुविधाएं प्रदान करना है।			राष्ट्रीय प्रदर्शनी – 1 सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत शिष्टमंडल आदान–प्रदान कार्यक्रम – 5 बहिर्गामी प्रदर्शनी – 5 आगत प्रदर्शनी – 4 चल प्रदर्शनी – 3 कैंप व वर्कशाप – 10 व्याख्यान और सेमिनार – 38 एलकेए गैलरी में प्रदर्शनी –	प्रदर्शनी : राष्ट्रीय – 1 सीईपी के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रमों का आदान प्रदान – 2 (उच्चाधिकार प्राप्त चीन के प्रतिनिधिमंडल द्वारा भारत के दौरे – 5) सीईपी के अंतर्गत भारत का दौरा करने वाले बांग्लादेश के			**पूर्वोत्तर कार्यक्रम** राष्ट्रीय कला उत्सव–1, राष्ट्रीय कला कानक्लेव–1 , चल प्रदर्शनी–5, सेमिनार–2 ऑक्टेव–1,

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, कला संचार और प्रसार, अभिलेख और स्लाइट व्यय, व्याख्यान और सेमिनार, शिविर और कार्यशालाएं, एस.ए और कला संगठनों को एच.क्यू. अनुदान, मुख्यालय कला दीर्घा और ए. सी. व्यय, पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की खरीद, बहिर्गामी प्रदर्शनी, विशेष प्रदर्शनी, लोक जनजातीय और पारंपरिक कला का सर्वेक्षण,				250 कला संगठनों को सहायता अनुदान – 25 कलाकृतियों का संरक्षण और जीर्णोद्धार – 150 12वां त्रैवार्षिक भारत – 1 रबीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती के कार्यक्रम – 1 टैगोर कार्यक्रम, टैगोर के कार्य पर प्रदर्शनी – 2 टैगोर पर प्रकाशन/ पोर्टफोलियों – 2 छात्रवृत्ति – 40 अध्येतावृत्ति – 2 प्रकाशन – 25 क्षेत्रीय कार्यक्रम – 30 व्याख्यान – 40 राष्ट्रीय कला उत्सव :– 1 ऑक्टेव के अंतर्गत उत्तर पूर्व प्रदर्शनी – 1 प्रमुख कार्य – 3 गढ़ी स्टूडियों नई दिल्ली और	प्रतिनिधि मंडल – 8 **बहिर्गमन प्रदर्शनियां** – 2 वेनिस (इटली) में अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी शीर्षक ला बिनाले – 1 प्रतिनिधि मंडल प्रदर्शनी के सिलसिले में अकादमी के संग्रहाध्यक्ष / अधिकारियों के वेनिस दौरे – 24 ओटावा कनाडा में समकालीन भारतीय कला प्रदर्शनी – 1 प्रदर्शनी प्रतिनिधि मंडल के साथ ओटावा कनाडा का दौरा – 3 **दूसरे देशों से आने वाली प्रदर्शनियां – 2** ''सबटले ब्यूटी ऑफ चेक ग्लास फ्रॉम चेक'' नामक प्रदर्शनी – 1 ''श्रीलंका की पारंपरिक मंदिर चित्रकला'' नामक श्रीलंका की एक प्रदर्शनी – 1			पूर्वोत्तर कला उत्सव–1, पूर्वोत्तर कला शिविर –4, क्षेत्रीय कला मेला–1, क्षेत्रीय शिविर–1, रबीन्द्र भवन बाहरी क्षेत्र का जीर्णोद्धार; कार्य चल रहा है और 2–3 महीनों मे पूरा होगा।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संरक्षण और जीर्णोद्धार, पूर्वोत्तर के अलावा कला उत्सव, XIX राष्ट्रमंडल खेल, कार्यक्रम और बुनियादी सुविधाएं, रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती कार्यक्रम, अध्येतावृत्ति और शिक्षावृत्ति, प्रकाशन और प्रलेखन, क्षेत्रीय केंद्र, पूर्वोत्तर कार्यक्रम, कोलकाता, गढ़ी में नए क्षेत्रीय केंद्रों की स्थापना। प्रदर्शों की खरीद, परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु				क्षेत्रीय केन्द्र चेन्नई का प्रस्तावित नवीकरण एवं द्वितीय चरण।	प्रदर्शनियां – 17 क्यूरेटिड – 3 महिला उन्मुख – 1 चल प्रदर्शनियां – 1 अध्येता प्रदर्शनी – 3 क्षेत्रीय प्रदर्शनी – 9 राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय शिविर – 21 व्याख्यान / पैनल विचार विमर्श / कला / स्लाइडशो / फिल्मशो /एच क्यू एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कलाकार – 67 **एलकेए गैलरी में प्रदर्शनी – 319** **क्षेत्रीय केन्द्र की गैलरियों में प्रदर्शनी – 58** अध्येतावृत्ति – 1 कला संगठनों को सहयाता अनुदान – 7 छात्रवृत्ति – 40 परिरक्षण / संरक्षण – 340 कलाकृतियां **रबिन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती – कार्यक्रम** क्यूरेटिड प्रदर्शनियां ''द			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अनुदान अन्य उपरी खर्चे एवं वेतन आदि।					आइडिया ऑफ स्पेस'' – सीईपी के अंतर्गत बंगलादेश के कलाकारों से रेजीडेंसी में एक कलाकार – 1 बांग्ला तुली प्रदर्शनी – 1 रबीन्द्रनाथ टैगोर स्मृति संगोष्ठी – 1, टैगोर की पेंटिंग पर प्रदर्शनी – 1 रबिन्द्रनाथ टैगोर इन चाइना नामक सहयोगी प्रदर्शनी – 1 **प्रकाशन – 13 पुस्तकें –** आर्ट ट्रेन्ड्स, आरूप और आकार, कला और कविता, एलकेसी–52, एलकेसी–53, समकालीन कला – 40 – 41, 42,43, सूची पत्र – 53 एनईए **प्रदर्शनियों के लिए अन्य सूची पत्र – 5 उत्तर पूर्व कार्यक्रम** राष्ट्रीय कला उत्सव – 1, ऑक्टेव – 1, आर्ट कॉनकलेव –1, ऑक्टेव के अंतर्गत उत्तर पूर्व प्रदर्शनी – 1, उत्तर पूर्वी समकालीन कला मेला – 1, हॉर्नबिल इंटरनेशनल पब्लिक आर्ट फेस्टिवल – 1, उत्तर पूर्व			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						कार्यक्रम घोषणा – 1, चित्रकारी शिविर – 2, काष्ठ नक्कासी शिविर – 1, कला सराहना – 1 **जनजातीय कार्यक्रम** क्षेत्रीय चित्रकारी शिविर राजगीर (बिहार), नागालैंड लोक कला उत्सव, क्षेत्रीय मूर्ति कला शिविर शिव सागर (असम), सहयोगी कार्यक्रम मणिपुर, क्षेत्रीय अंकीय फोटोग्राफी कार्यशाला, ओर्चा मध्य प्रदेश। **पूंजीगत कार्य** गडी स्टूडियों नई दिल्ली का नवीकरण संबंधी कार्य प्रगति पर है और इसे वित्तीय वर्ष 2012–13 में पूरा कर लिया जाएगा।			
5.	**साहित्य अकादेमी**	24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य शुरू करना।	**7.00**	**10.50**	स्थापना शीर्ष के अंतर्गत सीजीएचएस अंशदान का भुगतान, चिकित्सा खर्चे, सेवानिवृत्ति संबंधी लाभों का भुगतान भी गैर योजना बजट से किया जाता है।		**8.00**	**13.99**	सामान्यतया, प्रशासनिक तथा स्थापना व्ययों के लिए योजनोतर अनुदान का प्रयोग किया

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									जाता है।
(i)	पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन।	पाठकों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना और एक ही स्थान पर भारत में लेखकों तथा साहित्यिक कार्यकलापों के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट के साथ साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा विद्वानों पर वृत्तचित्र/टेलीफिल्म बनाना।			विदेशी प्रकाशन सहित 24 भारतीय भाषाओं में पुस्तकों की खरीद जारी रहेगी। विभिन्न भाषा अनुभागों के संबंध में डाटा का रेट्रोकन्वर्सन शुरू किया जाएगा। अकादमी की हिंदी और अंग्रेजी वेबसाइट पर ग्रंथ सूची पत्र को उपलब्ध कराया जाएगा। लाइब्रेरी में नई कंप्यूटर प्रणाली को क्षेत्रीय कार्यालय पुस्तकालय से जोडा जाएगा। विभिन्न कार्यक्रमों / सेमिनारों के ऑडियों टेपों के सूची पत्र का आरंभिक कार्य प्रगति पर है।	**क. लाइब्रेरी एवं वाचन कक्ष के विकास पर खर्च** i. विदेशी पुस्तकों सहित 22500 पुस्तकें खरीदी गई। ii. 75 पत्रिकाएं एवं जनरल (प्रधान कार्यालय और तीन क्षेत्रीय कार्यालय पुस्तकालय)। iii. कोलकाता, मुम्बई, बैंगलोर में तीन क्षेत्रीय पुस्तकालयों तथा प्रधान कार्यालय में कंप्यूटर और प्रिंटर खरीदे गए। **ख. प्रलेखन एवं बिबलोग्राफी केन्द्र** i. पांच भाषाओं में रेट्रो कन्वर्जन किया गया। ii. बिबलोग्राफी परियोजना, रबीन्द्रनाथ टैगोर की महत्वपूर्ण कार्य संबंधी सूची का संकलन किया गया और उत्तर पूर्वी साहित्य प्रकाशन की प्रक्रिया में है। **ग. भारतीय लेखकों के 'कौन क्या**			एक बार सूचीपत्र तैयार हो जाने के बाद सूची पत्रों को अंकीय अनाया जाएगा। लेखकों पर 10 डाक्यूमेंटरी फिल्म बनाई जाएंगी। वर्तमान वर्ष में भारतीय लेखकों के 'कौन क्या है' के संशोधित कार्य पहले ही शुरू किया गया है। इसकी पांडुलिपियां वर्ष 2011 के अंत तक पूरा होने की

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						है। यह एक मौजूदा परियोजना है।			आशा है।
(ii)	**प्रकाशन स्कीम**	इस स्कीम का उद्देश्य अकादेमी के बुनियादी कार्य भारतीय साहित्य का प्रसार करना और बहुभाषी समाज को अन्य भाषा से भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर विनिबंधों, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी क्लासिक ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि का संग्रह करना है।			द्विमासिक पत्रिका 'भारतीय साहित्य' (हिन्दी) तथा 'भारतीय साहित्य' (अंग्रेजी) तथा छमाही पत्रिका 'संस्कृत प्रतिभा' (संस्कृत) का प्रकाशन जारी रखा जाएगा। केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान के सहयोग के साथ 'कथा भारती एक नई प्रकाशन श्रंखलाशुरू की गई है। भारतीय साहित्य विश्वकोश के हिंदी संस्करण के कार्य को भी शुरू किया जाएगा। साहित्यिक विशिष्टा वाली समस्त पुस्तकों कोशामिल करते हुए भारतीय साहित्य वर्ष 1954-2000 की राष्ट्रीय ग्रंथ सूची की द्वितीय श्रंखला।	क. पुर्न मुद्रण सहित 276 पुस्तकों को प्रकाशित किया गया। ख. जरनल (भारतीय साहित्य और समकालीन भारतीय साहित्य दोनों ही द्विमासिक) मुद्रित किए गए। ग. भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय साहित्य की ग्रंथ सूची के चार खंड पहले ही प्रकाशित किए गए हैं। घ. मौलिक लेखन के लिए 15 प्रतिशत, अनुवाद के लिए 10 प्रतिशत और मूल अनुवाद के लिए 5 प्रतिशत की दर से लेखकों रॉयल्टी का भुगतान किया गया।			बंगाली, डोगरी, कन्नड, मैथली, मलियालम, मणिपुरी, नेपाली, उडिया, राजस्थानी, तमिल और तेलगू ने अपनी प्रविषिटियां पहले ही प्रस्तुत कर दी हैं। मुद्रण कार्यों को चार चरणों में शुरू किए जाने का प्रस्ताव है।
(iii)	साहित्यिक	महान लेखकों की			अकादमी 50 साहित्यिक मंच	क. शताब्दि समारोह, सेमिनार			5 लोक

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	समारोह तथा कार्यक्रम	जयंतियाँ मनाना, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, लेखक शिविर, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ आदि आयोजित करना, लेखक भेंट, व्यक्ति, पुस्तकें आदि के आयोजन द्वारा लेखकों को उनकी आवधिक भेंट के लिए मंच प्रदान करना।			बैठकें, 10 मनुष्य एवं पुस्तक, 5 अस्मिता, 10 कवि संधि, 5 काव्य संध्या, 5 मुलाकात, 10 कथा संधि, 20 थू माई विंडों, 5 आविष्कार, आगंतुक विदेशी लेखकों द्वारा 5 व्याख्यान तथा अन्य साहित्यिक सम्मेलनों आदि का आयोजन करेगी। देश के विभिन्न भागों में इस वर्ष के दौरान 125 साहित्यिक मंच बैठकें आयोजित की जाएगी।	एवं लेखक कार्यशालाएं, अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए गए। i. 24 भाषाओं में 83 सेमिनारों का आयोजन। ख. साहित्यिक मंच, प्रवासी मंच, राजभाषा मंच की 39 बैठकें, सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम, पुस्तक विमोचन समारोह आदि आयोजित किए गए। 13 कार्यशालाएं, 15 लेखक से भेटवार्ता कार्यक्रम, 2 मनुष्य एवं पुस्तक कार्यक्रम, 5 थू माई विंडों कार्यक्रम।			मंच, 7 मुलाकात, 11 कथासंधि, 9 कवि संधि और 8 अस्मिता कार्यक्रम आयोजित किए गए।
(iv)	लेखकों को पुरस्कार	भारतीय भाषा के युवा और उम्रदराज लेखकों को अपने क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों की यात्रा करने के लिए सहायता देना, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत भारतीय लेखकों को भेजना और विदेशी लेखकों के शिष्टमंडल की मेजबानी करना, अकादेमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24			अपने क्षेत्र के अलावा देश के अन्य भागों की यात्रा के लिए अकादेमी स्कीम के अंतर्गत युवा लेखकों को यात्रा अनुदान दिया जाएगा। अकादमी भारत सरकार के निर्णय के अनुसार और पारस्परिक आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेगी। अकादमी द्वारा मान्यताप्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया	क. लेखकों को यात्रा अनुदान प्रदान किए गए। ख. साहित्यिक आदान प्रदान किए गए। ग. अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में लेखकों को वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए गए। घ. महापरिषद बैठक, शासी बोर्ड बैठक, वित्तीय समिति बैठकों तथा 24 भाषा सलाहकार बोर्ड बैठकों आदि के			**क.** ऐसे लेखकों/अध्येताओं जो भारत के नागरिक हैं को 6 महीनों के लिए 25 हजार की दर से सहायता दी गइ। **ख.** ऐसे लेखकों/

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भारतीय भाषाओं में उन साहित्यिक कार्यों को पुरस्कार देना जिनकी सराहना किए जाने तथा प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है। प्रख्यात लेखकों को भारतीय साहित्य में उनके अवदान के लिए मानद फेलोशिप प्रदान करना।			जाएगा। लेखकों/कॉपीराईट धारकों को रॉयल्टी और पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। आवासी लेखकों के लिए स्कीम के अंतर्गत अनुदान जारी रहेगा। इस स्कीम के अंतर्गत जीवित अध्येताओं, प्रख्यात लेखकों आदि को वित्तीय सहायता दी जाएगी।	लिए सदस्यों को यात्रा भत्ते प्रदान किए गए।			प्रतिष्ठित भारतीय लेखकों जो स्थायी बीमारी से पीडित हों, को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।
(v)	अकादेमी के प्रकाशनों का संवर्धन/ पुस्तक प्रदर्शनियाँ।	साहित्यिक जर्नलों के माध्यम से अकादेमी के प्रकाशनों का विज्ञापन करना, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना और उनमें भाग लेना।			3.00 करोड़ रू. के विक्रय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अकादमी, राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लेगी। पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान अकादेमी के विभिन्न प्रकाशनों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा, यह प्राविधिक शहर/कस्बा पुस्तक प्रदर्शनियों में भी भाग लेगी। साहित्यिक समारोहों के दौरान पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित करना।	राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लेकर अकादमी के प्रकाशनों को पाठकों के एक व्यापक वर्ग तक उपलब्ध कराया गया। अकादमी ने अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनीयों नामत : विश्व पुस्तक मेले आदि सहित देशभर में 120 प्रदर्शनियों में भाग लिया।			अकादमी के प्रकाशनों को दैनिक समाचार पत्रों/ प्रमुख पत्रिकाओं में विज्ञापन, समीक्षा आदि के माध्यम से प्रचारित किया गया।
(vi)	अनुवाद स्कीमें, क्षेत्रीय साहित्य, अध्ययप	अकादेमी की मुख्य गतिविधि है। अनुवाद केंद्र 'शब्दना' को अनुवादकों के			अकादेमी द्वारा मान्यताप्राप्त 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार जारी रहेगा।	– अनुवाद केन्द्रों ने प्राचीन, पूर्व आधुनिक एवं आधुनिक भारतीय श्रेणय ग्रंथों के			– जनजातीय साहित्य और मौखिक

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	परियोजनाएं भाष विकास, अध्येतावृति : कुमरा स्वामी एवं प्रेमचंद, भारतीय भाषा में अनुवाद की राष्ट्रीय ग्रंथ सूची, भारतीय काव्य विश्वकोश, भारत की महान पुस्तकें आदि।	प्रशिक्षण की व्यवस्था करके तथा कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा कार्यरत अनुवादकों को प्रशिक्षित करके सुदृढ़ बनाना। अंतरभाषिक अनुसंधान तथा अनुवाद करना, अनुवादकों का रजिस्टर तैयार करना, अनुवाद के लिए शीर्षक अभिनिर्धारित करना तथा उनका अन्य भारतीय भाषाओं व विदेशी भाषाओं में प्रकाशन करना।			केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा शुरू की गई ''कथा भारती'' स्कीम संबंधी कार्य जारी रहेगा। सीआईआईएल, हैदराबाद को उनकी वेबसाइट पर डालने के लिए और अधिक डाटा प्रदान किए जाएंगे। केंद्र मान्यताप्राप्त भाषाओं और गैर–मान्यताप्राप्त भाषाओं में, अनुवाद कार्यशालाओं को आयोजन करेगा। लगभग 30 पुस्तकों का अनुवाद एवं प्रकाशन किया जाना है। बाल साहित्य का एक भाषा से दूसरे भाषा में अनुवाद जारी रखा जाएगा।	अनुवाद का कार्य शुरू किया और नियमित कार्यशालाएं भी आयोजित की। – अनुवाद पुरस्कार : साहित्य अकादमी ने उत्कृष्ट अनुवाद के लिए प्रदान किए जाने वाले वार्षिक अनुवाद कीशुरूआत की है जिसे साहित्य अकादमी द्वारा मान्यताप्राप्त 24 भाषाओं में दिया जाएगा इस पुरस्कार में प्रत्येक भाषा वर्ग में 50 हजार रूपये दिए जाऐंगे। – अनुवाद पुरस्कार विजेता पुस्तके – अनुवादित बाल साहित्य – कार्यक्रम अनुसार चार क्षेत्रीय केन्द्रों की बैठके आयोजित की गईं। वर्ष के दौरान कार्यशालाएं एवं 4 क्षेत्रीय सेमिनार आयोजित किए गए। अटकादमी ने अपने कार्यक्रमों के कार्यान्वयन हेतु 22 भाषाओं की पहचान की है। भाषा सम्मान की शुरूआत की गई है जिसे ऐसे लेखकों,			परम्परा में बहुत से प्रकाशन पहले ही आ गए हैं। – आनंद कुमरा स्वामी और प्रेमचन्द अध्येतावृति और अध्येता तथा मानद अध्येताओं को वर्ष के दौरान सम्मानित किया गया। – विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करके साहित्य अकादमी द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर की

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						अध्येताओं, सम्पादकों आदि को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने संबंधित भाषा के विकास अथवा इसे समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।			150 वीं जयंती मनाई गई तथा टैगोर के संबंध में एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजित किया गया।
6.	**भारत महोत्सव**	बेहतर समझदारी और सहयोग प्राप्त करने के लिए चुनिंदा बाहरी देशों में प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करना।	**3.75**	**––**	कला/संग्रहालय प्रदर्शनियों, साहित्यिक सेमिनारों, रंगमंच/प्रदर्शन/सेमिनार/ कार्यशालाओं/सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा।	सीईपी के तहत विदेशों में अच्छी संख्या में समारोहों/ 'भारतीय दिवस' आयोजित किए जाने और अपने देश में दूसरे देशों के उत्सव/दिन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।	**0.00**	**–**	वर्ष 2011–12 के दौरान भारत महोत्सव आयोजित नहीं किया जा सका।
7.	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आई जी एन सी ए)**	आईजीएनसीए की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की स्मृति में की गई थी। इसकी परिकल्पना कला के क्षेत्र में अनुसंधान, अकादेमिक अध्ययन तथा प्रसार के लिए की गई थी।	––	**25.00**			**–**	**30.00**	
(i)	विभिन्न	आधारभूत पाठ्यों के			निम्नलिखित आयामों पर	विभिन्न पाठों से चुने गए			ज्ञान प्रणाली,

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कलाओं के मध्य बहुविषयक अनुसंधान तथा आलोचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना	अनुसंधान और प्रकाशन के अपने कार्यक्रमों को बढ़ाना, संदर्भ कार्यों, शब्दानुक्रमणियों, शब्दकोशों, विश्वकोशों आधारभूत शब्दावली का समानांतर कोश आंतर भाषा व अंतर्विषयी शब्दानुक्रमणियाँ व शब्दकोशों के कार्यक्रम को वृहत किया जाना, कला व विज्ञान के संबंध व उसके आयामों की छानबीन, भारत और विश्व की कलाओं के बीच संबंध की छानबीन, पूर्वोत्तर और इसके सांस्कृतिक आयामों पर विशेष फोकस।			अध्ययन :– (क) अस्मिता के बहुस्तर तथा कलाओं में उसकी अभिव्यंजना (ख) भाषा तथा सांस्कृतिक विविधता (ग) ववेक परंपरा, इकोलॉजी, संसाधन प्रबंधन तथा सतत विकास (घ) धार्मिक पहचान, पारम्परिक एवं सामासिक संस्कृतियों का संगम (ड़) अंतर–सांस्कृतिक वार्ता (च) भारतीय कला तथा संस्कृति में महिलाओं का योगदान	2755 संदर्भ कार्डों (केटीके) खंड VII पर 204 कार्ड, केटीके खंड VIII पर 182 कार्ड, केटीके खंड IX पर 190 कार्ड तथा अन्य शब्दावलियों पर 2179 कार्ड) को तैयार किया गया। संस्कृति विभाग बीएचयू के सहयोग के साथ आयोजित पांडुलिपि शास्त्र एवं पेलियोग्राफी पर एक दो सप्ताह वाली कार्यशाला ; 28 खंडों में 27 पार्ट प्रकाशित किए गए। स्वर्गीय डॉ सीआर स्वामी नाथन द्वारा संपादित एवं अनुवादित खंड 6 को प्रकाशित किया गया। सभी 5 खंड सम्पादित किए गए एवं प्रेस के लिए पूर्ण रूप से तैयार किए गए। कला समालोचना श्रंखला के अंतर्गत विभिन्न खंड प्रकाशन के विभिन्न चरणों में हैं। दृश्यकला – रबीन्द्रनाथ टैगोर पर तीन व्याख्यान सहित पांच व्याख्यान आयोजित किए गए। **नृजातीय संग्रह** – पश्चिम बंगाल के			धान खेती, उत्तरी मालावार में धान की खेती से संबंधित लोर एवं स्थानीय ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का प्रलेखीकरण किया गया। अरबी मलयालम तथा केरल के मपिला मुस्लिमों की भाषाई सांस्कृतिक परंपराओं पर अनुसंधान के अंतर्गत भारत की साझा संस्कृति पर उत्तर पूर्वी पंजाब और केरल की मंच

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						कुंडलित चित्र – 10; आंध्र प्रदेश के कुंडलित चित्र – 4 ; आंध्र प्रदेश की छाया कठपुतली – 16 ; पश्चिम बंगाल से गम्बरीहा मुखौटा – 4 ; मिथिला चित्र – 4 ; इंडोनेशियाई कठपुतलियां – 4 ; पश्चिम बंगाल की शोलापिथा वस्तुएं – 3 ; दृश्य संग्रह : भारत में एक दृश्य संग्रह प्रणाली लगाई गई है। सांस्कृतिक संसाधन प्रबंधन पर विभिन्न कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्य्रक्रम आयोजित किए गए। प्रोफेसर ए के दास द्वारा तैयार प्रभाग के नृजातीय संबंधी संग्रहों से उत्तर पूर्व भारत के वस्त्रों पर दिगबानी नामक एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। मल्टीमीडिया प्रस्तुतिकरण एवं कार्यक्रम के अंतर्गत : 2349 फोटोग्राफों और उनके विवरणों को तैयार किया गया, मानचित्रों में जीपीएस फिल्ड आंकडों का रूपांतरण तथा झारखंड और कर्नाटक से			कलाओं पर प्रलेखीकरण कार्य किए गए। जया उत्सव के सूची पत्र का प्रकाशन ; उत्तर पूर्वी भारत के देशज रंगमंच आदि पर कार्य शुरू किए गए। लोकप्रिय हस्तियों द्वारा निर्देशित विभिन्न फिल्मों को तैयार किया गया। द एम्बोडी इमेज ; कृष्णा रेड्डी अ रेट्रोस्पेटी बामियान से बगान, दिल्ली लाल किले से

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						1713 फोटोग्राफों का प्रापण, अंकिकृत एवं सलाइट बनाए गए फोटोग्राफ्स को डालना। महाभारत और रामकथा की जीवंत परंपराओं की शुरूआत की गई और भारत के महाकाव्य की जीवंत परंपराओं के चित्रण कार्य की शुरूआत। परंपरागत कार्य के अंतर्गत 'भूमदेली गीतों' और 'लंका चढ़ाई' आदि का संपादन कार्य।			रायसीना आदि सहित विभिन्न प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। आईजीएनसीए ने स्वदेशी रंगमंच 'दिग्बानी' (प्रदर्शनी) का संचालन किया और उत्तर पूर्वी भारत की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया गया।
(ii)	संसाधन वृद्धि और आधुनिकीकरण	कला और संस्कृति के लिए राष्ट्रीय केंद्र के रूप में सेवा करने और अपने अन्य आंतरिक प्रभागों के अनुसंधान और प्रकाशन कार्यकलापों के समर्थन के लिए आईजीएनसीए के			(क) निम्नलिखित की खरीद – (i) पुस्तकें (ii) जरनलें (iii) दुर्लभ पुस्तकें (iv) निजी संकलन (ख) आंतरिक डिजीटल फोटोग्रुाी के जरिए स्लाईडों का संकलन	**<u>संदर्भ पुस्तकालय :–</u>** पुस्तकालय में 1140 खंडों को जोडा गया जिनमें से 678 खरीदे गए और 462 भेंट के रूप में प्राप्त हुए। डॉ. श्रीमती वात्सायन संग्रह में सभी 7584 पुस्तकों को परिग्रहित,			5000 दुर्लभ पुस्तकों का बचाव संबंधी परिरक्षण ; काफ्ट संग्रहालय में संग्रह के

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्राथमिक स्रोत सामग्री – लिखित, मौखिक, श्रव्य, श्रवय–दृश्य और चित्रात्मक के रिपोजिटरी की वृद्धि, आधुनिक प्रबंधन और प्रौद्योगीकिया उपस्करों और प्रणालियों का उन्नयन और संस्थापन, विभिन्न भागों में स्रोत सामग्रियों के पुनःउत्वादन में वुद्धि, प्रौद्योगिी उन्नयन और प्रदर्शनी और प्रस्तुति के लिए स्थायी विथियों की स्थापना।			और स्लाईडों की खरीद (ग) पांडुलिपियों की माइक्रोफिल्मिंग (घ) सांस्कृतिक अभिलेखीय सामग्री का प्रापण (ड.) इनका आधुनिकीकरण (i) डिजीटल पुस्तकालय सूचना प्रणाली (ii) एन्नौनेटेड ग्रंथसूची इंडेक्स (iii) रिपोग्राफिक इकाई (iv) श्रव्य–दृश्य उपस्करें (च) सांस्कृतिक सूचनांकिकी (छ) वीथियों का सृजन	वर्गीकृत, प्रसंस्कृत किया गया। 204 अकादमिक एवं तकनीकी जरनलों की सदस्यता ली गई। 13343 अनुच्छेदों का सूचीबद्धकरण / सारांशा कार्य किया गया। 2173 जरनलों को पंजीकृत किया गया तथा 80 बैक वाल्यूम को परिग्रहित किया गया। वर्ष के दौरान 1780 पुस्तकों का वर्गीकरण एवं सूचीबद्धकरण कार्य किया गया। 1720 पुस्तकों को लिबसिस डाटाबेस में शामिल किया गया। द्वितीयक स्रोतों से महाभारत–1026 प्रविष्टियों पर ग्रंथ सूचियों को एकीकृत किया गया। एबीआईए – सीडीएस / आईएसआईएस, एबीआईए डाटाबेस में इस वर्ष 683 नए रिकॉर्ड का सृजन किया गया। 31 टिप्पण – अभिलेख रिकॉर्ड को तैयार किया गया। **<u>प्रतिलिपिकरण : –</u>** 2,26,255 संस्कृत पांडुलिपियों का कार्यक्रम किया किया ;			पुनर्गठन के संग्रह पर आईसीसीआर ओएम के सहयोग के साथ 10 दिवसीय कार्यशाला। हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित राजशेखर मंसूर, उस्ताद रजा अली खान और पंडित बुद्धदेव दासगुप्ता (सरोद) का प्रलेखीकरण। **<u>अंकीकरण :–</u>** 1268 वीडियों टेपों तथा 380 ऑडियों कैसेटों का

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						1,20,000 संस्कृत पांडुलिपि के अभिलेखों को संपादित किया गया ; ओआरआई मैसूर से पांडुलिपियों के मैसूर से 26 रॉल प्राप्त किए गए ; 74 फुल रॉल रीटेक और 36 रीटेक प्राप्त किए गए ; 2000 मास्टर नेगेटिव रोलों की भूतलक्षी जांच पूरी की गई और 2000 मास्टर नेगेटिव रोलों को दोबारा धोया गया। **<u>स्लाइड यूनिट : –</u>** 6000 अंकीय चित्रों को प्राप्त किया गया ; मौजूदा संग्रह से, 4090 चित्रों को परिग्रहित किया गया, लिबसिस डाटाबेस में विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रह के 300 केटलॉग कार्डों को शामिल किया गया। रामपुर रजा पुस्तकालयों के 955 संग्रहों का वैदिककरण किया गया। रबीन्द्रनाथ टैगोर पर एक प्रदर्शनी और एक व्याख्यान माला।			अंकीकरण किया गया। 19 आईजीएनसीए प्रत्येक की 500 प्रतियों का बडी मात्रा में प्रकाशन किया गया। भारतीय शास्त्रीय कार्यक्रमों की विभिन्न कडियों के पोस्ट प्रोडेक्शन कार्य को सम्पन्न किया गया। आईजीएनसीए वेबसाइट के अंतर्गत लगभग 6 हजार पुरातत्व संबंधी स्थानों के डिजीटल चित्रों (29

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									जिलों में) को अपलोड किया गया।
(iii)	आईजीएनसीए में सांस्कृतिक मानचित्रकारी एवं उपकरणों का आधुनिकीकरण	भारत के विभिन्न समुदायों के बीच मौजूद कला तथा हस्तकला परंपराओं के विशिष्ट पहलुओं के साथ उनके पर्यावरणीय तथा सांस्कृतिक प्रोफायल का मानचित्रण। अत्याधुनिक भवन के डिजाइन और अवसंरचना को ध्यान मे रखते हुए कार्यालय को फर्नीचर और उपकरणों से सुसज्जित बनाना।			(i) एक प्रकोष्ठ की स्थापना (ii) अनुसंधान तथा क्षेत्र अध्ययन (iii) एटलस का निर्माण फोटोकापियर्स, फैक्स मशीन, मेज, अलमारी, स्थापित कार्यस्थल का प्रापण और सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र और उपकरण प्रदान करना।	आधुनिक उपकरणों का संस्थापन, कार्य निपटान में वृद्धि और बेहतर कार्यकरण। नेटमो और एनआईआईटी जीआईएस में तीन आईजीएनसीए कर्मचारियों को प्रोटोटाइप विकास / सेमिनार / कार्यशाला प्रशिक्षण प्रदान किया गया। भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून से ओडिशा के अंकीकृत मानचित्र प्राप्त किए गए।			डीयूएन जीआईएस सॉफ्टवेयर खरीदा गया और चुनिंदा कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
8.	**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली**	रंगमंच का संवर्धन और रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	**7.70**	**13.50**	सामान्यतया, प्रशासनिक तथा संस्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का उपयोग किया जाता है।		**9.70**	**26.80**	सामान्यतया, प्रशासनिक तथा संस्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का उपयोग किया जाता है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	क्षेत्रों तथा स्थानीय स्तर पर रंगमंच कार्यशाला तथा अंशकालिक पाठ्यक्रम चलाना तथा संकाय तथा कर्मचारियों के लिए अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	विविध भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में रंगमंच के उत्साही कलाकारों को लाभ देना तथा उनमें रंगमंच की जागरूकता पैदा करना।			सघन रंगमंच कार्यशालाएं– 2 सहयोगात्मक कार्यशालाएं – 40 रंगमंच कार्यशाला को सहायता – 10 अंशकालिक पाठ्यक्रम – 2 रिफ्रेशर पाठ्यक्रम – 2 अल्पकालिक कार्यशाला – 08 सघन रंगमंच कार्यशाला– 12*	100 रंगमंच कर्यशालाएं आयोजित की गई जिनमें प्रायोजक आधार पर एनटीपी के लिए 23 कार्यशालाएं शामिल हैं।			अभिनय रंगमंच कार्यशाला – 2 तकनीकी रंगमंच – 2 रंगमंच संगीत कार्यशाला – 2 रंगमंच डिजाइन कार्यशाला – 2
(ii)	दिल्ली और दिल्ली से बाहर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/बाल रंगमंच का आयोजन करना।	बच्चों का व्यक्तित्व विकास करना तथा उनकी अभिव्यक्तियों और विश्वास को उद्घाटित करना।			दिल्ली/दिल्ली से बाहर बाल रंगमंच कार्यशालाएं – 42 निर्मार्णोन्मुख बाल रंगमंच कार्यशाला – 36 अ. जा./अ. ज. जा. के बच्चों के साथ रंगमंच कार्यशाला – 2 अल्पावधि रंगमंच कार्यशाला – 4	दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर 13 बाल रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित की गईं।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	गांवों में पारंपरिक समूह का सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा रंगमंच उत्सव/प्रदर्शनी का आयोजन	3 वर्षीय उच्च नाट्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाना तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यमान रंगमंच से छात्रों को अवगत कराना।			पारंपरिक समूहों के साथ कार्यक्रम – 5, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति, सहयोगात्मक रंगमंच कार्यशालाएं – 10, सप्ताह अंत रंगमंच समूहों द्वारा प्रस्तुतियां – 45, विदेशी दौरे – 4,	पारंपरिक समूहों के साथ रंगमंच कार्यशाला प्रस्तुतियां, विद्यार्थि अध्येता, सहयोगी समूहों द्वारा प्रस्तुतियां, विदेशी दौरे – विद्यार्थी, प्रोडक्शन (चीन का दौरा)। प्रदर्शनी एवं डिस्पले कार्य संपन्न किए गए।			बीआरएम और नाटक बंगलौर उत्सव के साथ एबीपी उत्सव आयोजित किया गया।
(iv)	लोक, जनजातीय कलाओं और शैक्षिक यात्राओं का संवर्धन	रंगमंचीय और संगीत रूपों से संबंधित विद्यमान लोक और जनजातीय कला से छात्रों को अवगत कराना,			परंपरागत समूह के साथ कार्यशाला – 01 और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के छात्रों के साथ शैक्षिक यात्रा – 5	दो प्रोडक्शन उन्मुख कार्यशालाएं आयोजित की गईं, विद्यार्थियों के लिए तीन शैक्षणिक यात्राएं आयोजित की गईं।			
(v)	बच्चों के लिए वयस्क प्रदर्शन के रिपर्टरी कंपनी का निर्माण	इसका लक्ष्य बच्चों के लिए रंगमंचीय निष्पादनों को बढ़ावा देना है।			बच्चों के लिए नए नाटकों को तैयार करना – 2 ऑडिटोरियम में शो – 40 संडे क्लब कार्यशालाएं – 30 प्रत्येक समूह के साथ सत्र। ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशालाएं, यात्रा कार्यशालाएं तथा दिल्ली से बाहर अन्य कार्यकलाप, टीआईई अभिनेता एवं अध्यापक प्रशिक्षण।	दिल्ली/एनसीआर में स्कूल शो–39, कार्यशाला केन्द्रों की संख्या –8; संडे क्लब कार्यकलाप केन्द्र – 8; प्रत्येक समूह के साथ सत्रों की संख्या – 30, एनएसडी – टीआईई कंपनी के सहयोग के साथ यूरोपीय यूनियन संस्कृति उत्सव 2011, इसमें कुल समूहों ने भाग लिया।			यूरोपीयाई देशों से फेसटिवल–13, टीआईई को . के कलकत्ता में यात्रा संबंधी शो।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	रिपर्टरी कंपनी का विस्तार राष्ट्रीय थियेटर उत्सव और समानांतर थियेटर उत्सव राष्ट्रीय बाल रंगमंच उत्सव – बाल संगम / जश्न–ए–बच्चपन परिसर की स्थापना, उत्तरपूर्व क्षेत्र, बंगलुरू, जम्मू और कश्मीर, कोलकाता और महाराष्ट्र / गोवा में प्रत्येक में एक केन्द्र सहित 5 क्षेत्रों में नाट्य स्कूलों को	भारत में तथा देश के बाहर भारतीय नाटकों का प्रसार			दिल्ली में तथा दिल्ली से बाहर नाटकों का प्रदर्शन – 105 नए निर्माण के शो – 3 ग्रीष्मकालीन उतसव में शो – 25 शीतकालीन उतसव में शो – 20, समूहों के साथ बीआरएम सहयोगात्मक प्रदर्शन में भागीदारी – 38 राष्ट्रीय रंगमंच उत्सव का आयोजन – भारत रंगमंच महोत्सव। जश्एबच्चपन / बाल संगम का आयोजन – अक्तूबर–नवम्बर, 2011 में राष्ट्रीय बाल रंगमंच उत्सव। आरआरसी बैंगलोर शाखा को शुरू करना और एनईआर क्षेत्र में नाट्य स्कूलों को खोलने की शुरूआत करना।	– ग्रीष्मकालीन थिएटर उत्सव, 2011– 8 नाटकों के शो–33 – प्रायोजित कार्यक्रम (नाटक) के अंतर्गत दिल्ली में मंचित प्रदर्शन – 8 – वीकेंड थिएटर कार्यक्रम – जनवरी, 2012 में नाटकों के शों बीआरएम – 14 में भागीदारी – सहयोगी मंचकला उत्सव में भागीदारी (नाटकों के शो) – 2 – पुराने नाटकों का प्रदर्शन – यात्रा शो – 2 राज्य (एमपी और यूपी) 27 – नए नाटकों का निर्माण– 2 – दिल्ली और अमृतसर में बीआरएम उत्सव आयोजित किया गया जिसमें 98 लोगों ने भाग लिया।			भारत और विदेश से रंगमंच समूहों ने भाग लिया। इन उत्सवों को 50 हजार लोगों द्वारा देखा गया। – बालसंगम उत्सव नवम्बर, 2011 में सम्पन्न हुआ। जिसमें देशभर से 17 समूहों ने भाग लिया। स्वतंत्र परिसर के लिए ईएफसी विचाराधीन है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	खोलना।								
9.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एन जी एम ए)***	भारतीय लोगों में दृश्य और प्लास्टिक कलाओं के प्रति समझ और संवेदनशीलता पैदा करना तथा विशेष रूप से समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।	**4.25**	**9.00**			**4.17**	**10.21**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	संग्रहालय का उन्नयन, आधुनिकीकरण और अनुरक्षण	अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।			नई दिल्ली, मुबंई और बेंगलुरु में अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप कलावस्तुओं की उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ आधुनिक कला के सुव्यवस्थित संग्रहालयों का अनुरक्षण। 10 विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जानी हैं, ऑडिटोरियम में कला पर कम से कम 500 फिल्में दिखाई जानी है। 150 संचालित याचिकाएं आयोजित की जानी हैं। आर्ट स्कैच क्लब संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार को आयोजित किया	नई दिल्ली, मुबंई और बेंगलुरु में सुप्रदर्शित दीर्घा के अलावा, सांस्कृतिक आदान–प्रदान के अंतर्गत भारतीय समकालीन कलाकार तथा विदेशी कलाकारों द्वारा दिल्ली, मुबंई और बेंगलुरु में 9 विशेष प्रदर्शनियां आयोजित की गई। इसके अलावा वर्ष के दौरान रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती समारोह के दौरान बर्लिन, न्यूयॉर्क, कोरिया, लंदन, पेरिस, शिकागो, रोम में सात अंतरराष्ट्रीय आयोजन स्थलों पर रबीन्द्रनाथ टैगोर की चित्रकारी की प्रदर्शनी आयोजित			भारतीय एवं विदेशी प्रतिनिधमंडलों के प्रायोजित समूहों के लिए यात्राओं का संचालन। प्रेस सम्मेलन, प्रेस प्रिव्यू आयोजित किए गए। छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं और फाइनआर्ट के अध्येताओं के

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					जाता है। ग्रीष्मकालीन कला कार्यशालाएं आयोजित की जानी हैं। प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा कला व्यवहारों पर दस सेमिनार आयोजित किए गए, दस सूचीपत्र और दस विशिष्ट कला संबंधी पोस्टर विमोचित किए जाने हैं। मुम्बई और बैंगलोर तथा दिल्ली में संग्रहालय शोप को सुव्यवस्थित बनाया जाएगा। कला संदर्भ पुस्तकालय का आधुनिकीकरण, कला संग्रहों का प्रलेखीकरण एवं अंकीकरण किया जाना है। वर्ष के दौरान कला संबंधी कार्यों का परिरक्षण एवं पुनः स्थापन तथा आरक्षित संग्रह की सफाई और अनुकूलन का कार्य किया जाना है। लगभग 150000 कला प्रेमियों के इस म्यूजियम का दौरा करने की आशा है।	की गई। समाचार पत्रों की खबरों के अनुसार, लंदन वीकली न्यूज इंडिपेंडेन्ट के मुताबिक इस प्रदर्शनी को पांच में से चार स्टार दिए गए जो लंदन में टैगोर प्रदर्शनी को दिए गए महत्व को दर्शाता है। – आम लोगों और छात्र समूहों के लिए ऑडिटोरियम में समकालीन आधुनिक कला एवं कलाकारों पर 650 से अधिक फिल्म शो दिखा पाए। 250 स्कूलों के लिए संचालित यात्राओं का आयोजन किया गया जिससे स्कूली छात्रों को लाभ पहुंचा। संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार को आर्ट स्केच क्लब में 220 बच्चों ने भाग लिया। जून 2011 में आयोजित ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला में विभिन्न आयु समूह के बच्चो ने भाग लिया। 3 प्रदर्शनी सूची पत्रों और पोस्टरों के अतिरिक्त 16 अलग–अलग ग्रीटिंग कार्ड			लाभ हेतु कला संबंधी क्षेत्र पर 23 हजार संदर्भ पुस्तकों के संग्रह वाला एक सूव्यवस्थित कला संदर्भ पुस्तकालय का रख रखाव किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान कलाकृतियों की समूचित देख–रेख को सुनिश्चित करने के लिए बचाव संबंधी एवं सुधार संबंधी उपाय तथा आरक्षित संग्रह की वास्तविक

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						तैयार किए गए। कला प्रेमियों को विक्रय हेतु स्मारिका रूपी वस्तुएं तैयार की गईं। भारतीय एवं विदेशी प्रतिनिधि मंडल के विभिन्न प्रायोजित समूहों के लिए संचालित यात्राएं। प्रेस सम्मेलन, प्रेस प्रिव्यू का आयोजन किया गया। कला संदर्भ पुस्तकालय का स्तरोन्नयन एवं रख–रखाव इस पुस्तकालय में चित्रकारी, मूर्तिकला, ग्राफिक्स, स्थापत्य कला, तथा अन्य कला रूपों पर लगभग 23 हजार पुस्तकों का संग्रह है। यह पुस्तकालय सदस्य के रूप में पत्रिकाओं आवधिक पत्रिकाओं एवं दैनिक अंग्रेजी एवं हिंदी समाचार पत्रों को मगाती है।			जांच संचालित की गई।
10.	**एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता***	इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। भाषा, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाएं	**8.45**	**7.10**			**8.45**	**5.25**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		शुरू करना।							अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	पुस्तकालय प्रणाली का विकास	मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान के संवर्धन के लिए संस्थान को स्थापित करना, तैयार करना और उसका रख–रखाव करना।			पाठकों की पुस्तकों और संदर्भों को पूरा करने के लिए पुस्तकों, जरनलों आदि का प्रापण, इसका परिरक्षण और रख–रखाव। पुस्तक अर्जन – 2200 खंड सीरियलों को अंशदान – 300 शीर्षक – 2500 पुस्तकों और जरनलों का सूचीबद्ध करण एवं प्रलेखन – जिल्दसाजी / मरम्मत –1500 पुस्तकों और जरनलों का कार्य शुरू किया गया	लइब्रेरी सुविधाएं प्रदान करने कुल 3825 पुरूष पाठ्कों और 4606 महिला पाठ्कों को सेवाएं प्रदान की गई।			
(ii)	संग्रहालय एवं प्रयोक्ता सुविधाओं का विकास	उन पाण्डुलिपियों को संरक्षित रखना जिनमें पुराने अभिलेख, सिक्का अभिलेख तथा अत्यन्त बहुमूल्य अश्मलेखों का समृद्ध संग्रह है।			वर्तमान और भूतलक्षी दोनों एमएसएस और अन्य अभिलेखगार सामग्री का सूचीबद्ध करण और प्रलेखीकरण एमएसएस कलाकृति, चित्रकारी और सिक्कों का प्रापण।	294 भारतीय तथा 138 विदेशी आगंतुक/अनुसंधान अध्येता संग्रहालय आए।			
(iii)	दुर्लभ पुस्तकों, एमएसएस एवं अन्य दस्तावेजों	सोसाइटी संग्राहलय एंव पुस्तकालय में रखे भंगुर एवं जीर्ण पाण्डुलिपियों,			कार्यात्मक और सेवा विभागों की दुर्लभ और जरनल पुस्तकों, एमएसएस आदि का परिरक्षण,	पुस्तकालय, संग्रहालय और अन्य विभागों की दुर्लभ पुस्तकों एमएसएस तथा चित्रों			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	का संरक्षण एवं परिरक्षण	दुर्लभ पुस्तकों व अन्य प्राचीन वस्तुओं के परिरक्षण के लिए प्रभावी उपाय करना।			3000 माइक्रोफिल्मे और माइकोफिके	इत्यादि का परिरक्षण और दुर्लभ पुस्तकों/एमएसएस का प्रलेखन किया गया।			
(iv)	प्रकाशन कार्यक्रम	उच्च अकादमिक स्तर के प्रकाशन लाना जिसके लिए सोसाइटी अध्येताओं की दुनियाँ में जाना जाता है। बिबिलियोतेका इंडिका श्रृंखला के तहत पुस्तकों के प्रकाशन पर विशेष बल।			वर्ष के दौरान 15 पुस्तकों, 4 जर्नलों, 11 एम. बुलेटिनें और 7 पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया जाना है।	पुनर्मुद्रण सहित 15 पुस्तकों, 4 जनरलों 10 एम बुलेटिनों और 6 पुस्तिकाओं का प्रकाशन			
(v)	अनुसंधान में वृद्धि	विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण प्रदान करना, सेमिनारों, लेक्चरों, कार्यशालाओं का आयोजन			विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण प्रदान करना, सेमिनारों, लेक्चरों, कार्यशालाओं का आयोजन। परियोजनाएं - 45 सेमिनारें - 15 व्याख्यान - 35 प्रदर्शनी/कार्यशालाएं - 4	वर्ष के दौरान 29 परियोजनाओं, 17 बाह्य परियोजनाओं को शुरू किया गया / अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों सहित 7 समिनारों, 22 व्याख्यनों तथा 4 कार्यशालाओं को आयोजित किया गया।			सतत प्रक्रिया
11.	**सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली**	संस्कृति के साथ शिक्षा को जोड़ने के क्षेत्र में कार्यरत अकादमियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य	**3.45**	**10.00**			**3.71**	**14.44**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		है।							योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	स्कूली छात्रों में संस्कृति का प्रचार	स्कूली शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों आदि के लिए देश के विभिन्न भागों में विभिन्न सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे–ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आदि आयोजित करना। स्कूली छात्रों और सरकारी तथा गैर–सरकारी संगठनों से संबंधित छात्रों के लिए शैक्षणिक कार्यकलापों का आयोजन। पुर्नवास और बस्ती कालोनियों के बच्चों तथा शारीरिक विकलांग छात्रों के लिए कार्यशालाएं।			विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 4000 शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। 4000 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया है। सामुदायिक विस्तार कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किए जाने वाले छात्र – 40000 देश के विभिन्न राज्यों में 200 सांस्कृतिक क्लबों की स्थापना की जानी है।* भारतीय कला और संस्कृति पर 50 व्याख्यान आयोजित किए जाने है। पुनर्मुद्रण सहित 20 प्रकाशनों को प्रकाशित किया जाना है। 1000 शैक्षिक किटो को बनाया जाना है।	विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 4643 शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा 4757 शिक्षक प्रशिक्षित किए गये। 52008 विद्यार्थी प्रशिक्षित किए गए। देश के विभिन्न राज्यों में 144 सांस्कृतिक क्लब स्थापित किए गए। – भारतीय कला और संस्कृति पर 82 व्याख्यान आयोजित किए गए। उत्पादन – सीडी रोम सहित 4 वीडियों फिल्मों का तैयार किया गया। – पुनर्गठन सहित 18 प्रकाशनों को प्रकाशित किया गया। – भाग लेने वाले अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षकों को सांस्कृतिक किटो के 1134 सेटों को वितरित			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						किया गया।			
(ii)	सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम (सी टी एस एस)	10-14 वर्ष आयु वर्ग में उत्कृष्ट युवा बच्चों को निष्पादन और अन्य कलाओं के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करके उनको सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य है।			सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत विक्लांग बच्चों को प्रदान किए जाने वाली 20 आरक्षित छात्रवृतियों समेत 520 छात्रवृत्तियां। छात्रवृत्ति धारकों के लिए 5 सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए जाने हैं।	पूर्वोत्तर सहित देश के सभी भागों से 500 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई हैं। छात्रवृत्ति धारकों के लिए 5 सांस्कृतिक समारोह आयोजित किए गए।			छात्रवृत्ति के लिए बच्चों का चयन विभिन्न चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है।
12.	**विशिष्ट मंच कला परियोजनाओं (नृत्य, नाटक और रंगमंच मंडलियाँ) के लिए व्यावसायिक समूहों और व्यक्तियों को वित्तीय सहायता।**	गुरू-शिष्य परंपरा का संवर्धन तथा मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों/व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना।	**1.55**	**28.00**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल संगठनों को प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	करीब 1027 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता दी गई।	**0.88**	**3563**	इसमें महिलाओं के लिए 30% प्रावधान किया गया है तथा 20% अनुसूचित जनजाति जनसंख्या को शामिल किया गया है।
13.	**गांधी शांति**	भारत सरकार ने महात्मा	**1.55**	--	इस पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता का	वर्ष के दौरान के लिए नामित	**0.03**	--	वर्ष 2005

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुरस्कार	गांधी की 125वीं जयंती के एक भाग के रूप में अहिंसा और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार स्थापित किए जाने की घोषणा की।			चयन निर्धारित प्रकिया कोड के अनुसार माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक जूरी द्वारा किया जाता है।	के चयन/नामांकन आमंत्रित			से कोई गांधी शांति पुरस्कार प्रदान नहीं किया गया। प्रत्येक नामिती पर एक पुस्तिका में साराश रूपरेखा तैयार की जाती है जिसे पुरस्कार विजेता को चयन हेतु ज्यूरी के समक्ष रखा जाता है।
14.	**राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एन सी एफ)**	एनसीएफ का उद्देश्य विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और विकास के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी का विकास करना है।	--	**0.01**	मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत विभिन्न उत्सव समारोह, फिल्म निर्माण एवं अन्य श्रेणी समारोह के लिए विभिन्न संगठनों/व्यक्तियों के साथ भारत बाल प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड, ओसीएन आर्ट सोसायटी, मैसर्स दर्पण, प्रसिद्ध फाउंडेशन ओएनजीसी, इन्टैक आदि के माध्यम से वित्तीय	वर्तमान में एनसीएफ के पास 26 मौजूदा मूर्त, अमूर्त, संग्रहालय और अभिलेखागार परियोजनाएं हैं जो पूरे भारत में फेली हुई हैं। एनसीएफ को 14 प्रस्ताव प्राप्त हुए है और इसमें विरासत परिरक्षण औन प्रोन्नयन के क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी को बढावा देने के लिए सीएसआर के माध्यम	--	**0.45**	एनसीएफ की कार्पस निधि 19.50 करोड है। व्याज को दूसरे कार्पस में रखा जाता है। दूसरे कार्पस पर अर्जित ब्याज को प्रशासन

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					सहायता लेने के लिए अनेक प्रस्ताव प्राप्त किए है।	से 3 परियोजनाओं को शुरू कर दिया है। प्रत्येक भागीदारी को एमओयू के हस्ताक्षर के द्वारा सुदृढ बनाया गया है! एनसीएफ ने विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों पीएसयू और संग्रहालयों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।			एवं स्थापना के लिए उपयोग किया जाता है।
15.	**शताब्दी/वर्षगांठ समारोह**	महत्वपूर्ण व्यक्तियों एवम् घटनाओं की शताब्दी/वर्षगांठ मनाना।							
15.1	**भगवान बुद्ध के महापरि–निर्वाण की 2550वीं वर्षगांठ मनाना***	बुद्ध के जीवन और समयकाल की प्रमुख विशेषताओं को विशेष रूप से दर्शाना और आमजनता विशेषकर युवा पीढी को उस महात्मा से परिचित कराना जिसने मानव कल्याण के लिए अहिंसा की ओर लोगों का ध्यान सफलतापूर्वक आकृस्ट किया।	**0.30**	**--**	विद्यालय खंड के भवन के निर्माण के लिए 30 लाख रू. की धनराशि जारी की गई। जिला अधिकारी त्सांग, अरूणाचल प्रदेश के नामे।	अनुमोदित प्रस्तावों के लिए बडी संख्या में निधियां जारी की गई (वास्तविक प्रगति को दिए जाने की आवश्यकता है)	**0.30**	**--**	
15.2	**लाल बहादुर शास्त्री की**	लाल बहादुर शास्त्री के नाम पर 'रक्षा अध्ययन	**0.01**	2.00	वर्ष 2011–12 के दौरान 2 करोड रु जारी किए गए।	दो पालीटेक्निक्स की वास्तविक जांच की गई। निमार्ण कार्य	**--**	**2.00**	

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	जन्म शताब्दी मनाना।	एवं मूल्यांकन संस्थान' नई दिल्ली में एक पीठ स्थापित करना।				प्रगति पर है।			
15.3	**प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, 1857 की 150वीं वर्षगांठ मनाना।**	हमारे महानायकों/ नेताओं के बलिदान को विशेष रूप से दर्शाना जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति दी तथा उनको श्रद्धांजलि अर्पित करना। आम लोगों विशेषकर युवा पीढी में राष्ट्रीय एकीकरण की भावना का संचार करने के लिए उन्हें हमारे स्वतंत्रता सग्राम के इतिहास से अवगत कराना तथा विगत 60 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में देश की उपलब्धियों को भी विशेष रूप से दर्शाना।	**0.40**	2.00	एनआईसी द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।	एनआईसी द्वारा अनुमोदन अनुसार परियोजनाओं पंजाब सरकार एवं आईटीडीसी द्वारा संचालित किया जा रहा है।	**0.35**	0.50	परियोजना का पूर्ण होना निधियों के उपलब्धता पर निर्भर करता है
15.4	**खालसा विरासत परियोजना के लिए वित्तीय सहायता।**	लोगों में, विशेषकर युवाओं में जोश भरने के लिए खालसा विरासत से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं के प्रमुख पहलुओं को उजागर करना।	--	**6.00**	खालसा विरासत परियोजना के लिए पंजाब सरकार को निधि केंद्र सरकार (योजना) के 1/3 शेयर के तहत जिसे तिमाही आधार पर परियोजना पर व्यय हुई राशि की प्रतिपूर्ति होनी है, दी जाती हैं।	केंद्रीय सरकार के शेयर के रूप में पंजाब सरकार को 6.00 करोड़ रू. की राशि जारी की गई है।	**--**	**6.00**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
15.5	**गुरू–ता–गद्दी की त्रिशताब्दी**	श्री गुरू ग्रंथ साहिब को गुरू–ता–गद्दी की त्रिशताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में आनंदपुर साहब और तलवंडी साबो को अवसंरचनात्मक विकास प्रदान करने का लक्ष्य।	**0.01**	––	मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रावधान प्रस्तावित किए गए।	स्मरणोत्सव के भाग के रूप में आनंदपुर साहिब तथा तलवंडी साबो का अवसंरचनात्मक विकास शुरू किया जा रहा है।	**20.00**	––	
16.	**अन्य स्कीमें/संस्थान (कला एवं संस्कृति)**								
क.	**केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ* (केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय)**	तिब्बत और भारत के हिमालय की सीमा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया।	**7.60**	**5.80**			**9.84**	**5.80**	सामान्यता योजनेतर अनुदान को प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक कार्यों के लिए प्रयुक्त किया जाता है।
(i)	पुस्तकालय का विकास	1. तिब्बती संस्कृति और परंपरा को परिरक्षित करना। 2. तिब्बती भाषाओं में परिरक्षित प्राचीन			1500 पुस्तकें तथा कंप्यूटर/ उपकरणों की खरीद की जाएगी।	1646 पुस्तकें और जर्नल, ई–दस्तावेज तथा अन्य उपकरण आदि भी खरीदे गए।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भारतीय विज्ञान और साहित्य का पुनर्स्थापन करना।							
(ii)	प्रकाशन और मुद्रण	विद्वानों एवं अन्य के प्रयोगार्थ तिब्बती संस्कृति पर मुद्रित सामग्री प्रदान करना।			12 पुस्तकें प्रकाशित की जानी हैं।	12 पुस्तकें खरीदी गई।			
(iii)	दुर्लभ बौद्ध पाठों का अनुसंधान, पुनर्स्थापन और अनुवाद,एकक भाषा ओर प्रयोगशाला की स्थापना बौद्धिक संपर्क का संवर्धन, विद्वानों के सम्मेलन और सेमिनारों का आदान प्रदान।	भारतीय सीमा क्षेत्र के विद्यार्थियों, जिन्होंने तिब्बत में उच्चतर शिक्षा प्राप्त की है, को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना।			पहले और दूसरे छमाही जर्नल प्रकाशित किए जाएंगे तथा शोध के लिए दो स्थलों का दौरा किया जाना है। पुस्तकों का अनुवाद और पुनस्थापन किया जाना है। बौद्ध/तिब्बती भाषा और संस्कृति के संवर्धन हेतु अन्तर विश्वविद्यालय सेमिरारों, सम्मेलनों सहित बहुत से अन्य कार्यकमों का संचालन किया जाएगा। एमबीएसएसटी दरभंगा संस्थान के पुनर्सम्पादन का कार्य जारी रेगा।	एक वार्षिक जर्नल प्रकाशित किया गया दुर्लभ बौद्ध पाठ के 26 अध्यायों का संपादन किया गया तथा पांडुलिपित का सर्वेक्षण किया गया। ग्रंथ के 1140 पृष्ठों का अनुवाद और जीर्णोद्धार किया गया (तिब्बती और संस्कृत) /राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों/संग्रहालयों की बैठकें आयोजित की गई अध्येता आदान–प्रदान के अंतर्गत 2 अन्य सेमिनार आयोजित किए गए। एमबीएसएसटी दरभंगा संस्थान के पुनर्सम्पादन का कार्य प्रकियाधीन है विश्वकोश और तकनीकी शब्द कोशों का संकलन।			एमबीएसएस–टी दरभंगा संस्थान के री–इडीटिंग का काम चल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय सेमिनार/ संगोष्ठी आयोजित की गई।
ख.	**केन्द्रीय बौद्ध**	बौद्ध विचारों और साहित्य	**5.00**	**7.50**			**5.00**	**6.45**	सामान्यता

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अध्ययन संस्थान, लेह	की समझदारी उनके मन में बैठा करके छात्रों के बहुआयामी व्यक्तित्व का विकास करना तथा उन्हें आधुनिक विषयों से परिचित कराना ताकि वे दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रह, संरक्षण, अनुवाद, प्रकाशन तथा बौद्ध अध्ययन आदि से संबंधित अनुसंधान कार्यों से परिचित हो सकें।							प्रशासनिक एवं स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	भवन निर्माण	ऑडिटोरियम गेस्ट हाउस, 20 आवासीय क्वाटरों तथा डी पी एस जांस्कार के लिए भवन का निर्माण।			सीआईबीएस और डीपीएस जांस्कर के लिए वास्तविक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण। गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए सीआईबीएस को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा।	निर्माण कार्य प्रगति पर है जिसे कठिन जलवायु दशाओं की वजह से चरणवार रूप से किया जा रहा है।			सीपीडब्ल्यूडी और राज्य पीडब्ल्यूडी के माध्यम से निर्माण कार्य चल रहा है।
(ii)	विद्यमान गोनपा/स्त्री मठ विद्यालय, दुर्लभ पुस्तकों/ पांडुलिपियों के प्रकाशन का प्रावधान। हिमालयी कला	विद्यार्थियों के लिए शिक्षक नियुक्त करके और वजीफा देकर गोनपाओं के शैक्षिक कार्यकलापों को सहायता देना।			50 गोनपा / भिक्षुणी मठ विद्यालय चल रहे हैं। स्कूल के स्तरोन्नयन हेतु डीपीएस जंस्कार के लिए टीजीटी के पदों का वेतन –पीएचडी के लिए 4 अनुसंधान अध्येता अनुसंधान कार्य कर रहे हैं और इन्हें यूजीसी के पैटर्न के अनुसार	सीआईबीएस को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा। शिक्षा की मठ प्रणाली का परिरक्षण और संवर्धन। गोनपा /भिक्षुणी मठ विद्यालयों का संवर्धन। पिछडे क्षेत्रों के विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर को बेहतर बनाना। हिमालयी बौद्ध संस्कृति के			हिन्दी – तिब्बती और तिब्बती हिंदी शब्द कोश परियोजना का पूरा होना। संस्थान का कंप्यूटरीकरण

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एवं संस्कृति के विश्वकोश का संग्रह।				आकस्मिकता अनुदान प्रदान किया जा रहा है। – दुर्लभ पुस्तकों/पांडुलिपियों का प्रकाशन – सेमिनार/परिसंवाद, व्याख्यान माला का आयोजन, पारंपरिक लद्दाखी कला एवं संस्कृति का परिरक्षण पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का संचालन, पुस्तकालय आदि के लिए पुस्तकों का प्रापण। हिमालयी बोद्ध संस्कृति के विश्वकोश को तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। बौद्ध दर्शन का पाठ्य सामग्री का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद शुरू किया जाना है। *	विश्वकोश के संकलन का कार्य प्रगति पर है तथा बौद्ध दर्शन के पाठों का हिंदी/अंग्रेजी में अनुवाद भी चल रहा है। 800 पुस्तकों और 65 जरनलों को लाइब्रेरी के संकलन में जोडा गया। देश की औद्योगिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और भौगोलिक सम्पदा से परिचित कराने के लिए शैक्षिक यात्रा पर 50 वरिष्ठ छात्रों को लगाया गया। एक सप्ताह के लिए इंटर हाउस तथा वार्षिक खेलकूद कार्यशाला और अन्य प्रतियोगिताए आयोजित की गई।			और इंटरनेट सेवा स्थापित करना। सीआईबीएस लेह के शाखा विद्यालय के रूप में बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय के लॉग को अधिग्रहित किया गया। आचार्य शास्त्री और मध्यमा के 9 वर्षीय ग्रेडेम पाठ्यक्रम का जारी रखा जाएगा और इसे पीएचडी के लिए 1 वर्ष हेतु बढाया जा सकेगा।
ग.	**गांधी स्मृति और दर्शन**	विभिन्न सामाजिक–शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम	**4.52**	**9.00**			**4.11**	**7.06**	सामान्यतया प्रशासनिक

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	समिति*	आयोजित करके महात्मा गांधी के जीवन, मिशन और विचारों का प्रचार करना।							तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
	संवर्धनात्मक कार्यकलाप 1. शैक्षिक संस्थाओं के साथ नियमित कार्यक्रम क) स्कूलों में गाँधी जी ख) गाँधी ग्रीष्म स्कूल 2. युवाओं के लिए कार्यक्रम 3. महिलाओं के लिए कार्यक्रम 4. स्मरणात्मक कार्यक्रम 5. जी एस डी	महात्मा गांधी के विचारों और उनके द्वारा चिह्नित राष्ट्रीय उद्देश्यों के संवर्धन के लिए कार्यकलापों की योजना तैयार करना और जारी रखना।			भारत और विदेश में 30000 छात्रों तक पहुंच बनाने के लिए विभिन्न तरह के सामाजिक और विकासात्मक मुद्दों पर क्विज, विचार-विमर्श तथा प्रतियोगिताएं आयोजित करने वाले शैक्षिक संस्थानों के साथ बाल कार्यक्रम। क) दिल्ली और अन्य राज्यों में और विपन्न बच्चों के लिए गाँधी ग्रीष्मकालीन स्कूल। 15,000 से अधिक युवाओं तक पहुँचने के लिए युवाओं के लिए कार्यक्रम। 10,000 से अधिक महिलाओं तक पहुँचने के लिए महिलाओं के लिए कार्यक्रम। 10,000 लोगों तक पहुँचने के लिए जागरूकता कार्यक्रम।	शैक्षिक संस्थानों के साथ नियमित कार्यक्रम के एक भाग के रूप में महात्मा गांधी के जीवन संदेश को आगे बढाने के लिए वर्ष के दौरान देश के विभिन्न भागों में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों/ सिविल सोसाइटी संगठनों से 2500 से अधिक बच्चों और विद्यार्थियों के लिए जीएसडीएस ने कार्यक्रम आयोजित किए। – युवाओं के साथ कार्यक्रम के एक भाग के रूप में महात्मा गांधी के जीवन संदेश को आगे बढाने के दौरान देश के विभिन्न भागों में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों/सिविल सोसाइटियों संगठनों 2500 से अधिक छात्रों तक जीएसडीएस			पहुँच कार्यक्रमों में पूरे देश से 10 हजार युवाओं और 5 हजार महिलाओं ने भाग लिया। स्मरणोत्सव कार्यक्रमों के अंतर्गत 10 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में 2 हजार अल्प सुविधा प्राप्त लोगों ने

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एस में नियमित कार्यक्रम				लगभग 2000 विपन्न बच्चों को प्रशिक्षित किया जाएगा।	ने पहुंच बनाई इस कार्यक्रम के माध्यम से समिति ने वर्ष के दौरान देश भर में लगाए 2500 महिलाओं तक पहुंच बनाई। *			भाग लिया।
	पूर्वोत्तर में प्रसार, अवसंरचनात्मक कार्यक्रम	ऐसे कार्यकलाप शुरु करना जो महात्मा गांधी के जीवन, कार्य और विचारों की बेहतर समझ पैदा करे।			निम्नलिखित प्रकाशनों के माध्यम से समिति के कार्यकलापों के साथ बडी संख्या में बच्चों, युवाओं और समाज के अन्य वर्गों को शामिल किया जाएगा। 1. वार्षिक रिपोर्ट 2. दी यमुना, जीएसडीएस बाल समाचार 3.जीडीएस परिसर को विकसित किया जाएगा और चम्पारन में गांधी विरासत पुनस्थापन का कार्य किया जाएगा।	वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रकाशनों को प्रकाशित किया जाएगा :– 1. वार्षिक रिपोर्ट 2. अनसक्ति दर्शन 3. अंतिम जन इन प्रकाशनों के माध्यम से महात्मा गांधी के संदेश और अन्य मुद्दों को सामने रखा गया और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरीको से लगभग 20,000 बच्चों, युवाओं और समाज के अन्य वर्गों तक पहुंच बनाई गई। – महिला सशक्तीकरण पर कार्यक्रम आयोजित किए गए *			व्यावसायिक प्रशिक्षण, बाल विकास और भागीदारी स्वयंसेवक संवर्धन पर कार्यक्रम आयोजित किए गए इसका लक्ष्य गांधीवादी सकारात्मक कार्य को बढावा देना है।
घ.	**नव नालंदा महाविहार नालंदा, बिहार**	प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की पूर्व ख्याति को पुनर्जीवित करना। पाली भाषा,	**1.80**	**3.00**			**3.00**	**3.00**	सामान्यतया प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		साहित्य और बौद्धशास्त्र में स्नातकोत्तर अध्ययन और अनुसंधान करना।							व्ययों में योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	पुस्तकालय सेवा का सुधार एवं विकास	पाली, बौद्ध दर्शन, प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं वास्तुकला, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत आदि विषयों पर नई पुस्तकों की खरीद करके पुस्तकालय का विकास करना।			पली, बौद्ध दर्शन प्राचीन इतिहास आदि पर 1000 से अधिक पुस्तकें खरीदे जाने की आशा है।	पुस्तकालय संग्रह विकसित करने के लिए लगभग 1000 पुस्तकें खरीदी गईं।			
(ii)	युआन जंग स्मारक हॉल का विकास	युआन जंग स्मारक हॉल के अन्दर और बाहर रचनात्मक कार्य जैसे चित्रकला, भित्तिचित्र तथा भूपरिदृश्य आदि तैयार करना।			नियमित अनुरक्षण एवं विकास कार्य शुरू किया जाना है। इसके अतिरिक्त, युआन जंग स्मृति चिन्हों को रखने तथा परिरक्षित करने के लिए अलग से भवन निर्माण का प्रस्ताव है।	युआन जंग के जीवन से संबंधित विभिन्न चित्रकला एवं भित्तिचित्रों को स्मारक में जोड़ा गया।			
(iii)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार और सम्मेलन	अंतर–संस्थान आदान–प्रदान आधार पर सेमिनारों, कार्यशाला आदि के आयोजन द्वारा बौद्ध विचारों का प्रवर्धन और प्रसार			कार्यशालाओं, सेमिनारों आदि से संग्रहित शैक्षिक और सांस्कृतिक सामग्री का मुद्रण किया गया है। यह विद्वानों और शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध है।	भाषा के अलावा समाज और दार्शनिक परिदृश्य में संबंधों पर आधारित अनेक कार्यशालाओं और राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया गया।			पूर्वोत्तर भारत में जीवन्त बौद्ध धर्म की कार्यवाहियां की कार्यवाहियां 2011–12 में भी

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									चलेगी।
(iv)	(i) वार्षिक स्थापना दिवस और समारोह तथा विशेष दीक्षांत समारोह (ii)महाविहार के मेधावी छात्रों का छावृत्ति प्रदान करना	प्रत्येक वर्ष 20 नवम्बर को एनएनएम की स्थापना दिवस और विशेष दीक्षांत समारोह का आयोजनं मेधावी छात्रों को सहायता करना।			स्थापना दिवस मनाना महाविहार की नियमित प्रक्रिया है। भारतीय और विदेशी छात्र लाभांवित होंगे।	अंतर–राज्य क्षेत्र से बहुश्रुत विद्वान, उच्च शासकीय पदाधिकारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाएंगे। भारतीय और विदेशी छात्र शीघ्र ही लाभांवित होंगे।			
(v)	पुराने और नए प्रकाशनों की छपाई और प्रलेखन प्रदर्शनी	मुख्य उद्देश्य पहले के सेमिनारों की कार्यवाही और अन्य अनुसंधानोन्मुख सामग्रियों की छपाई और पुनर्मुद्रण है और प्रदर्शनी के आयोजन और इसके प्रलेखन द्वारा भगवान बुद्ध के उपदेशों का प्रसार करना है।			वार्षिक और लेखा परीक्षा रिपोर्ट, सेमिनार की कार्यवाही की छपाई और पुराने पुस्तकों का पुनर्मुद्रण। नालंदा और बौद्ध विषय पर एक प्रदर्शनी लागाई जाएगी।	राष्ट्रीय सेमिनारों की कार्यवाहियों, स्मरणोत्सव खंड तथा वार्षिक रिपोर्ट के प्रकाशन को शुरू किया गया।			
(vi)	पाली हिंदी शब्दकोष परियोजना	इस स्कीम का उद्देश्य एकमात्र पाली–हिदी शब्दकोष की तैयारी है			पाली–हिंदी शब्दकोश का खंड–II वर्ष 2011–12 में प्रकाशित होने वाली है।	बीओएम के अनुमोदन नियत पारिश्रमिक पर तीन प्रसिद्ध विद्वानों को नियुक्त किया गया			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						है। उनकी सहायता के लिए 3 और सहायकों की नियुक्ति की गई है।			
(vii)	उत्तर पूर्व कार्यकलाप	उत्तर पूर्व क्षेत्र में बौद्ध अध्ययन और कार्यकलाप के प्रसार को प्रोत्साहित करना।			उत्तर पूर्व संबंधी एक महोत्सव आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।	पूर्वोत्तर महोत्सव : नालंदा में उत्तर पूर्व का एक महोत्सव आयोजित किया गया।			
ङ	**मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता**	19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, संस्कृति, राजनैतिक और आर्थिक आंदोलन के अध्ययन सहित मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन और कार्यों का अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करना।	**1.08**	**6.00**			**1.08**	**4.44**	सामान्यतया प्रशासनिक एवं स्थापनात्मक कार्यों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	पूर्वोत्तर सहित अनुसंधान परियोजना/ अध्येतावृत्ति और अन्य संवर्धनात्मक कार्यकलाप	अनुसंधान कार्यकलाप चलाना तथा भारत और अन्य देशों में राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का प्रकटन।			पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों पर 25 पूर्ण कालिक रेजीडेंट अध्येताशोध कार्य करेंगे। 30 परियोजना अध्येता दौरों, संगोष्ठियों आदि पर आधारित शोध परियोजनाओं के लिए कार्य करेंगे। संस्थान अन्य निकायों को संगोष्ठियां	उत्तर पूर्व भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों पर 27 अध्येताशोध कार्य करेंगे। एमएकेएआईएएस के साल्ट लेक परिसर में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध है। विदेशी दौरे तथा राष्ट्र एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों को व्यापक स्तर पर सम्पन्न किए गए			तिमाही प्रगति रिपोर्ट में विलंब तथा शोध अध्येता द्वारा पांडुलिपियां *(3) एक साप्ताहिक

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					आयोजित करने के लिए सहायता प्रदान करेगा। विरासत भवन से एक प्रलेखीकरण केन्द्र संचालित किया जाएगा।	नियमित स्टाफ के 14 सदस्य वर्तमान में इस संस्थान के सीपन कार्य को सम्पादित कर रहे हैं।			संगोष्ठी कार्यक्रम वर्षभर जारी रहा।
(ii)	प्रकाशन/पुस्तकों का अधिग्रहण	विभिन्न विषयों में विद्वानों के अनुसंधान कार्यों का प्रकाशन			10 पुस्तकें और 1 जर्नल का प्रकाशन किय जाएगा।	8 पुस्तकों और एक जरनल का प्रकाशन / 6 पुस्तके प्रकाशित की गई/ 2 पुस्तकें प्रेस में हैं/ 1 जरनल प्रकाशित हुआ।			लेखक द्वारा पुस्तकों की समीक्षा हेतु प्रकाशन द्वारा मुद्रण में विलंब।
(iii)	मौलाना आजाद संग्रहालय कार्यालय भवन और छात्रावास का उन्नयन	संग्रहालय ने कोलकाता के लोगों पर प्रभाव डाला है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में मौलाना आजाद के योगदान के स्मृति चिह्नों का संग्रह दर्शकों के लिए प्रदर्शित किया गया है। बेहतर सुविधाओं के साथ अध्येताओं और स्टाफ को स्थान मुहैया करना।			मौलाना आजाद पर स्मारिका एलसीडी टीवी, दृश्य और अभिलेखागार सामग्री तथा मौलाना आजाद के जीवन और समय से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों को शामिल करके संग्रहालय का सुदृढीकरण और विकास। यह एक स्वतंत्र सेमिनार परियोजना भी तैयार करेगा। सीपीडब्ल्यूडी द्वारा शुरू किए गए कार्य में तेजी लाने के लिए नियमित जानकारी।	उप शीर्षकों सहित फोटो का रख–रखाव तथा उच्चतम राष्ट्रीय अवार्ड–भारत रत्न सहित लगभग 100 स्मरणों को प्रदर्शित किया गया। एलसीडी टी.वी. का रख–रखाव जिसके द्वारा मौलाना आजाद के फिल्म फुटेज दिखाया जाता है। मौलाना आजाद तथा उनकी कृतियों संबंधी फिल्मों एवं प्रलेखों का अर्जन। मौलाना आजाद के जीवनकाल से संबंधी दुर्लभ पुस्तकों का अर्जन। बेहतर कार्यकरण के लिए तीन			मौलाना आजाद स्मारिका का कार्य प्रदश्रन हेतु प्रगति पर है। *बेहतर कार्यकरण के लिए अधिकारियों / स्टाफ तथा अध्येता पुस्तकालय एवं छात्रावास सुविधाएं का सौन्दर्यकरण

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						मंजिला भवन का रख-रखाव।			और बागवानी।
च.	**कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान, चेन्नई**	भारतीय कला, विशेषतया नृत्य और संग्रहालय के क्षेत्र में पारंपरिक मूल्यों के परिरक्षण के लिए स्थापित अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का एक सांस्कृतिक संस्थान	**4.50**	**3.00**			**4.50**	**2.42**	
(i)	**थिएटर उन्नयन और संग्रहालय**	भारतीय/अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप उन्नत आडियो एवं प्रकाश उपकरण प्रदान करना।			ध्वनि और मंच प्रबंधन में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सीपित करने के लिए कुथम्बलम का नवीकरण।	कुथम्बलम के नवीकरण का कार्य प्रगति पर है। रूकमणि अरंगम और कुलम का स्तनोन्नयन का कार्य सम्पन्न हो गया।			
(ii)	संग्रहालय परियोजना	हमारी संस्कृति विरासत के बारे में हमारी आने वाली पीढी को समझ प्रदान करने के लिए एक अनूठी परियोजना की परिकल्पना की गई है।			श्रीमती रूकमणि देवी के दुर्लभ संग्रह और व्यक्तिगत चीजों का एक दुर्लभ संग्रह रखने हेतु एक संग्रहालय यह दक्षिण भारतीय कला रूपों और संबंधित कला कृतियों को भी विशेष रूप से प्रदर्शित भी करेगा।	परियोजना का चरण एक पूरा हो गया है। चरण-II मार्च, 2012 में शुरू हो गया। चरण I के एक भाग के रूप में मैसर्स एका आरकाइव्स प्रा. लिमिटेड*			*इस परियोजना के लिए काम पर लगाई गई परामर्श कंपनी द्वारा कला क्षेत्र फाउंडेशन को संपूर्ण परियोजना के लिए एक परियोजना योजना पुस्तुत

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									की गई है।
(iii)	नृत्य नाटकों का प्रलेखन	अभिलेखीय उद्देश्य के लिए कृष्ण विषयक नृत्य नाटकों का प्रलेखन किया जाना।			रूकमणि देवी द्वारा नृत्यबद्ध किए हुए रूप में कृष्ण विषय पर नृत्य नाटिका को छः कडियों को अभिलेखागार उद्देश्य के लिए प्रलेखीकृत किया जाएगा।	श्रव्य अभिलेखागार सामग्री के 150 घंटों का अंकीकरण ; और 250 घंटे के विडियों प्रलेखीकरण और 5000 चित्र।			
(iv)	अनुसंधान एवं प्रलेखन	पारंपरिक कलारूप में कार्यकलापों को और आगे बढ़ाना तथा इस क्षेत्र में विकास के बारे में अवगत कराने के लिए युवा पीढ़ी को भी प्रशिक्षित करना।			श्रीमती रूक्मणी देवी, नृत्य, नाटक एवं समकालीन संगीत/ नृत्य कलारूपों पर शोध कार्यों के भाग के रूप में विभिन्न साधनों से दुर्लभ और कीमती पुस्तकों का संग्रह किया जाएगा। विद्यार्थियों का फील्ड दौरे सहित प्रशिक्षण सत्र।	नियमित स्टाफ प्रशिक्षण यंत्रों और फील्ड दौरों के अलावा प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा तीन प्रमुख कार्यशालाओं, चार व्याख्यानों का आयोजन किया गया।			
छ.	**नामग्याल तिब्बती शास्त्र संस्थान, सिक्किम***	उक्त संस्थान सिक्किम राज्य सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी संगठन है तथा इस मंत्रालय से नियमित सहायता अनुदान	**0.62**	**0.11**	संस्थान के पास ग्रंथागार में परिरक्षित बौद्ध शिक्षा से संबंधित पाठ के अनुवाद व प्रकाशन के जारी रहने वाले कार्यक्रम हैं।	सिक्किम महल अभिलेखागार, बौद्ध हिमालय के तीन खंड, गुरू पदमासंभव का जीवन और कार्य, आधारभूत बौद्ध तकनीके सहित 5 प्रकाशनों को	**0.62**	**0.61**	गंगटोक में मई, 2011 में एक फिल्म प्रथा यात्रा जारी की

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्राप्त करता है। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य 'छोज' (बुद्ध की शिक्षा) के ज्ञान को फैलाना है।				प्रकाशित किया गया। फोटो प्रदर्शनी की एक श्रंखला का आयोजन किया गया। 1000 से अधिक फोटोग्राफों को वगीकृत एवं प्रलेखित किया गया। *			गई। लघु फिल्म 'चप चू' का कार्य पूरा हो गया/ 23 नियमित कर्मचारियों के वेतन का भुगतान कर दिया गया।
ज.	**क) मंचकला, साहित्य और दृश्य कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को अध्येतावृत्ति***	इस स्कीम के अंतर्गत संगीत, नृत्य, रंगमंच, दृश्य कला, लोक और देशी कलाओं के साहित्य और पारंपरिक कलारूपों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।		**7.50 (इसमें टीएसपी के लिए प्रावधान शामिल है)**	200 कनिष्ठ और 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जानी हैं।	200 कनिष्ठ और 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की गई।	**1.24**	**6.20**	
	ख) युवाकार्मिकों को छात्रवृत्ति	इस स्कीम के अन्तर्गत विशिष्ट युवा कलाकारों को भारत में उच्च प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।	**2.35**	––	400 छात्रवृत्तियां प्रदान की जानी हैं।	400 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।			
झ. (i)	**विशिष्ट कलाकारों को वित्तीय**	उन कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, जिनका कला के क्षेत्र में	**2.35**	**6.50**	इस पेंशन स्कीम के तहत लगभग 3128 दीर्घायु कलाकारों को सहायता प्रदान	उपलब्ध बजट से पेंशन स्कीम के अंतर्गत 2387 कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की	**2.14**	**9.80**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**सहायता*** **राष्ट्रीय कलाकार कल्याण निधि की स्थापना**	महत्वपूर्ण योगदान रहा हो तथा जो 58 वर्ष से अधिक आयु और दीनहीन परिस्थितियों में हों। इसका लक्ष्य बीमार कलाकारों को चिकित्सा सहायता प्रदान करना है।		1.00	की जाती है। प्रख्यात कलाकारों को उनकी चिकित्सा/स्वास्थ्य और अन्य उद्देश्यों के लिए वित्तीय सहातया दी जाएगी।	गई।	--	--	
ञ.	**सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधिमंडल**	विश्व के अन्य देशों के साथ परस्पर आधार पर सांस्कृतिक संबंधों का संवर्धन।	0.90	--	इस निधि का मुख्य उद्देश्य विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के सांस्कृतिक दौरों की मेजबानी करना, सांस्कृतिक करार/सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत बैठकें/सम्मेलन आयोजित करना है। वर्ष 2012–13 के दौरान, विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक करारों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे/कार्यान्वित किए जाएंगे। तथा सांस्कृतिक करार के अंतर्गत बैठकों / सम्मेलनों	i) बांग्लादेश प्रतिनिधि के साथ बैठक हेतु व्याख्यान हॉल की बुकिंग करना ii) सचिव संस्कृति द्वारा दिए गए निमंत्रण पर 6–9 अप्रैल, 2011 के दौरान बांग्लादेश शिष्टमंडल का भारत दौरा iii) टैगोर की 150वीं जयंती के संबंध में जून, 2011 में बांग्लादेश शिष्टमंडल का भारत दौरा iv) भारतीय पवेलियन के उद्घाटन के संबंध में सचिव,	0.10	--	* (v) संचिव संस्कृति का ऑस्ट्रेलिया दौरा (vi) भारत के दौरे पर आए बांग्लादेश शिष्टमंडल के लिए ताज महल होटल को भुगतान (vii)

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					को आयोजित करना।	संस्कृति का वेनिस दौरा।			माननीय संस्कृति मंत्री के लिए उनके फ्रांस दौरे के संबंध में उपहारों की खरीद।
ट.	**जनजातीय/ लोक कला के लिए वित्तीय सहायता**	जनजातीय सांस्कृतिक कला का संवर्धन और प्रचार करना। प्रलेखन और उत्सवों सहित सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करके जनजातीय/लोक कला की समृद्धता के बारे में जागरूकता पैदा करना।	--	1.00	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल संगठनों को प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	समीक्षा समिति की सिफारिश पर वर्ष 2008-09 में इस स्कीम को बंद कर दिया गया है। तथापि चालू मामलों में करीब 13 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता दी गई।	--	1.03	यह स्कीम 2005-09 से बंद है। तथापि, मौजूदा मामलों पर अनुदान प्राप्तकर्ता से दस्तावेज प्राप्त होने के पश्चात कार्रवाई की जाएगी।
ठ.	**हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय**	हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, प्रसार और परिरक्षण करना।	1.80	--	पात्र आवेदकों के आवेदन की प्राप्ति और विशेषज्ञ सलाहकार समिति की संस्तुति के आधार पर दी जाती है।	इस स्कीम के अंतर्गत 25 गैर सरकारी संगठनों/व्यक्तियों को सहायता अनुदान दिया गया।	0.97	--	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित की जानेवाल प्रस्तावों की संख्या

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहायता								परियोजना के गंण और संबठनों की क्षमता की क्षमता पर निर्भर होती है।
ड.	**बौद्ध/तिब्बती संगठनों के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायता**	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति व परंपरा के वैज्ञानिक विकास तथा संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान का भी संवर्धन एवं प्रचार करना।	––	1.00	पात्र आवेदकों के आवेदन की प्राप्ति और विशेषज्ञ सलाहकार समिति की संस्तुति के आधार पर दी जाती है।	लगभग 97 संगठनों के लिए सहायता अनुदान जारी किए गए।	––	1.03	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या, परियोजना की गुणवत्ता और संगठन की क्षमता पर निर्भर रहेगा।
ढ.	**शताब्दी/जयंती समारोह की स्कीम**	प्रमुख व्यक्तियों / घटनाओं के शताब्दी/जंयती के समारोह के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.80	––	प्रमुख व्यक्तित्वों घटनाओं/घटनाओं के शताब्दी जंयती के समारोह के लिए वित्तीय सहायता हेतु बडी संख्या में स्वैच्छिक संगठनों की पहचान की गई है।	सैफी विल्ला पुस्तकालय, दांडी के सिलसिले में दिल्ली स्मरणोत्सव के लिए एनजीएमए द्वारा दांडी स्मारक की नमूना और अवधारणा डिजाइन की तैयारी, दांडी विरासत साइट, प्रदर्शनी का आयोजन आदि के लिए राशि खर्च की गई है।	0.97	––	
	(i) गुरू	भारत के विख्यात		50.00	प्रस्तावों का कार्यान्वयन	अनुमोदित प्रस्तावों के लिए	––	42.38	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वी जयंती **(ii) स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती**	व्यक्तियों के शताब्दी समारोह मनाने हेतु सांस्कृतिक संगठनों / गैर सरकारी संगठनों और अन्य संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एनआईसी द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया है। जनता के बीच साहित्यिक एवं धार्मिक योगदान सहित कला और संस्कृति के प्रसार के लिए उनके द्वारा बनाया गया है।		**20.00**	एनआईसी द्वारा अनुमोदित किया गया है। सिर्फ वही परियोजनाएं जो स्वावी विवेकादंर के शिक्षण और संदेश के सुगम प्रचार के लिए लिया गया है जैसे फिल्म बनाना, प्रदर्शनी हॉल का निर्माण, स्कूल का निर्माण, अस्पताल में बुनियादी ढांचे की सुविधाएं आदि ले लिया जाएगा।	थोक निधि जारी की गई है। विभिन्न प्रस्तावों के संबंध में निधिकर शुरू की गयी हैं। भौतिक कार्य (निर्माण) भी शुरू की गई है।	--	**25.14**	
ण.	**राष्ट्रीय स्मारकों के रख–रखाव और विकास के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता की स्कीम**	राष्ट्रीय स्मारकों के रख–रखाव और विकास के लिए स्वैच्छिक संगठनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	**1.50**	--	राष्ट्रीय स्मारकों के रख–रखाव और विकास के लिए बडी संख्या में स्वैच्छिक संगठनों की पहचान की गई है।	सरदार बल्लभभाई पटेल स्मारक सोसाइटी, शाहीबाग अहमदाबाद के लिए संरक्षण अनुदान जारी किया गया है। राष्ट्रीय स्मारकों के रख–रखाव और विकास के लिए स्वैच्छिक संगठन को वित्तीय सहायता की मंजूरी दी गयी है।	**0.00**	**0.00**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
त.	**सांस्कृतिक संगठनों के लिए निर्माण अनुदान**	नृत्य, संगीत, ललित कला, इंडोलॉजी और साहित्य के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों को भवन निर्माण और सामग्री खरीदने के लिए अनुदान देना।	––	**6.00**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल संगठनों को प्रस्ताव की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति के सिफारिश के आधार पर सहयाता प्रदान की जा रही है।	46 संगठनों को सहायता प्रदान किया गया है।	––	**1.64**	विज्ञापन और विशेषज्ञ समिति के बैठक का आयोजन किया गया ताकि योग्य वर्गों में निधि जारी हो जाए।
थ.	**राष्ट्रीय महत्व वाले सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता**	राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थानों/संगठनों को सहायता प्रदान करना	**3.10**	**4.00**	प्रमुख संस्थानों जैसे आर के मिशन, ईन्टैक, और स्पिकमैके आदि को अनुदान दिया जाएगा।	राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान और विचार की जानकारी और संवर्धन।	**2.83**	**3.83**	
द.	**सांस्कृतिक संगठनों का विकास (सांस्कृतिक कार्य अनुदान स्कीम)**	महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विषयों पर सम्मेलन सेमिनार एवं परिसंवाद आयोजित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यकलापों में संलग्न राष्ट्रीय ख्याति के स्वैछिक संगठनों को	––	**5.40**	विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर संगठनों का अनुदान दिया जाता है।	575 संगठनों को अनुदान दिए गए हैं।	––	**11.26**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अनुदान देना।							
ध.	**तवांग मठ (बौद्ध एवं सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र)**	पारंपरिक बौद्ध कला और संस्कृति के परिरक्षण के लिएमठवासियों को शिक्षित करना बौद्ध सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र के रूप में भी कार्य करना।	––	**0.01**	मठ अपने चल रहे कार्यकर्मो को जारी रखेगा जिसमें अपने संग्रहालय का रख–रखाव भी शामिल है। मठ छात्रों को प्रशिक्षण देकर सेंड मडाला और मक्खन मूर्तियों को पुनर्जीवित किया जाएगा।	बहुत से बौद्ध भिक्षु छात्रों ने अपनी शिक्षा सफलतापूर्वक पूरा किया है। मृत कला रेल मंडल बट्टर मूर्तिकला के प्रशिक्षुओं अपनी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्व पूरा किया है।	––	**1.01**	इस मठ के कार्यकलाप पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आबंटित निधियों से वित्त पोषित किए जाते है।
न.	**तिब्बत हाउस, नई दिल्ली**	तिब्बत हाउस का मुख्य उद्देश्य, तिब्बती संस्कृति का संवर्धन, परिरक्षण और संरक्षण करना, तिब्बत और गैर–तिब्बती कलाकारों व शिल्पकारों के बीच विचारों और तकनीक के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना है।	––	0.50	तिब्बत हाउस, संग्रहालय का रख–रखाव सहित अपने चल रहे कार्यक्रमों का कार्यान्वयन जारी रखेगा।	इसने तिब्बती अध्ययन और संस्कृति संबंधी जागरूकता के लिए कार्यक्रम कार्यान्वयन से संबंधित अपने कार्यकलापों को कार्यान्वित किया तथा समीक्षाधीन अवधि के दौरान अपने संग्रहालय को व्यवस्थित भी रखा	––	**0.50**	
प	**केंद्रीय हिमालयी सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, दाहुंग, अरूणाचल**	भारतीय बौद्ध सांस्कृतिक विरासत को परिरक्षण और संवर्धन करना।	0.00	0.01	बौद्ध एवं तिब्बतीय संस्कृति से संबंधित पूर्व स्नातक, परा स्नातक और डॉक्टरल कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। बुनियादी तथा भवन संबंधित सुविधाएं शुरू की जानी है।	शोधार्थी ब्लॉक के लिए साइट विकास लडकों के छात्रावास (तीन स्तर के प्रशासनिक ब्लॉक निवास भवन और टेनिस कोर्ट को पूरा किया गया है) लडकों के छात्रावास के उपर रेन वाटर ग्रेनेज का कार्य पूरा किया	0.70	**7.01**	शिक्षा प्रदान करना एक अनवरत कार्यकलाप है योजना निधियों को एनईआर

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रदेश					गया			शीर्ष के अंतरगत आवंटित किया जाता है।
फ.	**जलियावाला बाग स्मारक का विकास**	इस स्मारक के समग्र विकास, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इसके दर्जे और महत्व को स्थापित करने के लिए	**0.50**	**0.40**	स्मारक को उन्नत करने के लिए विकास कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।	इस स्मारक को रख–रखाव अनुदान गैर–योजना के अंतर्गत मिल रहा है और उन्नयन तथा कार्यकलापों के लिए योजना के अंतर्गत। इस वर्ष के दौरान कोई अनुदान अब तक जारी नहीं किया गया है।	**0.00**	**––**	जेबीआईएमटी के लिए निधि जारी करने के प्रस्ताव को आईएफडी द्वारा अनुमोदन नहीं मिला है।
ब.	**अमूर्त विरासत और सांस्कृतिक विविधता के क्षेत्र में सुरक्षात्मक एवं अन्य रक्षात्मक उपाय की स्कीम (यूनेस्को सम्मेलन से**	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और सांस्कृतिक विविधता की सुरक्षा पर यूनेस्को सम्मेलन से उद्भूत इकरार को पूरा करना।	––	**0.50**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल व्यक्तियों/संगठनों की निर्धारित लक्ष्य नहीं है और उन्हें प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	इस स्कीम के अंतर्गत संबंधित संस्थाओं / स्वौच्छिक संगठनों को लिए सहायक अनुदान अभी भी जारी किया जाना है।	**––**	**0.30**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	उद्भूत)								
भ.	**भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता के संवर्धन और प्रसार के लिए योजना स्कीम**	मंच कलाओं और रंगमंच के माध्यम से संस्कृति और विरासत के संवर्धन से संबंधित कार्यकलाप शुरू करना।	--	**0.01**	भारतीय संस्कृति और विरासत के संवर्धन और प्रसार हेतु गैर सरकारी संगठन और गैर लाभार्थी संस्थाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।	इस स्कीम को इसके कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2011–12 / 2012–13 में संशोधित किया गया है। संशोधित स्कीम के तीन घटक है। *	--	**0.04**	इस वर्ष दो घटकों के अंतर्गत निधियां जारी होने की संभावना है।
म.	**सांस्कृतिक विरासत स्वयं सेवक (सी एच वी) स्कीम/ /सांस्कृतिक विरासत युवा नेतृत्व कार्यक्रम**	युवाओं को सामाजिक समावेशन तथा नागरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल कर के उन्हें हाशिए पर जाने और तिरस्कार से बचाना।	--	**0.01**	इस स्कीम को सी सी आर टी के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा। स्कीम को संशोधित किया जा रहा है।	इस नई स्कीम को एक समारोह में माननीय संस्कृति मंत्री द्वारा अनुमोदित कार्यान्नयन एजेंसियों जैसे एएसआई और राष्ट्रीय संग्रहालय के माध्यम से शुरू किया गया है। *	--	**--**	
(र)	**सांस्कृतिक उद्योगों के लिए पायलट स्कीम**	रचनात्मक भाव की व्यापक विविधता पारंपरिक डिजाइन और असीमित शिल्प विविधता को सांस्कृतिक उद्योग निर्माण में बदलना।	--	**0.49**	अपने क्षेत्र में स्थित सांस्कृतिक उद्योगों के लिए पायलट सर्वेक्षण हेतु जेडसीसी को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस स्कीम के कार्यान्वयन के लिए अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी।	समीक्षा अधीन अवधि तक दो क्षेत्रीयं सांस्कृतिक केंद्रों से यूसी प्राप्त न होने के कारण और निधियां जारी करने को रोक दिया गया है।	--	**--**	
(कक)	**बहुद्देश्यीय**	ळमारे जीवन की गुणवत्ता	--	**5.50**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में	राष्ट्रीय मूल्यांकन समिति द्वारा	**--**	**0.44**	एमटीए के

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता (इसे दिनांक 7.5. 2011 से टैगोर सांस्कृतिक परिसर के रूप में नया नाम दिया गया है।)	में सुधार लाने के लिए युवा लोगों को इस दृष्टि से संवंदनशील बनाना चाहिए कि समाज में सौन्दर्य की दृष्टि से और नैतिक रूप से क्या अच्छा है। युवा लोगों को नए अवसर प्रदान करना तथा एमपीसीसी के माध्यम से मंच कला और साहित्य को प्रोत्साहित करना।			कार्यरत संगठनों को विशेषज्ञ समिति के प्रस्ताव और सिफारिश की प्राप्ति के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	13 प्रस्तावों को सैद्यांतिक रूप से अनुमोदित किया गया है।			अनुरूप कुछ आशोधनों के साथ इस स्कीम को फिर से शुरू किया जा रहा है।
(खख)	**ज्ञान के संस्थानों में नमनीय संलग्नता (टैगोर राष्ट्रीय सांस्कृतिक अनुसंधान अध्येतावृत्ति स्कीम)**	इसमें अध्येताओं/ अकादमिशियनों द्वारा संस्थानों में सह–सहभागिता के माध्यम से संस्थान के मूल उद्देश्य से संबंधित परियोजनाओं व अनुसंधान कार्य को सम्पन्न कर उन्हें समृद्ध बनाए जाने तथा नवीन सृजनात्मक अग्रता प्रदान किए जाने को संकल्पित किया गया है।	––	**1.50**	15 टैगोर फेलो को सम्मानित किया जाना है और 25 टैगोर अनुसंधान छात्रवृत्तियां प्रदान की जानी हैं।	13 टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां प्रदान की गई!	––	**0.08**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(गग)	**साहित्यिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थान एवं व्यक्ति**	साहित्यिक कार्यकलापों के विकास में कार्यरत सभी भारतीय श्रेणी के संगठनों को सहायता देना।	0.10	--	इन संगठनों के नियममित कार्यकलापों को लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान कोलकाता के लिए 10.00 लाख रू. की राशि जारी की गई है।	0.10	--	
(घघ)	**अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कियाकलाप तथा भारत विदेश–मैत्री सोसाइटी को अनुदान**	भारत तथा संबंधित बाहरी देशों के बीच घनिष्ट मित्रता और सांस्कृतिक संबंधों को प्रोत्साहित करना और मैत्री सोसाइटी के जरिए भारतीय संस्कृति की अच्छाई को मजबूत करना।	**1.00**	**4.00**	भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए भारत विदेशी मैत्री सोसाइटियों को अनुदान प्रदान करने हेतु भारतीय मिशन को निधि का प्राधिकार दिया गया है।	अप्रैल 2011 से मार्च 2012 के दौरान स्कीम के अंतर्गत 64 भारतीय मिशनों के लिए सहायता अनुदान संस्वीकृत किया गया है।	--	**3.35**	
(ड.ड.)	**विदेश में भारतीय साहित्य**	6 यूएनओ भ्राषाओं में भारतीय भाषाओं का संवर्धन करना।		**0.45**	6 यूएनओ भ्राषाओं में भारतीय भाषाओं का संवर्धन करना।	i. दिनांक 3.5.2011 को आयोजित आईएलए पर सलाहकार समिति की बैठक के सिलसिले में सुश्री नमीत गोखले, परियोजना सलाहकार को भुगतान। ii. दिनांक 8.5.2011 को आयोजित आईएलए पर सलाहकार समिति की बैठक के सिलसिले में सुश्री नमीत गोखले,		**0.02**	

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						परियोजना सलाहकार को भुगतान।			
(चच)	**राष्ट्रीय मंचकला केंद्र की स्थापना**	मंचकला के लिए सांस्कृतिक शो आयोजित करना।		0.01	नई स्कीम शुरू करने के लिए प्रारंभिक प्रावधान रखा गया है।	2012-13 से इस स्कीम के कार्यान्नवयन के लिए इस स्कीम के ब्यौरे तैयार किए गए हैं।			
(छछ)	**राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन** **डांडी से जुडी परियोजनाएं**	गांधी विरासत स्थल का विकास तथा गांधी जी के लेखों/प्रकाशनों आदि के जीर्णोद्धार, रखरखाव, संरक्षण और विकास के लिए साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में गांधी विरासत स्थल पोर्टल की स्थापना ।		3.00	गांधी विरासत सामग्रियों संबंधी सूचना की पहचान मिलान और निर्धारण तथा इसो प्रबंधन और विकास। संरक्षण पद्धति आदि का निर्धारण। दांडी में राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण।	गांधी विरासत स्थल पोर्टल की स्थापना के लिए 4 करोड़ रू. की कार्पस निधि जारी की गई। गांधी जी से संबंधित विरासत स्थल विकसित किए जा रहे है। गांधी जी पर अद्यतन सूचना पोर्टल में परिरक्षित की जाएंगी जो पब्लिक के लिए उपलब्ध रहेगी। घोषणा के कार्यान्वयन के लिए*		3.00	*दांडी नमक सत्याग्रह की 75वीं वर्षगांठ पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया। राष्ट्रीय दांडी स्मारक का निर्माण किया जाएगा।
(जज)	**अंतर्राष्ट्रीय कला परिषद संघ एवं संस्कृति एजेंसियां (आईएफएसीसीए)**	संस्कृति मंत्रालय और 60 देशों की कला परिषदें आईएफएसीसीए के सदस्य है।	0.05		आईएफएसीसीए में सम्मिलित होने के लिए वार्षिक अंशदान दिया जाना है।	समीक्षा अधीन अवधि के दौरान संघ को अंशदान दिया जाना बाकी है।	0.05		
	अन्य स्कीमें (कला एवं		39.75	157.19			57.02	147.85	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संस्कृति)								
17	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	यह संगठन प्राचीन स्मारकों और स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और रख–रखाव, पर्यावरण विकास में कार्यरत है।	**287.00**	**152.00**			**275.26**	**171.58**	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	प्राचीन स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण : पर्यावरणीय विकास सहित उनका रखरखाव और अनुरक्षण ।	केंद्रीय स्तर पर संरक्षित प्राचीन स्मारकों और स्थलों का संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण ।			एएसआई ने प्राथमिकताओं, प्रतिबद्धताओं और वित्तीय संसाधनों के आधार पर केन्द्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों के ढांचागत संरक्षण, रासायनिक परिरक्षण और बागवानी के लिए 1700 स्कीमें (कार्य) शुरू किए हैं। ढांचागत संरक्षण, पर्यावरण से संबंधित कार्य*	एएसआई ने शुरू की गई लगभग 1573 स्कीमों (कार्यों) को पूरा किया है। जिनमें से 1157 संरक्षण, 56 रासायनिक परिरक्षण और 360 बागवानी विकास कार्य हैं।			प्राकृतिक आपदाएं
(ii)	**पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएँ प्रदान करना।**	प्राचीन स्मारकों में मूलभूत सुविधाओं का विकास, जिसमें प्रसाधनों, पेयजल सुविधाओं आदि का प्रावधान शामिल है।			स्मारकों में बेहतर आगंतुक सुविधाएं ओर अन्य सुख सुविधाएं जैसे सूचना केन्द्र, सार्वजनिक सुविधाए, आधुनिक टिकट काउंटर, बेहतर निर्देश चिन्ह, पेय जल सुविधाएं आदि	46 विश्व विरासत स्मारकों और सीलों तथा टिकट से प्रवेश वाले स्मारकों में बेहतर आगंतुक सुविधाएं और अन्य सुख सुविधाएं।			*विशेष रूप से 19 विश्व विरासत स्मारक व अन्य 116 टिकट से

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					उपलब्ध कराई जाएंगी। *				प्रवेश वाले स्मारक।
(iii)	**उत्खनन एवं अन्वेषण**	गाँव दर गाँव सर्वेक्षण तथा समस्या उन्मूलक सर्वेक्षण के तहत पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन तथा पुरावशेषों की खोज।			1. 18 पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन तथा 20 पुरावशेषों की खोज ; 2. समस्या उन्मुख अन्वेषण 3. आईआईटी कानपुर के सहयोग से लथिया के उत्खनन स्थल, जिला गाजीपुर में भू–छेदन रडार प्रणाली (जीपीआर) का उपयोग कर पुरातात्विक अनवेषण ; 4. मशीनरी व उपकरणों, औजार संयंत्र की खरीद ; 5. मंदिर स्थापत्य 6. प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता 7. विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के लिए उत्खनन हेतु वित्तीय सहायता	1. पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन तथा पुरावशेषों की खोज; 2. समस्या उन्मुख अन्वेषण 3. मशीनरी व उपकरणों, तंत्रों और प्लांटों की खरीद 4. मंदिर सर्वेक्षण परियोजना 5. विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के लिए उत्खनन हेतु वित्तीय सहायता 6. प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता 7. पुरालेख शास्त्रीय सर्वेक्षण	यह एक सतत प्रक्रिया है।		7. विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के लिए उत्खनन हेतु वित्तीय सहायता 8. प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता 9. जलीय पुरातत्व स्कंध 10. पुरालेखीय सर्वेक्षण, शिलालेखों के फोटोप्रलेख।
(iv)	**पुरातत्वीय स्थल संग्रहालयों का विकास।**	पुरातत्वीय संग्रहालयों का अनुरक्षण/विकास।			1. 10 स्रग्रहालयों का चरणबद्ध आधुनिकीकरण / उन्नयन 2. पिपरहवा और ललितगिरी में स्थित स्थल संग्रहालयों का उद्घाटन। 3. 10 स्थल संग्रहालयों में	1. 44 स्थल संग्रहालयों का रख–रखाव। 2. कला संग्रहालय सुधार। 3. पिपराहवा (यू.पी), ललितगिरि (उड़ीसा), शिवपुरी (म.प्र.) और सन्नाती			*4. पुस्तिका / लोकप्रिय साहित्य का प्रकाशन 44 स्थल संग्रहालयों

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					दीर्घाओं का पुर्नव्यवस्थापन।*	(कर्नाटक) में स्थित संग्रहालयों का उद्घाटन। 4. 14 सूत्रीय संग्रहालय सुधार के अनुसार दीर्घाओं की पुनः व्यवस्थापन। 5. सार्वजनिक सुविधाओं का उन्नयन। 6. ब्रोशर/लोकप्रिय व्याख्यानों का प्रकाशन। 7. क्षमता निर्माण और पहुँच कार्यक्रम। 8. चीनी एवं मैक्सिकों प्रदर्शनी।			का रख रखाव, लालकिले दिल्ली में 2 स्थल विशेष संग्रहालयों का स्थानांतरण,
(v)	**प्रकाशन**	1. अकादमिक और सूचनापरक श्रृंखला के अंतर्गत प्रकाशन। 2. विरासत के संबंध में ज्ञान का प्रसार और जागरूकता पैदा करना।			**नया प्रिंट** 1. भारतीय पुरातत्व एक समीक्षा–3 अंक। 2. उत्खन्न रिपोर्ट – 4 अंक **सूचना परख** 1. गाईड पुस्तक – 2 अंक 2. विशेष श्रंखला के अंतर्गत कोई अन्य प्रकाशन (अ प्राप्य) **ब्रोशर** स्कूल / कॉलेज छात्रों के लिए फोटो प्रदर्शनी, क्विज, निंबंध, चित्रकारी प्रतियोगिताएं,	**<u>शैक्षिक</u>** भारतीय पुरातत्व एक समीक्षा–2003–04 प्राचीन भारत खंड संख्या 1। **<u>नई श्रंखला</u>** संस्मरण – उत्खनन और आंतिचक प्रकाशित कालीबंगम और उदयगिरि प्रेस में है। **<u>सूचनापरक</u>** 1. राज महिल शिव सागर पर एक पुस्तक। 2. अंतिचक पर उत्खनन रिपोर्ट।			स्कूल/कॉलेज छात्रों के लिए फोटो प्रदर्शनी, क्वीज / निबंध, चित्रकारी प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और अन्य संस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करके

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(ii) सांस्कृतिक जागरूकता	हमारी समृद्ध विरासत के बारे में लोगों में ज्ञान के प्रसार और जागरूकता पैदा करने के लिए (एएसआई के सर्कलों और शाखा कार्यालयों द्वारा विश्व विरासत और अन्य महत्वपूर्ण दिवसों का समारोह मनाना।)			कार्यशालाएं और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करके एएसआई के मंडल एवंशाखा कार्यालय द्वारा विश्व विरासत और अन्य महत्वपूर्ण दिवसों को मनाना।	3. भारतद्वाज असराम और सीरूता वुर में उत्खन्न। 4. दिल्ली के स्मारक (हिंदी) 5. हूमायु के मकबरे को देखें (अंग्रेजी एवं हिंदी)। 6. दक्षिण भारतीय शिलालेख खंड XXX 7. एपिग्राफिका इंडिका खंड XLIII भाग 1 (2011–12) एवं एपीग्राफिया इंडिका अरबी तथा फारसी परिशिष्ट–विशेश अंक। 8. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रारंभिक वर्ष – संजोए रखना एवं संरक्षण करना। 9. भारतीय पुरातत्व की ग्रंथ सूची। 10. एलोरा की गुफाओं के संरक्षण हेतु भूवैज्ञानिक अध्ययन। पुन्नमुद्रण 1. भारतीय पुरातत्व की कहानी का डीलक्स संस्करण *			एएसआई के मंडल एवं शाखा कार्यालयों द्वारा विश्व विरासत और अन्य महत्वपूर्ण दिवसों को मनाना।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	राष्ट्रीय प्राचीन स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन	क) मिशन का उद्देश्य एएसआई के स्थल संग्रहालयों, राज्य सरकारों और विश्वविद्यालय में फैले पुरावशेषों का प्रलेखन करना है। ख) अरक्षित स्मारकों और स्थलों पर डाटा का संकलन (ग) विभिन्न वास्तुकला संस्थानों/संगठनों के अभिलेखीय ड्राईंग का डिजटीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।			1. एएसआई के 42 स्थल संग्रहालयों में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें लगभग 1 लाख पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें लगभग 1 लाख पुरावस्तुएं शामिल हैं। 2. एएसआई के 24 सर्कलों के मूर्ति शेडों में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें लगभग 50,000 पुरावस्तुएं शामिल हैं। 3. एएसआई के केंद्रीय पुरावस्तु संग्रह में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें 1 लाख पुरावस्तुएं शामिल हैं। 4. 29 राज्यों और 6 यू.टी के नियंत्रणाधीन 251 पुरातत्वीय संग्रहालयों में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन। 5. सहायक माध्यमों जैसे– प्रकाशित और अप्रकाशित दोनों ही से 35, राज्यों और यू.टी में असंरक्षित विरासत और स्थलों के संबंध में डाटा का संकलन।	राष्ट्रीय मिशन ने 3,50,000 पुरावशेषों तथा 80,000 निर्मित विरासत और स्थलों को राष्ट्रीय डाटाबेस के सृजन के लिए एनएमएमए द्वारा विकसित निर्धारित टम्पलेट में प्रलेखित किया। केंद्रीय पुरावशेष संकलन, पुराना किला मे शुरू की गई पुरावशेषों के प्रलखन का काम चल रहा है।			* 8. केंद्रीय संरक्षित 3675 स्मारकों ओर स्थलों का डाटाबेस तैयार करना। 9. देश के 10 विभिन्नशहरों में राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के नियंत्रण के अंतर्गत संग्रहालय कार्मिकों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। 10. सभी 29 राज्यों की सभी राजधानियों में

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					6. एएसआई के डाटा बैंक में रखे 4 लाख से अधिक पंजीकृत पुरावस्तुओं का कंप्यूटीकरण और डाटाबेस। 7. एएसआई के 24 सर्कलों, 6 शाखाओं, 2 मंदिर सर्वेक्षण परियोजनाओं और 1 भवन सर्वेक्षण परियोजना में उपलब्ध अभिलेखीय रेखाचित्रों का डिजिटीकरण 8. 3675 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों और स्थलों का डाटाबेस तैयार करना।*				स्कूली छात्रों के लिए विरासत जागरूकता संबंधी आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 11. क्षमता निर्माण कार्यक्रम के भाग के रूप में सभी 29 राज्यों में एनजीओ और संबंधित राज्य अधिकारियों के लिए विरासत संरक्षण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
18	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों और उनके पूर्ववर्ती निकायों के स्थायी महत्व के वर्तमान–भिन्न अभिलेखों का संरक्षक है। अभिलेख प्रबंधन कार्यकलापों तथा उनके स्थायी परिरक्षण और भावी पीढ़ी द्वारा प्रयोग हेतु नोडल एजेंसी।	15.90	5.00			16.43	7.59	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।
(i)	**अभिलेख प्रबंधन कार्यक्रम का विस्तार**	i. सार्वजनिक अभिलेखों का प्रापण। ii. फाइलों का मूल्यांकन। iii. अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण। iv. अभिलेखीय सलाहकार बोर्ड की बैठक आयोजित करना। v. सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम, 1993 पर डी. जी. ए. की			10,000 फाइलों/रिकार्डो का प्रापण। रिकार्डो की 10000 फाइलों का मूल्यांकन स्थानांतरित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 40,000 रिकार्डो का मूल्यांकन 10 रिकार्ड प्रतिधारण अनुसूचीं की जांच (वेटिंग)	सार्वजनिक रिकॉर्ड के निरीक्षण और सर्वेक्षण के लिए विविध मंत्रालय / कार्यालय में 28 अभिलेखीय सहायक लगे हुए हैं। अभी तक परियोजना प्रगति पर है रिकॉर्डो की 10000 फाइलों का मूल्यांकन, स्थानातरित फाइलों की कुल संख्या 282801 फाइलें एआईएमएस पैकेज ऑन लाईन में सूचीबद्ध विषय 94923 फाइलें। एएनआई में प्राप्त रिकॉर्डो का संस्थापन और व्यवस्थापन। 148247			एक सार्वजनिक रिकॉर्ड के कार्यान्वयान पर डीजीए की 12वीं रिपोर्ट मुद्रण के बाद प्राप्त की गई और इसे वितरित किया जा रहा है। डीजीए की 13वीं रिपोर्ट शुरू

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		9वीं तथा 10वीं रिपोर्ट का संकलन। vi. डी. आर. ओ. के लिए आर. एम. में प्रबोधन पाठ्यक्रम आयोजित करना। vii. मंत्रालय/विभाग/ कार्यालयों के डी. आर. आर. के निरीक्षण।			एक वार्षिक बैठक आयोजि की जानी है और अनुवर्ती कार्रवाई की जानी है। 12वीं व 13वीं डीजीए रिपोर्ट का संकलन कार्य पूरा किया जाना है। 7 ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम आयोजित किया जाना है। 12 डीआरआर का निरीक्षण किया जाना है।*	फाइलों की वास्तविक जांच। 25131 फाइलों का व्यवस्थापन। 10 रिकॉर्ड प्रतिधारण सूची का पुनरीक्षण किया गया। सलाहकार समिति की 12वीं बैठक आयोजित की गई। सचिव के अनुमोदन के साथ कार्यवृत्त जारी किया गया। अभिलेखीय सलाहकार समिति की 13वीं बैठक जल्द ही आयोजित की जाएगी। अभिलेखीय सलाहकार समिति के पुर्नगठन के लिए नामांकन अधिसूचित किया गया है।			की जा चुकी है, 7 उनमुखी पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। अब तक 12 विभागीय निरीक्षण हुए हैं।
(ii)	**मरम्मत एवं रेप्रोग्राफी का विस्तार** **सीआरएल – प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण**	अभिलेखों की मरम्मत, पुस्तकों/खण्डों की जिल्दसाज़ी/सुरक्षा माइक्रोफिल्मिंग की तैयारी, सुरक्षा माइक्रोफिश फिल्मों की तैयारी, माइक्रोफिल्मों की पाज़ीटिव प्रिंटिंग, मांग के अनुसार विद्वानों को प्रतियों (ज़ेरॉक्स/फोटो/रीडर/माइक्रोफिल्म) की आपूर्ति ।			1,10,000 शीटों की मरम्मत की जानी है। 80 पुस्तकों/ 200 खण्डों और 1000 विविध खण्डों की जिल्दसाज़ी की जानी है, 720 रोलों की माइक्रोफिल्म तैयार करनी है। ताड़, टेराट और तुलार प्रत्येक के पत्तों के 100 बंडलों का परिरक्षण।शुरुल रिकॉर्ड–100, जगदेव रिकॉर्ड– 100; 13000 पॉजिटीव/नेगेटिव माइक्रोफिल्में तैयार की जानी	112500 शीटों की मरम्मत की गई है। 250 खंड, 451 पुस्तकें, 1457 विद (जिल्दसाजी), 305 खंड, 451 पुस्तकें, 1382 विविध (फाइलें/खंड) की सिलाई की गई। एनएआई में सार्वजनिक रिकॉर्ड का संरक्षण और परिरक्षण। 236200शीटों की मरम्मत और लेमिनेशन, 1428 कार्यवाही खंडों की सिलाई और जिल्दसाजी की			640 रॉल माइक्रोफिल्म, 47500 सुरक्षा माइक्रोफीजेज के अंतर्गत अनावरण, 8864 मीटर के पॉजिटिव प्रिंटिंग। विद्वानों के लिए प्रदान

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		माइक्रोफिल्म का कार्य बाहर से कराना/एनएआई में उपलब्ध नेगेटिव माइक्रोफिल्म रोल की पोजिटिव माइक्रोफिल्मिंग का कार्य बाहर से कराना।			है। अंकीय चित्रों के लिए प्रायोगिक आधार पर 5 लाख रिकॉर्डों को तैयार किया जाना है। 60,000 एक्सपोज़र पूरे किए जाने हैं, 28,000 मीटर प्रिंटिंग पूरी की जानी है। अध्येताओं को 50,000 प्रतियों की आपूर्ति की जानी है। माइक्रोफिल्म स्केनर से 396000 इमेजों , हाइब्रिड कैमरा से 6000 इमेजों की स्कैनिंग, माइक्रोफिल्म स्कैनर से की स्कैनिंग। पांडुलिपियों का डिजिटीकरण – 300 चित्र।	गई। पुस्तकालय सामग्री अथवा दुर्लभ महत्वपूर्ण पुस्तक और प्रकाशन की मरम्मत और जिल्दसाजी का कार्य चल रहा है, 242866शीटें और 1086 खंडों की मरम्मत और लेमिनेशन, सिलाई और जिल्द सजाी की गई, परियोजना लक्ष्य के अनुसार पूरी हुइ है। बंध पत्र, लेजर पत्र, मोम पत्र, हेंड पत्र और बाइंडिंग क्लोन के नमूने की अभिलेखीय मरम्मत में उपयुक्तता के लिए जांच की गई है। अभिलेखीय भंडारण के लिए प्लाईबुड बोड के 11 नमूनों की जांच की गई है। 2201शीटों, 219 गोलगिट एमएसएस के ताड पत्रों जो अत्यधिक नाजुक और मुलायम थे की मरम्मत पूरी हो गयी है। अभिलेखीय सामग्री के संरक्षण और परिरक्षण पर पशिक्षणार्थियों के लिए व्याख्यान आयोजित किए गए। 3 एलबमों के कार्य का संरक्षण।			किए गए माइक्रोफिल्म स्कैनर के माध्यम से 219201 प्रतियां, चित्र तैयार किए गए/ डिजिटीकरण किया गया। 272400 इमेजों की स्कैनिंग, 5225 इमेजों का डिजिटीकरण, एनएआई मुख्यालय तथा आरओ भोपाल में निकेटिव और पॉजेटिव सामग्री की आउट सोर्सिंग की परियोजनाएं

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									तथा डिजिटल इमेजों की तैयारी और उसको माइक्रोफिल्म में एनालॉग इमेजों में परिवर्तित करने के लक्ष्य के अनुसार कार्य पूरा हो गया है।
(iii)	पुस्तकालय का विस्तार और प्रशासन	पुस्तकों की खरीद कम्प्यूटर में डाटा एंट्री डाटा इनपुट शीटों को तैयार करना।			पुस्तकों/पत्र–पत्रिकाओं की प्राप्ति क्रमांक – 700; डाटा इनपुट शीट तैयार करना–700; पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण – 700 तैयार किए गए पुस्तक कार्ड – 1500	6752 पुस्तकें प्राप्त की गई, 4112 पुस्तकों को वर्गीकृत किया गय, 3225 पुस्तकों को परिग्रहित किया गया ; 8770 कार्डस तैयार किए गए, 3121 प्रविष्टि की गई; 10726 पुस्तकें।			
(iv)	**राष्ट्रीय पंजीकरण या निजी रिकार्डस (एनआरपीआर) का विस्तार**	एन आर पी आर खण्डों का प्रकाशन			खण्ड 24 और 25 को संकलित और पूरा करना है।	अभी तक प्राप्त प्रदर्शनकर्ताओं की सूची बनाई गई। एन आर पी आर के खण्ड–24 की संकलन और सम्पादन का कार्य प्रगति पर है।			राज्यों/संघ राज्य अभिलेखों/ आरएससी से पर्याप्त संख्या

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									में यथोचित फाइल किए हुए प्रोफार्मा प्राप्त होने के अध्यधीन
(v)	अभिलेखीय अध्ययनों के स्कूल के कार्यकलापों का विस्तार	क) अभिलेखागार एवं अभिलेख प्रबंधन में एक वर्ष का डिप्लोमा ख) अभिलेखीय प्रबंधन एवं संबद्ध शाखाओं में अल्पावधि पाठ्यक्रम ग) मासिक बातचीत, स्कूल पुस्तकालय के परिरक्षण रिकार्ड प्रबंध और विस्तार पर कार्यशाला और सेमिनार			अभिलेख और रिकार्ड प्रबंध 2010–11 में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा किया गया और डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2011–12 आरम्भ किया जा रहा है। (क) रिकार्ड प्रबंध में अल्पावधि के 2 पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने है। (ख) रेफरोग्राफी–2 पाठ्यक्रम (ग) रिकार्ड की सर्विस और रिपेयर–2 पाठ्यक्रम (घ) पुस्तकों/एमएमएस/अभिलेख के देख–भाल और अनुरक्षण के 2 पाठ्यक्रम (ड.) अभिलेख प्रबंध–1 पाठ्यक्रम* सुलेख में अल्पकाकलीन पाठ्यक्रम की शुरूआत–1 (ग) संगोष्ठियां आयोजित करने के लिए प्रस्ताव है।	पाठ्यक्रम 2011–12 पूरा हो चुका है। अंतिम परीक्षा और मौखिम परीक्षा आयोजित की गई। पाठ्यक्रम को कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 31 अक्टूबर, 2012 को आयोजित किया गया। परिणाम घोषित किए गए और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विविध अभिलेखीय अध्ययन (2/1 पाठ्यक्रम) के अंतर्गत वर्ष के दौरान अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। 2 द्विवसीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं जिसमें आईएसआरओ के विविध विभागों के 92 साझेदारों ने भाग लिया। प्रशासनिक कार्य विभाग में रिकॉर्ड प्रबंधन पर 2 द्वीवसीय कार्यशालाएं आयोजित की गई जिसमें 29 अधिकारियों ने			* लखनऊ में रिकॉर्ड प्रबधन, संरक्षण और माइक्रोफिल्मिंग / डिजिटीकरण में मानव संसाधन विकास पर साप्ताहिक कार्यशाला आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश राज्य अभिलेखागार के सहयोग से 49 अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						भाग लिया।			लिया।
(vi)	पूर्वोत्तर में रिकार्ड केंद्र की स्थापना	क. पुराने रिकार्डों का सर्वेक्षण और प्रविष्टि। ख. रिकार्डों का मूल्यांकन। ग. रिकार्ड प्रतिधारण सूची की वेटिंग। घ. इंटैक, भुवनेश्वर द्वारा रिकार्डों की मरम्मत और संरक्षण।			पूर्वोत्तर क्षेत्र में केंद्र सरकार के कार्यालयों मे पुराने रिकार्डों का सर्वेक्षण और अर्जन। 2000 फाइलों का मूल्यांकन किया जाना है। 2 रिकार्ड प्रतिधारण सूची की वेटिंग। 30 शीट प्रति कार्य दिवस।	उत्तर पूर्व क्षेत्र में सरकारी कार्यालय के सर्वेक्षण के बाद सार्वजनिक और ऑरिएंटल रिकॉर्ड के अभिग्रहण की रिकॉर्ड श्रंखला – एंड्रीय यूल कंपनी कोलकाता से 384 फाइलों को प्राप्त किया गया। एसडी नंदा से मयूर भज पर 9 खंड ; 15 राजपत्र प्राप्त किए गए ; पेटेंट और डिजाइन की 7 हजार फाइलें स्थानांतरण के लिए तैयार हैं; खान सुरक्षा के डिजी के 2305 अप्रचलित रिकॉर्ड।			धनबाद और भारत सरकार स्टेस्नरी कार्यालय का आंकलन किया गया। 40652शीटों की मरम्मत / लेमिनेशन की गई। पी एवं डी कोलकाता की 40652 फाइलों का सूचीकरण।
(vii)	**पाण्डुलिपियों/ दुर्लभ पुस्तकों के परिरक्षण हेतु एनजीओ को वित्तीय सहायता की स्कीम** **राज्य और**	मूल्यवान दस्तावेज प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र में व्यक्तियों/ एन जी ओ को वित्तीय सहायता देना स्कीम का विज्ञापन			अनुदान समिति की बैठक आयोजित की जानी है। समिति द्वारा संस्तुत राशि को संस्तुत संस्थाओं को जारी किया जाना है।	अनुदान समिति की सिफारिशों के साथ 18 संगठन / व्यक्तियों के लिए अनुदान स्वीकृत किए गए। कुल 85 प्रस्ताव प्राप्त हुए और इनकी समीक्षा की गई। अनुदान समिति के पुनर्गठन के लिए ज्ञापन के साथ संशोधित स्कीम एनएनआई व्यवसाइट पर			*अनुदान समिति के समक्ष रखने के लिए तैयार।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संघ राज्य क्षेत्र अभिलेखीय रिपोजटरी तथा संग्रहालय के लिए वित्तीय सहायता स्कीम।	डीएवीपी द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाएगा। – वर्ष 2011–12 के लिए अनुदान समिति पुनर्गठित की जाएगी। – वित्तीय सहायता के लिए प्रस्ताव के विचारार्थ अनुदान समिति बैठक का आयोजन। – अनुदान जारी करने के लिए प्रधान लेखा कार्यालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय को स्वीकृति पत्र जारी करना।				अपलोड की गई है। 10 सरकारी संस्थानों के लिए अनुदान प्रदान करने हेतु निधि आवश्यक है जिसके प्रस्ताव सभी मामलों में पूर्ण है और 11सरकारी संस्थाओं के लिए सशर्त अनुदान की सिफारिश की गई है।			
19	**राष्ट्रीय संग्रहालय**	यह भारत में कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है, जो प्रापण, संदक्षण, प्रदर्शनी और शैक्षिक कार्यकलापों के महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न है।	**8.45**	**10.00**			**7.70**	**7.53**	सामान्तया योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चों के लिए होता है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	क्लाकृतियों तथा घटनाओं का फोटो प्रलेखन।	संग्रहालय के संग्रह का रंगीन फोटो–प्रलेखन, प्रदर्शनियों तथा प्रकाशन प्रयोजनों के लिए प्रदर्श और प्रचार–प्रसार हेतु घटनाओं का कार्य मांग के अनुसार किया गया। • लघु चित्र • मध्य एशियाई पुरावस्तुएं • पाण्डुलिपियाँ			संग्रहालय के संग्रह का रंगीन फोटो–प्रलेखन, प्रदर्शनियों तथा प्रकाशन प्रयोजनों के लिए प्रदर्श और प्रचार–प्रसार हेतु घटनाओं का कार्य मांग के अनुसार किया जाएगा। • लघु चित्र • मध्य एशियाई पुरावस्तुएं पाण्डुलिपियाँ	विभाग की सभी कलाकृतियों 2825 का फोटो तैयार किया गया! 1364 रंगीन प्रिंट तैयार किए गए। 2910 रंगीन एवं श्वेत स्याम फोटो तैयार किए गए! रंगीन निगेटिव लगभग 1000 डिजिटल फोटोग्राफी 900 तैयार की गई1पुराने श्वेत स्याम निगेटिव (प्रत्यक्ष रूप से सत्यापित) 5000 तैयार किए गए। सभी अति विशिष्ट व्यक्तियों के दौरे, समारोहों को कवर किया गया।			
(ii)	संग्रहालय का प्रदर्शन एवं आधुनिकीकरण मौजूदा वीथियों का पुनर्गठन। रिजर्व भण्डार का पुनर्गठन।	अंतर्राष्ट्रीय प्रथा और आधुनिक प्रोद्योगिकी के अनुसार वहाँ वीथियों और कलाकृतियों के प्रदर्शन की व्यवस्था करना।			• आभूषण दीर्घा • मध्य एशिया तैल चित्र दीर्घा • पांडुलिपि • कास्य दीर्घा • पूर्व–कोलंबियाई और पश्चिमी कला दीर्घा • समुद्री विरासत दीर्घा	• सजाावटी कला 1दीर्घा का 60 प्रतिशत मरम्मत एवं आधुनिकीकरण पूरा किया गया। • तुजावुर दीर्घा का 95 प्रतिशत मरम्मत एवं आधुनिकीकरण कार्य पूरा किया गया।			•पूर्व कोलंबियाई कला–खण्ड के भण्डारण का पुनर्गठन किया गया। •सजावटी कला खण्ड (

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					• मानव विज्ञान • पूर्व कोलंबियाई और पश्चिमी कला दीर्घा • तंजावुर दीर्घा • सजावटी कला दीर्घा का पुनर्गठन • पोशाक दीर्घा• की तैयारी	•प्रथम एवं द्वितीय तल पर गोल भवन में प्रदर्शित मूर्तियों के लिए नए संकेतक लगाए गए। •भूतल गोल भवन में प्रदर्शित मूर्तियों के लिए पेडस्टलों में सुधार किया गया। •काष्ठ नक्काशी दीर्घा का मरम्मत एवं आधुनिकीकरण कार्य पूरा किया गया•।			काष्ठ नक्काशी) के भण्डारण का पुनर्गठन किया गया।
(iii)	क्लाकृतियों को प्लास्टर कास्ट में रि–मॉडेलिंग करना। संग्रहालय पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की खरीद और शैक्षिक कार्यकलाप और आउटरीच कार्यक्रम	क्लाकृतियों को और आकर्षक तथा रंगीन बनाना।			रबर सांचे तैयार करना, विक्रय और उपहार के लिए अनुमोदित सूची के अनुसार रंगीन और कच्चा तैयार तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस से तैयार प्रतिकृति की कच्ची कास्ट तैयार करना। पुस्तकालय में 600 पुस्तकें और जोडी गईं। विभिन्न प्रतियोगिताएं/कार्यक्रम/कार्यशालाएं/सेमिनार आदि आयोजित किए जाएंगे।	रबर सांचे तैयार करना, विक्रय और उपहार के लिए अनुमोदित सूची के अनुसार रंगीन और कच्चा तैयार तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस से तैयार प्रतिकृति की कच्ची कास्ट तैयार करना। 1428 सांचों की कास्टिंग करना और उनकी रंगाई आदि करना। स्ंग्रहालय पुस्तकालय के संग्रह में 510 पुस्तकें और जर्नल और जोडे गए।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	क्लाकृतियों का पुनरूद्धार और संरक्षण। तैल चित्रों का पुनरूद्धार/ पुरावस्तुओं/ क्लाकृतियों का संरक्षण/संरक्षण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। पाण्डुलिपियों के संरक्षण/ जिल्दसाज़ी हेतु उपकरणों का प्रापण।	• पुरावस्तुओं और क्लाकृतियों को क्षरण से बचाना। • राष्ट्रीय संग्रहालय और अन्य संग्रहालयों/संस्थानों के संग्रहालय स्टाफ को संरक्षण की नवीनतम प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करना। • प्रयोगशाला को नवीनतम उपकरणों से सज्जित रखना।			**संरक्षण :** • राष्ट्रीय संग्रहालय में प्रयोगशाला भण्डारण दीर्घा, संग्रहालय गार्डेन और गोल भवन में लगभग 519 क्लाकृतियों की सफाई और परिरक्षण। • रिजर्व भण्डारण में419 क्लाकृतियों का सर्वेक्षण और निवारक संरक्षण। • कुमायूं रेजिमेंट और मेद्रास रेजिमेंट के रंग फ्लैग का संरक्षण। • मास्टर आफ इंडियन पेंटिंग्स, चीन प्रदर्शनी के संबंध में59 क्लाकृतियों की जांच की गई और उनकी कंडीशन रिपोर्ट तैयार की गई। • संग्रहालय की कलाकृतियों का प्रलेखन किया गया और संरक्षण उपचार के बाद लगभग 1053 निगेटिव तैयार किए गए। **शिक्षण एवं प्रशिक्षण**	**संरक्षण :** • राष्ट्रीय संग्रहालय में प्रयोगशाला भण्डारण दीर्घा, संग्रहालय गार्डेन और गोल भवन में लगभग 519 क्लाकृतियों की सफाई और परिरक्षण। • रिजर्व भण्डारण में419 क्लाकृतियों का सर्वेक्षण और निवारक संरक्षण। • कुमायूं रेजिमेंट और मेद्रास रेजिमेंट के रंग फ्लैग का संरक्षण। • मास्टर आफ इंडियन पेंटिंग्स, चीन प्रदर्शनी और रोम प्रदर्शनी से संबंधित प्रदर्शनी के संबंध में59 क्लाकृतियों की जांच की गई और उनकी कंडीशन रिपोर्ट तैयार की गई। • संग्रहालय की कलाकृतियों का प्रलेखन किया गया और संरक्षण उपचार के बाद लगभग			***कार्यशालाएं एवं सम्मेलन** • पूर्वोत्तर में कार्यशाला • लेह में कला कृतियों संरक्षण पर कार्यशाला • विश्व विरासत सप्ताह और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कला विषय पर कार्यशाला। • सरकारी संगहालय झांसी में पेंटिंग प्रतियोगिता

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					• पांडुलिपियों/धातु वस्तुओं के संरक्षण में 3 महीने का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। • धातु और काष्ठ क्लाकृतियों पर विभिन्न संग्रहालयों/कला दीर्घाओं के संग्रहाध्यक्षों के लिए 4 दिवसीय निवारक संरक्षण संबंधी कार्यक्रम।	1053 निगेटिव तैयार किए गए। **शिक्षण एवं प्रशिक्षण** • स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना, संग्रहालय में स्कूली बच्चों तथा गरीब समूहों का संग्रहालय देखने जाना। • 17–12–2011को संग्रहालय दिवस मनाया गया। • केरल में दो और दिल्ली में एक संग्रहालय खोलना•।			आयोजित की गई। सरकारी संगहालय झांसी में ***राम कथा*** पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी लगाई गई। नवीकृत अजंता गैलरी को खोला गया।
(v)	प्रदर्शनी	• प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति को लोकप्रिय बनाना • विषयक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना • सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनियाँ आयोजित करना			सियोल में सिंधु घाटी सभ्यता पर प्रदर्शनी। दो वर्ष में एक बार अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'सिल्क रूट ' रोम– इटली में आयोजित किए जाएंगे। रिट्जबर्ग संग्रहालय, स्विटजरलैंड में 'मास्टर आफ इंडियन पेंटिंग्स' को न्यू यार्क में ले जाया जाएगा। आमंत्रण प्त्र, ब्रोशर, फोल्डर,	•रिट्जबर्ग संग्रहालय, स्विटजरलैंड में 'मास्टर आफ इंडियन पेंटिंग्स' को महानगर कला संग्रहालय न्यू यार्क में ले जाया गया। • राष्ट्रीय संग्रहालय में आई जी आर एम एस के सहयोग से' अनुगूंज ' प्रदर्शनी आयोजित की गई। •कोएशियाई दूतावास के सहयोग से''प्रेजेंट एण्ड पास्ट			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन संग्रहालय की सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण	सूचीपत्र बुलेटिन, गाइड पुस्तकें, कला प्रकाशन आदि प्रकाशित करना। संग्रहालय की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करना।			प्रचार सामग्री आदि का मुद्रण। अनुपलब्ध प्रकाशन सामग्री और दीर्घा सूची पत्रों आदि का पुनः मुद्रण। सीसीटीवी सिस्टम सुरक्षा उपकरणों का इलेक्ट्रॉनिक निरीक्षण और अनुरक्षण,	तथा फोटोग्राफिक प्रदर्शनी आयोजित की गई। • भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से''प्राचीन चीन का खजाना '' पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। भारतीय लघु चित्र में और राजस्थानी लघुचित्र में आमंत्रण पत्र, ब्रोशर, प्रचार सामग्री आदि प्रकाशित किया गया। पुराने कैमरे के स्थान पर नए कैमरे, सुरक्षा उपकरण जैसे–एक्स रे बैगेज मशीन और डीएफएमडी की खरीद			
20	**राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्**	विज्ञान शिक्षकों, छात्रों, युवा उद्यमियों, तकनीशियनों आदि के लिए प्रदर्शनी, संगोष्ठियाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	27.60	22.00			31.50	34.80	सामान्तया योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्च के लिए किया जाता है।
(i)	.नवीन दीघाएं	देश में विज्ञान और			बीआईटीएम ,इमेज एसएससी	'पुरा ऐतिहासिक प्राणी' पर			केपीएस

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्थापित करना, .प्रदर्शों का उन्नयन और अद्यतन, .नयी परिचालन योग्य प्रदर्शनियाँ, •शैक्षिक कार्यक्रम .नयी सचल विज्ञान प्रदर्शनी इकाइयाँ, नयी प्रशिक्षण सुविधाएँ, .प्रमुख सिविल कार्यों सहित देश के विभिन्न भागों में स्थित 25 विज्ञान केन्द्रों की आधारिक अवसंरचना	प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण, प्रोन्नयन करना और उसे लोकप्रिय बनाना।			पटना, एनएससी दिल्ली, आरएससी, लखनउ, आरएससी जयपुर,डीएससी, पुरलिया डीएससी धेनकेनाल, एनबीएससी सिलीगुडी, डीएससी ,गुलबर्ग, एनएससी मुबई, जीएससी पनजिम, डीएससी, धर्मपुर,आरएससी, पुणे,आरएससी, पिलिकुला,बीआईटीएम, बंगलोर आदि में नई दीर्घाएं स्थापित की जाएंगी। एनसीएसएम केराष्ट्रीय स्तर के केंद्रों में दो नई यात्रा प्रदर्शनियां विकसित की जाएंगी। 2011–12 के दौरान विभिन्न विज्ञान केंद्रों में मौजूदा यात्रा प्रदर्शनियों को भी लगाया जाएगा। एनएससी दिल्ली और केपीएससी कुरुक्षेत्र में प्रत्येक पांच टापिक पर पाठ्यचर्या आधारित किट पूरा किया जाएगा। विभिन्न विज्ञान केंद्रों में राष्ट्रीय विज्ञान सेमिनार, विज्ञान नाटक प्रतियोगिता, विज्ञान मेला/महोत्सव आयोजित किए	एनएससी मुंबई में नवीकृत दीर्घा,आरएससी नागपुर में तारामंडल को नवीकृत करके हाइब्रिड तारामंडल, आरएससी भोपाल में अम्ब्रेला पर दीर्घा की नवीकरण का उद्घाटन वर्ष के दौरान किया गया। आरएससी कालीकट में वर्चुअल रियल्टी प्रदर्श की स्थापना का कार्य पूरा किया जाएगा। विज्ञान केंद्र बर्दवान में लाइफ साइंस कार्नर और फन साइंस पर दीर्घा की विकास किया जाएगा। बीटीआइएम कोलकाता बच्चों के लिए नई दीर्घा तथा एसएससी, पटना में इमेजेज पूरा किया गया। डीएससी धेनकेनाल में नए 3 डी थियेटर की स्थापना और बीटीआईएम कोलकाता में विद्युत पर दीर्घा के नवीकरण का कार्य वर्ष के दौरान पुरा किया गया। इसके अलावा पदर्शों को बनाने और दीर्घाओं के नवीकरण जैसे विभिन्न			कुरूक्षेत्र में ' वाटर 'पर मोबाइल विज्ञान के लिए नई प्रदर्शनी ,आरएससी भुवनेश्वर में , डीएससी, पुरूलिया और एनबीएससी सिलीगुडी में ' गणित 'का विकास शुरूआत वर्ष 2011–12 के दौरान की गई। इनके अलावा एनसीएसएम के अधीन विभिन्न विज्ञान संग्रहालयों और केंद्रों

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	तथा मौजूदा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। . विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यवसायिक योग्यता प्राप्त करने के लिए विज्ञान सम्प्रेषण में एमएस पाठ्यक्रम				जाएंगे। मरम्मत,लिफ्ट की संस्थापना, और निगरानी तंत्र, टायलेट, बाउंड्रीवाल,एसी, कलाकृतियों के भण्डारण की सुविधा आदि सहित विभिन्न सिविल निर्माण कार्य शुरू किए जाएगे। विज्ञान सम्प्रेषण एमएस पाठ्यक्रम जारी रहेगा।	कार्य डीएससी दीघा, डीएससी पुरलिया, आरएससी भुवनेश्वर, डीएससी तिरूनेलवेली आदि पूरे किए गए। ' आचार्य पी सी रे– द लाइफ एण्ड साइंस आफ ए लिजेंड',बीआईटीएम कोलकाता में ' रेडियेशन',वीआईटीएम बंगलोर में सर एम विश्वेसरैया , केपीएससी कुरूक्षेत्र में 'रसायन' पर यात्रा प्रदर्शनियों का वर्ष के दौरान उद्घाटन किया गया।•			द्वारा' राष्ट्रीय विज्ञान नाटक/उत्सव/ सेमिनार/मेला /विज्ञान प्रश्नोत्तरी/व्याख्यान/सृजनात्मक योग्यता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
(ii)	मुख्य उपकरणों का प्रापण	विभिन्न आरएससी में नवीनतम उपकरणों को उपलब्ध करवाना और आधुनिकीकरण			तारामंडल उपस्कर,डिजिटल, सिंगल फिस आईलेंस आधारित प्रोजेक्टर्रों, टेलिस्कोपों, लंबी फारमेट वाली फिल्मों और राबोटों का प्रापण विभिन्न केंद्रों के लिए किया जाएगा।	टारएससी कालीकट में मौजूदा आप्टोमेकेनिकल तारामंडल का उन्नयन किया गया जो डिजिटल तारामंडल के अतिरिक्त था।एनएससी मुंबई, आरएससी लखनउ, और साइंस सिटी कोलकाता के लिए लंबे फारमेट के फिल्म प्रोजेक्सन तंत्र हेतु तीन नई फिल्में लाइसेंस के आधार पर ली गईं। बीआईटीएम कोलकाता, एनएससी मुबई,			विज्ञान संप्रेषण में एम एस पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। एस एण्ड टी में पारंपरिक ज्ञान पद्धति और भारतीय विरासत पर काफी टेबल

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						एनएससी दिल्ली, आरएससी लखनउ,और केपीएससी, कुरुक्षेत्र के लिए3 डी प्रोजेक्सन तंत्र हेतु नई फिल्मों का प्रापण किया गया। बीआईटीएम कोलकाता और साइंस सिटी कोलकाता के लिए स्पार्क थियेटर उपस्कर तथा अपेक्षाकृत छोटे केंद्रों के लिए तारामंडल उपस्करों का प्रापण किया जाएगा।			बुक्स का प्रकाशन सहित प्रकाशन शुरु किया गया। साइंस लर्निग सेंटर , नेपाल,और आरजीएससी, मारिसस का कार्य 2012–13 में लिया जाएगा।
(iii)	पूर्वोत्तर राज्यों में नए विज्ञान केंद्र – आर एस सी, गुवाहाटी एसआरएससी, जोरहाट एसआरएससी, मणिपुर और मिजोरम, सुकान्ता	आम जनता में बडे स्तर पर तथा विशेषतः विद्यार्थियों में संबंधित क्षेत्र में वैज्ञानिक रूझान पैदा करना।			बुनियादी और विद्यमान सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। असम में नए विज्ञान केंद्र स्थापित करना। एसआरएससी, गंगटोक का विस्तार कार्य। आरएससी, गुवाहाटी का उन्नयन कार्य•	प्रदर्श विकास के लिए कार्य, जिसमें आरएससी,गुवाहाटी के सुदृढीकरण के रूप में अन्य कार्यकलाप शामिल है,वार्षिक कार्य योजना2011–12 के अनुसार किया गया है। एसआरएससी, जोरहाट संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है और उद्घाटन की प्रतीक्षा है। एसआरएससी, गंगटोक के विस्तार के लिए सिविल कार्य, जिसमें तारामंडल का कार्य			•एसआरएससी,शिलांग, मणिपुर और मिजोरम,। सुकांता अकादेमी टीटीएएडीसी के लिए प्रदर्शो का विकास।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अकादेमी, अगरतला, त्रिपुरा,जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषाद ,(टीटीएएडीसी) में नई परियोजनाएं					पूरे जोरो पर है,जारी रहेगा। सुकांता अकादेमी के लिए प्रदर्श की अभिसंरचना का कार्य और 3 डी फिल्म शो सुविधा को मिलाकर एसआरएससी, मिजोरम औार मणिपुरका उन्नयन कार्य वार्षिक कार्य योजना 2011–12 के अनुसार किया गया है।			
21	**विज्ञान शहर**	देश के चुनिंदा केन्द्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	–	11.00			–	11.18	
(i)	अनवरत परियोजनाएं आर एस सी रायपुर, आर एस सी, धारवाड़ और आर एस सी कोयंबटूर, आरएससी, जयपुर, आर एस सी पिलिकूला (बैंगलोर), ।	आम जनता में बडे स्तर पर और छात्रों में विशेषकर विज्ञान के प्रति जागरूकता पैदा करना।			वर्ष 2011–12 के दौरान और इसके बाद प्रथम 4 परियोजनाएं पूरी की जाएंगी और अन्य परियोजनाएं शुरू की जाएंगी/चालू रखी जाएंगी।	आरएससी, धारवाड़, रायपुर और जयपुर का उद्घाटन क्रमशः 27.02.2012 13. 07.2012, 29.12. 2012को किया जा चुका है। आरएससी, कोयंबटूर, तमिल नाडु और पिलिकुला, मंगलूर, का कार्य पूरा हो चुका है और उद्घाटन की प्रतीक्षा है। पीसीएमसी, पुणे, आरएससी, देहरादून, एसआरएससी, जोधपुर, पुद्दुचेरी और साइंस सिटी कोलकाता में			एसआरएससी , गंगटोक ,जिसमें तारामंडल भी शामिल है, के विस्तार के लिए सिविल कार्य पूरे जोरो पर है ओर यह कार्य जारी रहेगा। सुकांता

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पीसीएमसी, पुणे; एसआरएससी, पुद्दुचेरी और एसआरएससी जोधपुर, आरएससी देहरादून, आरएससी गुवाहाटी, क्षेत्रीय विज्ञान शहर , आरएससी देहरादून,साइंस सिटी कोलकाता पें एक्सप्लोरेशन हाल, दूसरा चरण, एसआरसी , मैसूर, विज्ञान केंद्र नरसिंहनाथ, उडीसा, एसआरएससी उदयपुर,					एक्सप्लोरेशन हाल, द्वितीय चरण, का कार्य जारी रहेगा। प्रदर्श विकास का कार्य, जिसमें आरएससी, गुवाहाटी के सुदृढीकरण संबंधी अन्य कार्य शामिल है, वार्षिक कार्य योजना 2011–12 के अनुसार किया गया है। – एसआरएससी, जोहाट के स्थापना संबंधी कार्य वस्तुतः पूरा किया जा चुका है और उद्घाटन की प्रतीक्षा है।			अकादेमी के प्रदर्शों का संविरचन का कार्य और एसआरएससी , मिजोरम तथा मणिपुर का उन्नयन कार्य 3 डी फिल्म शो सुविधा जोडकर वार्षिक कार्य योजना 2011–12 के अनुसार किया गया है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	त्रिपुरा,आरएस सी राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश।								
									आरएससी, कोयंबटूर, पिलिकुला और जयपुर में कार्य चल रहा है।
22.	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**	जैव–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में मानव जनसंख्या पर अनुसंधान कार्यकलाप के लिए वचनबद्ध। इसके कार्यकलापों में नृजातीय सामग्रियों तथा प्राचीन मानव कंकाल संबंधी अवशेषों का संग्रहण, परिरक्षण, अनुरक्षण, प्रलेखन और अध्ययन शामिल हैं।	**17.85**	**10.0 (टीएसपी के लिए किए गए प्रावधान सहित)**			**17.33**	**11.50**	सामान्यतया योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए होता है।
(i)	प्रलेखन और प्रसार कार्यकलाप–I– हिंदी भाषा के प्रकाशनों के प्रापण के	7 क्षेत्रीय केंद्रों तथा कोलकाता स्थित केंद्रीय राष्ट्रीय पुस्तकालय में मानव विज्ञान पुस्तकालयों का अनुरक्षण करना तथा संग्रहालय का सुदृढ़ीकरण			ज्ञान आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप इस सर्वेक्षण ने मानव विज्ञान और कोलकाता स्थित इसके नवनिर्मित भवन में राष्ट्रीय पुस्तकालय की स्थापना के लिए प्रक्रिया शरू की	सर्वेक्षण के अंतर्गत पुस्तकालय का आधुनिकीकरण और रेट्रो कनवर्जन का कार्य तथा सभी पुस्तकालयों का डिजिटलीकरण का कार्य सक्रिय रूप से चालू है ताकि			मनव शक्ति में कमी के के कारण गिरावट आ सकती है । युवाओं के

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लिए विशेष अभियान पहल I सभी क्षेत्रीय केंद्रों के पुस्तकालय में समन्वय स्थापित करना। कार्यकलाप–II – पुस्तकालय सेवाओं का योजनबद्ध तरीके से आउटसोर्स करना। कार्यकलाप–II I–विद्यमान दीर्घाओं, संग्रहालयों का अनुरक्षण	और क्षेत्रीय सौंदर्यीकरण के साथ इसका रख–रखाव भी करना।			है।इसका परिणाम यह होगा कि दक्षिण–पूव एशिया में सबसे बडा मानव विज्ञान पुस्तकालय स्थापित होगा। 2,00,000 से अधिक दर्शकों, जिनमें, विद्वान,छात्र और आम आदमी तथा महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं, देश में मानव विज्ञान संग्रहालय का निरीक्षण किया। –पूर्वोत्त्र राज्यों से 1,00,000 से अधिक लोग प्रत्येक दर्शनीय स्थल पर इस प्रदर्शनी में आएंगे। – इस सर्वेक्षण की वेबसाइट का उन्नयन। –उम्मीद की जाती है कि सर्वेक्षण लगभग 3 लाख रू की पुस्तकें बेचेगा। – 16एमण्म की विजुअल डाक्यूमेंटरी फिल्म का बीटा–कैम फारमेट में अंतरण और 1,000 से अधिक आडियो कैसेट का कार्य जारी रहेगा। – यह लक्ष्य रखा गया है कि	क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ नेटवर्किंग की सुविधा हो। पुस्तकालयों के लिए अनेक पुस्तकें, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों और दस्तावेजों की खरीद की गई। एसआरसी, मैसूर ने उटी में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डिजिटल रिपाजिटरी और जेडएएम की स्थापना की संभावनाओं का पता लगाने कोलकाता से पांच वैज्ञानिक अधिकारियों की एक टीम ने डब्ल्यूआरसी उदयपुर का दौरा किया। संग्रहालय नमूलों के सरंक्षण एवं प्रलेखन का काम जारी रहा। जोनल संग्रहालयों के अनुरक्षण का काम भी जारी रहा। सर्वेक्षण के सभी संग्रहालयों के विकास का काम चल रहा है जिसमें मानव विज्ञानी कलाकृतियों का अधिक इंटरैक्टिव डिस्पे होगा। मुख्यालय सहित सभी कार्यालयों के अभिनिर्धारित			लिए केंद्रीय कोलकाता विज्ञान और संस्कृति संगठन। ''फूड गैदरिंग से साइबर संस्कृति ''पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार,एस आरसी, मैसूर द्वारा मानव विकास पारगमन आयोजित किया गया। फोटो निगेटिव का डिजिटाइजेशन कार्य शुरू किया गया है। इस सर्वेक्षण ने पश्चिम

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					उदयपुर स्थित नए भवन में क्षेत्रीय मानव विज्ञान संग्रहालय निर्मित किया जाए और पोर्टब्लेयर में संग्रहालय का उन्नयन किया जाए तथा जगदलपुर में नया संग्रहालय निर्मित किया जाए। – इस सर्वेक्षण के सभी संगहालयों में संग्रह/इथनोग्राफिक कलाकृतियों का सुदृढीकरण तथा देश के सांस्कृतिक मूर्त विरासत के प्रचार–प्रसार का कार्य जारी रखा जाएगा। – सर्वेक्षण के कार्य को अग्रसरित करने के लिए आम आदमी, छात्रों,विद्वानों के समक्ष जातीय और मानव विज्ञान संस्कृति को बढावा देने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के गंगटोक, अगरतला जैसे शेष स्थानों पर '' मानव उत्पत्ति, जीनोम और भारत के लोग ''प्रदर्शनी आयोजित की गई। – इस सर्वेक्षण के सभी क्षेत्रीय केंद्रों और मुख्यालय में	फोटोग्राफिक निगेटिव का डिजिटलीकरण जारी रहा। अनेक दर्शको ने संग्रहालय का दौरा किया। अण्डमान निकोबार क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय संग्रहालयों में निकोबारीस बी हाइव हट का मरम्मत कार्य और लोक नृत्य एवं लोक गीत का प्रलेखन कार्य चल रहा है। एसआरसी, जगदलपुर ने अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन किया। सीआरसी,नागपुर के क्षेत्रीय संग्रहालय का उल्लेख प्रेस –हितवाडा में मुख्य संग्रहाालय के रूप मे किया गया है। अण्डमान निकोबार क्षेत्र, पोर्टब्लेयर में क्षेत्रीय सग्रहालय में टच स्कीन कियोस्क तंत्र स्थापित किया गया। बस्तर के आहुजाह मारिया जनजाति के घोटुल का मरम्मत कार्य किया गया।			बंगाल में विभिन्न स्थानों पर विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियां आयोजित की। इसने 36वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2012 में भाग लिया। इसने 99वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में सामुदायिक जिनेटिक्स और स्वास्थ्य पर प्रदर्शनियां आयोजित की। केआईआईटी विश्वविद्यालय

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					स्थानीय प्रदर्शनियों में भाग लेना, जिसकी मेजवानी बाहरी संगठनों द्वारा की जाएगी तथा अनवरत प्रचार–प्रसार कार्यक्रम के भाग के तौर पर मांग आधारित राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनियों द्वारा की जाएगी। – सर्वेक्षण का यह प्रस्ताव है कि अधिकतम लोगों के समक्ष व्यापक प्रचार–प्रसार की मांग को पूरा करने के लिए कोलकाता शहर के बाहर और पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करने के लिए एक मोबाइल वैन खरीदा जाए।	छिंदवाडा और बालाघाट, मध्य प्रदेश, की भारिया जनजाति पर पीटीजी का फोटोग्राफिक कवरेज किया गया है। सर्वेक्षण ने बालासोर, उडीसा में भारत में सांस्कृतिक विविधता पर प्रदर्शनी आयोजित की और वृत्त चित्र के लिए श्री बप्पाराव के प्रस्ताव पर विचार विमर्श के लिए ईआरसी कोलकाता में बैठक भी आयोजित की। एसआरसी, मैसूर ने मानव विज्ञान अनुसंधान के मुखौटों पर कार्यशाला और साथ ही साथ कर्नाटक में शिक्षण और प्रशिक्षण में मेजवानी की। कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड में ''हृयूमन ओरिजिन जिनेमिया और भारत के लोग '' विषय पर रेट्रोस्पेक्ट और प्रासपेक्ट आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। • द्वारा आयोजित 15वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी के संबंध में ''भारत में जीवन औार			,भुवनेश्वर में प्राइड आफ इंडिया एक्सपो आयोजित किया गया। एनडब्ल्यूआर सी, देहरादून ने जनजाति और मानवविज्ञानी के बीच इंटरैक्सन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें उत्तराखंड के 5 जनजातियों से संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						संस्कृति'' पर प्रदर्शनी में इस सर्वेक्षण ने भाग लिया।			
(ii)	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	वर्तमान में सर्वेक्षण में 47 फेलो हैं, जिसे बढ़ाकर 67 करने का प्रस्ताव है। ये देश में मानव शक्ति विकास के महत्वपूर्ण घटक हैं।			वर्तमान में सर्वेक्षण में 47 फेलो हैं। इसे बढ़ाकर 76 करने और वजीफा को भी बढ़ाने का प्रस्ताव है। सभी भरती किए गए अध्येताओं को राष्ट्रीय परियोजनाओं पर लगा दिया गया है जो कार्यरत रहेंगी।	नियुक्त अनुसंधान अध्येताओं को फोल्ड कार्य के आधार पर अनुसंधान अध्ययन में लगाया गया। अपातनी जनजाति में फील्ड कार्य पूरा हो गया है। पूर्वोत्तर में ''बच्चों की अभिवृद्धि और विकास '' के अंतर्गत नियुक्त अध्येताओं को पश्चिमी खासी हिल्स मेघालय की गारो समुदाय की डाटा एंट्री के लिए लगाया गया है। जेआरसी, मैसूर में एक जेआरएफ का प्रथम चरण पूरा किया गया है।•			• ट्रांसकिप्सन फैक्टर के जेनेटिक पोलिमारफिज्म की एसोसिएशन स्टडी का फील्ड कार्य।7–(टीसीएफ7एल2)जीन और टाइप 2 मधुमेह
(iii)	मानवशक्ति प्रशिक्षण/सलाहकार/ कार्यपालक समिति/ विशेषज्ञों की बैटक	कार्यपालक परिषद की आंतरिक बैठकों के अलावा, विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैठकें और प्रशिक्षण कार्यक्रमें अपेक्षित होती हैं, जिसमें वाहरी विशेषज्ञ शामिल होते हैं।			विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैठकें और प्रशिक्षण कार्यक्रम अपेक्षित होती हैं, जिसमें वाहरी विशेषज्ञ शामिल होते हैं। वर्ष में कम से कम चार बैठकें कार्यपालक परिषद की होंगी। की चालू वित्त वर्ष के दौरान कम से कम दो वार	विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सर्वेक्षण की कार्यपालक बैठक डब्ल्यूआरसी उदयपुर में हुई। भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के मुख्यालय से अनेक अधिकारियों ने मानवविज्ञान मुद्दों/मामलों /योजना परियोजनाओं और अन्य अनुसंधान प्रशासनिक मामलों			•सर्वेक्षण ने नेपाल से 8 प्रतिनिधि मंडल की टीम की एक बैठक आयोजित की जो सर्वेक्षण की बडी परियोजनाओं

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहयोगात्मक स्कीमें सूचना और प्रौद्योगिकी प्रकाशन				सर्वेक्षण की राष्ट्रीय सलाहकार समिति की बैठक अपेक्षित होती है। प्रशासनिक और सहयोगी स्टाफ का प्रशिक्षण। सर्वेक्षण इस कार्यकलाप को कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से जारी रखेगा जो कि विभिन्न संस्थाओं, विश्वविद्यालयों आदि तक मानव विज्ञान अनुसंधान को बढाने और आदान प्रदान करने के हित में एक अनुवरत कार्यकलाप होगा। कार्यकलाप 1– सर्वे के विभिन्न कार्यों का कंप्यूटरीकरण, अनुरक्षण और उन्नयन की दृष्टि से योजना अवधि के अगले वर्ष के लिए एक अनवरत कार्यकलाप के रूप में आवश्यक होगा। प्रयोगशाला सूचना तंत्र का कंप्यूटरीकरण। वेबसाइट, द्विभाषी , जारी। उन्नयन और अनुरक्षण।	के संबंध में भारत भर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित रिपोर्ट अवधि के दौरान सेमिनार/उप समिति/बैठकों/प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने के लिए लगाया। कार्यालय कैंप से नामित अधिकारियों और क्षेत्रीय उप क्षेत्रीय केंद्रों से विद्वानों ने आम बैठकों में भाग लिया और जैम पर कार्यशाला में अपने अभिपत्र प्रस्तुत किए। जीएसआई , कोलकाता द्वारा आयोजित 'जियो–विरासत प्रदर्शनी की ओर' एक संतुलित शुरुआत की गई। कैंडी, श्रीलंका में सार्क सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया में ह्रासमान संस्कृति पर क्षेत्रीय सम्मेलनों में सर्वेक्षण के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसने बायो मेडिकल की बैठक भी आयोजित की। अपनी ईआरसी, साल्ट लेक कोलकाता में सर्वेक्षण की			/कार्यक्रमों/ फील्ड दौरों पर विचार विमर्श के लिए यहां आए। ज्नजातीय संग्रहालय, में 3दिवसीय कार्यशाला की मेजवानी के लिए हैदराबाद स्थित महात्मा गांधी राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान और सामाजिक कार्य सर्वेक्षण ने पारस्परिक अकादेमी सहायता उपलब्ध कराई। एनडब्ल्यूआर सी, देहरादून

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					प्रयोगशाला डाटा प्रबंधन। सर्वेक्षण और क्षेत्रीय तथा मुख्यालय के बीच वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधाएं सृजित करना। सर्वर आधारित इंटरनेट सुविधाएं बनाना।	एक उप राष्ट्रीय सलाहकार समिति बनाई गई। सर्वेक्षण ने आईजीआरएमएस , भोपाल में 36वें फाउंडेशन दिवस समारोह में भाग लेने के लिए अपने अधिकारियों को नियुक्त किया।•			से 3 और एसआरसी, मैसूर से 2 विद्वानों सर्वेक्षण की सहयोगात्मक सेमिनार में भाग लिया। यह सेमिनार लखनउ और केरल में क्रमशः आयोजित किया गया।
(iv)	डीएनए प्रौद्योगिकी का उपयोग सिस्टम और साफ्टवेयरः हाई/अल्ट्रा हाई थ्रूपुट डीएनए/आरए नए विश्लेषण तंत्र। प्रोटीन और न्यूक्लिक अम्ल के लिए	कोलकाता, मैसूर, नागपुर, शिलांग और पोर्ट ब्लेयर में पहले से ही विकसित अवसरंचना का रख–रखाव। पीसीआर स्तर तक डीएनए प्रौद्योगिकी के साथ प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास और देहरादून उदयपुर में डीएनए बैंकिंग।			भौतिक मानवविज्ञान प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में सर्वेक्षण में डीएनए प्रौद्योगिकी का विकास एक सतत स्कीम है। सर्वेक्षण ने उन्नत अधुनातन सुविधाओं के सृजन के लिए कार्यक्रम शुरू किया है। सर्वेक्षण समुदायों की सांस्कृतिक प्रथाओं से जुड़े	डीएनए प्रयोगशालाओं के वार्षिक रख–रखाव का काम शुरू किया गया। एएनआरसी,शिलांग की डीएनए प्रयोगशाला में इंस्ट्रूमेंट कैपिलरी–2, आटोमेटेड सेल काउंटर,नया 5, अंग आटोमेंटेड सेल काउंटर संस्थापित किया गया।पश्चिम बंगाल के प्रभावित क्षेत्रों, सीआरसी, नागपुर में स्थानीय लोगों के			• देश के विभिन्न भागों से डीएनए के नमूनों के संग्रहण और भण्डारण का कार्य इस सर्वेक्षण के डीएनए प्रयोगशाला में विश्लेषण

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बीड आधारित सस्पेंशन ऐरे तंत्र तथा अन्य गतिविधियां सर्वेक्षण द्वारा शुरू की गई हैं।डीएनए बैंकिंग। समुदाय जेनेटिक्स और स्वास्थ्य।				आनुवंशिक और स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रम को कार्यान्वित करना शुरू किया है।	बीच थैलिसीमिया रोग पर रिपोर्ट अवधि के दौरान जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया गया है•।			का कार्य जारी रहा।
(v)	समकालीन भारतीय आबादी और प्राचीन कंकाल सामग्री डीएनए बहुरूपता।	समकालीन डीएनए नमूनों का अध्ययन तथा डीएनए विश्लेषण मानव जीनोम विविधता विश्लेषण,कार्यशाला, आउटसोर्सिंग।			मानव जीनोम विविधता के हिसाब से भारतीय आबादी पर सृजित की जा रही बेसलाईन सूचना, चिकित्सा अनुप्रयोग में उपयोगी होगी।	प्रयोगशाला अध्ययन विश्लेषण के लिए उपयोग में आनेवाली वस्तुओं की खरीद जारी रही। टाईप–II डायबिटीज में में 'माइटोकोंड्रियल जीनोम परिवर्तनः लैब काम पूरा हो गया है। लगाए गए शोधकर्ताओं द्वारा अंतिम रिपोर्ट लेखन का कार्य चल रहा है और आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक, केरल और तमिल नाडु की विभिन्न जनजातियों की चार आबादी से रक्त के नमूने लिए गए नमूनों पर			• और इसके बाद माइटोकोंड्रियल डीएनए विश्लेषण कार्य उन समुदायों के लिए शुरू किया जाएगा जिन्हें विश्लेषण के प्रथम बैच में शामिल नहीं किया गया

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						कार्य चल रहा है । तमिल नाडु की 3तरह से सुभद्य जनजाति समुदाय अर्थात् टोडा , कोटा,अलू और कुरुम्भ से रक्त के नमूने और डाटा संग्रहीत किए गए। इन नमूनों के साथ कुल 61 आबादी से नमूने , सर्वेक्षण के डीएनए रिपाजिटरी में हैं। केरल और तमिलनाडु से 5 और समुदायों को इस सूची में शामिल किया जाएगा। वाई गुणसूत्र एसएनपी और एसटीआर का विश्लेषण चल रहा है•।			था। कर्नाटक ,दक्षिण भारत में हांडीगोंडू सिंड्रोम का व्यापक लिंकेज विश्लेषण। कर्नाटक के चिकमंगलूर जिले में प्रभावित लोगों के पीसीआर और क्रमिक 310 रक्त नमूने और 100 एक्स रे का फील्ड कार्य के दौरान संग्रह किया गया।
(vi)	उत्तर–पूर्व भारत में बच्चों की वास्तविक वृद्धि और	विशेषकर उत्तर–पूर्व भारत के बच्चों के स्वास्थ्य स्थिति के बारे में सूचना का सृजन करना।			लोक स्वास्थ्य मुद्दे के रूप में बच्चों की वृद्धि उत्तर–पूर्व क्षेत्र में एक मिशन की तरह परियोजना है। शोध टीम को पूर्वोत्तर क्षेत्र के	फील्ड जांच से संग्रहित डाटा का कंप्यूटीकरण और विश्लेषण जारी रहा। शोध कार्य में लगे विद्वानों ने मेघालय के पश्चिमी खासी			ठस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम घटकों का

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास – लोक स्वास्थ्य मामले				जनजातीय समुदायों के बीच सघन फील्ड जांच शुरू करना है। कार्यशाला चलाई जाएगी । मानवशक्ति का आउटसोर्सिंग करना होगा।	हिल्स के गारो समुदाय के बीच नया फील्ड कार्य शुरू किया।''आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम शहर के चिनागादिली निवासियों में किसोरों के शारीरिक विकास पोषण स्थिति '' शीर्षक की पाण्डुलिपि को अंतिम रूप देने के लिए एसआरसी, मैसूर से एक विद्वान को आईएसआई , कोलकाता में नियुक्त किया गया ।			अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।
(vii)	नर्मदा घाटी उत्खनन	डूबने से पहले पुरा–मानवविज्ञानीय सामग्रियों की खोज में नर्मदा घाटी में सघन उत्खनन।			उत्तराखंड के शिवालिक क्षेत्र में फील्ड कार्य कैंप स्थापित करने का कार्य पूरा हो गया है। शिवालिक क्षेत्र में फील्ड अन्वेषण और खुदाई का काम जारी है। देश के अन्य स्थानों में इसी के तरह के स्थल का अन्वेषण किया जाएगा। यूरोपीय और अफ्रीकी समूहों के साथ सहयोग करने के लिए अतिरिक्त भित्ति चित्र किया जाएगा। संग्रहित नमूनों का विश्लेषण	कोलकाता में पुरा मानव विज्ञानी प्रयोगशाला में नर्मदा नदी तलहटी से एकत्रित जीवाश्मों का विश्लेषण संबंधी शोध जारी है। शिवालिक क्षेत्र में फील्ड अन्वेषण के लिए फील्ड कैंप स्थापित करने का कार्य पूरा किया गया है। शिवालिक के विभिन्न क्षेत्रों में दौरे पर भेजे गए अनुसंधान अधिकारियों के जरिए सर्वेक्षण। जीवाश्म प्राणिसमूह के कुछ अवशेषों की खोज की गई जिसमें अक्वाटेक मेघा			•ब्यास बेसिन गंगा नदी के टेरेस के साथ साथ फैक्टरी स्थल से दूर पुरापाषाणीय चोपर की खोज की गई जिसे पहले अनेक पुरापाषाणीय तत्व के रूप में जाना गया है।

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियॉं (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					जारी रहेगा।	टेरेस्टियल भी शामिल है जिसमें होमिनाइड पूर्वजों के पुरा र्प्यावरण का महत्व है।•			
(viii)	**नई स्कीमें 1. भारत के लोग सांस्कृतिक विविधता (पॉंच घटक)** क) अमूर्त एवं मूर्त सांस्कृतिक विरासत : मौखिक, पारंपरिक, लोक वर्गीकरण, सामाजिक ढॉंचा एवं लिंग परिदृश्य सहित जैव-सांस्कृति का अनुकूलन। ख) उदयपुर	क)अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजनजाति के समुदायों के बीच कार्य पर लगाए गए विद्वानों द्वारा कार्यक्रम/अनुसूची/गाइडलाइन,अध्ययन के क्षेत्र की योजना बनाना और फील्ड कार्य का प्रथम चरण जारी रखना साथ ही साथ नए स्थानों में प्रायोगिक अध्ययन की पहल करना जारी रहेगा। पश्चिमी भारत की अमूर्त			खोजी दौरे, फील्ड अन्वेषण, डाटा संग्रहण, रिपोर्ट लेखन, प्रकाश्य रूप में संपादन, अभिपत्र का प्रकाशन और विचारों के आदान-प्रदान के लिए अकादमिक सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुति। समुदाय ज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना के जरिए पश्चिमी भारत की अमूर्त विरासत का प्रसार करना। दृश्य मानवविज्ञानीय प्रलेखन और फिल्म बनाने के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना करना।	समुद्रतटीय क्षेत्र जिसमें महाराष्ट्र, हिमाचल,एपी,अण्डमान निकोबार क्षेत्र और भारत के विभिन्न राज्यों के अन्य भागों -मुख्यतः उत्तर प्रदेश, हरियाणा, असम, पश्चिम बंगाल और झारखंड के जनजातीय क्षेत्र शामिल हैं,जैसे विभिन्न अनुसूचित स्थानों/समुदायों में नियुक्त किए गए विद्वानों द्वारा किए गए फील्ड अन्वेषण पर रिपोर्ट लेखन और डाटा विश्लेषण का कार्य जारी रहा। कामाख्या पर अंतिम रिपोर्ट पहले ही प्रकाशित हो गई है। अरुणाचल प्रदेश की अपाटनी जनजाति के फील्ड कार्य का प्रथम चरण सर्वेक्षण के विजिटिंग अध्येता डा0 साइमन जान रा(लोककथा अल्ट्रा पर फिल्म बनाने के			पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र के अनुसंधान विद्वानों ने सधन फील्ड जांच से पहले प्रायोगिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया है। जोरिथांग सर्कल, लुंपो गांव, मोना , त्वांग जिला, अरुणाचल प्रदेश,रामरैकुंती गांव, धुबरी जिला-असम जिसमें असम-बांग्ला

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्थित नए भवन में राष्ट्रीय समुदाय ज्ञान केंद्र स्थापित करना। ग) राष्ट्रीय दृश्य मानव-विज्ञान केन्द्र, कोलकाता, घ) मानव एवं	सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने करने के लिए केंद्र स्थापित करने तथा डिजिटाइजेशन कार्य के लिए उपस्कर की खरीद करने की पहल। कोलकाता में सवेक्षण के मुख्यालय के नए भवन में दृश्य मानव विज्ञान के लिए केन्द्र स्थापित करने का कार्य जारी रहा । उपस्करों का प्रापण - क) पारंपरिक ज्ञान स्थिति का 10 उत्पादन (फील्ड वीडिया रिकार्डिंग) ख) अन्य स्थितियों के लिए 4 वीडियो रिकार्डिंग का प्रस्तुतिकरण सर्वेक्षण के मुख्यालय के केन्द्रीय यूनिट द्वारा एक वृत्त चित्र सिनेमा बनाना । स्र्वेक्षण द्वारा प्रस्तुत मूक फिल्मों में साउंड ट्रैक जोड़ने का कार्य । घ) यह परियोजना			ग) दृश्य मानव वैज्ञानिक प्रलेखन और फिल्म बनाने के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना करना ।	लिए सर्वेक्षण की व्यक्तिगत टीम ने हेरीपुर पूर्व मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल का दौरा किया जिसके लिए अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है । उड़ीसा के पुरी में और गंजम जिले में कंसेप्ट नोट तैयार करने के लिए जांच-दौरा शुरू किया गया है । शांतिपुर, पश्चिम बंगाल के बुनकर परंपरा का दृश्य प्रलेखन नियुक्त विद्वानों की एक टीम ने किया, ई आर सी के 1 विद्वान ने उड़ीसा के पटचित्र पर प्रलेखन का प्रथम चरण पूरा किया । बोनोविविर पाला का अध्ययन के दृश्य प्रलेखन के लिए सुंदरबन, पश्चिम बंगाल में फील्ड कार्य शुरू किया गया । फील्छ करर्स से संगृहीत प्रिमिटिव जनजाति पर कल प्रलेखन कार्य सीआरसी नागपुर में किया गया ।),एसआरएससी, मैसूर द्वारा पूरा हो गया है जो आईजीएनसीए			देश सीमा को लिया गया है,पर फील्ड कार्य हो गया है। एनईआरसी, शिलांग से नियुक्त विद्वानों की टीम ने मिजोरम में इंडो-म्यामांर सीमा में फील्ड कार्य शुरू कर दिया है।एनईआरसी ने इन परियोजनाओं पर कार्यशाला की मेजवानी की। डाटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन का

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पर्यावरण	अजा/अजजा के लिए चिह्नित की गई है, जिसके लिए अपेक्षित फील्ड कार्य के विस्तार के लिए अखिल भारत अनुसूची तैयार करने के लिए अगली वार्षिक योजना अवधि में अधिक निधियन की आवश्यकता है।			घ) अनुसूचित जैव रिजर्व में सघन अनुसंधान के जरिए खोजी दौरे, फील्ड अन्वेषण, डाटा संग्रहण रिपोर्ट लेखन, प्रकाश्य रूप में संपादन, पत्र का प्रकाशन और विचारों के आदान–प्रदान के लिए अकादमिक सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुति। (क) केरल में अगस्त मलै बायोस्फेयर रिजर्व (ख)मेघालय में निकरेक बायोस्फेयर रिजर्व (ग) अरुणाचल प्रदेश में मन्नास बायोस्फेयर रिजर्व (घ)असम में मन्नसस बायोस्फेयर रिजर्व जारी। (ड) खोजी दौरे, फील्ड अन्वेषण, डाटा संग्रहण, रिपोर्ट लेखन, प्रकाश्य रूप में	में प्रतिनियुक्ति पर थे। उन्हें तमिल लोक कथा अध्ययन के प्रति उनके अंशदान के लिए युवा विद्वान आवासीय पुरस्कार प्रदान किया गया। केरल के क्नी पर रिपोर्ट लेखन का कार्य अंतिम चरण में है। कोलम, आंध्र प्रदेश पर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। तमिल नाडु के क्नी पर फील्ड कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाना है और केरल के कन्नी कार का फील्ड कार्य पूरा हो गया है और रिपोर्ट अंतिम चरण में हे। उदयपुर स्थित नए भवन में समुदाय ज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र स्थापित करने हेतु डिजाइन विकसित करने के लिए ले आउट प्लान और संकल्पना प्रलेख का कार्य चल रहा है। घ. कोर क्षेत्र के 24 गांवों से संग्रहित डाटा का विश्लेषण ' अचानकमार अमरकंटक बायोस्फेयर रिजर्व स्टडी' के			कार्य चल रहा है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					संपादन, अभिपत्र का प्रकाशन और विचारों के आदान–प्रदान के लिए अकादमिक सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुति।	अंतर्गत चल रहा है। नियुक्त शोध विद्वानों के बीच ईआरसी कोलकाता में सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के परियोजना अध्ययन परएक अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।इस सर्वेक्षण की अंग बनी 3 टीमों ने फील्ड कार्य शुरू किया और निम्नलिखित पर एसआईए माड्यूल परीक्षण किया–जगदीशपुर जिला और क्योझर में उसके आस पास के खनन क्षेत्रों में तथा उडीसा के सुंदरगझ में पास्को स्टील परियोजना और उडीसा जिले के कालाहांडी के वेदांता बाक्साइट माइनिंग एवं नयामगिरि हिल क्षेत्र में संसाधन यूनिट तथा फील्ड कार्य के लिए उ प्र के इलाहाबाद जिले के करछना और बारा तहसील में थर्मल पावर परियोजना। मन्नार की खाडी बायोस्फेयर रिजर्व के अंतर्गत तमिल नाडु			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ङ) सीमावर्ती	परियोजना के निष्पादन के				के तूतीकोरिन जिले में किए गए फील्ड कार्य के दूसरे चरण की अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। ईआरसी, कोलकाता की नियुक्त विद्वानों की एक टीम ने '' न्यूटाउन राजरहाट की मानवविज्ञान अध्ययन '' परियोजना के तहत पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगनाा जिले के राजरहाट क्षेत्र में फील्ड कार्य शुरू किया। इस सर्वेक्षण के अनुसंधान विद्वानों की एक टीम ने भूमि अधिग्रहण और उभरते बिंदुओं पर पश्चिम बंगाल के सिंगूर में फील्ड कार्य शुरू किया। सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के तहत मानव विज्ञाानी अध्ययन। केंद्रीय आर सेंटर, नागपुर ने ''अगस्तमलै बायोस्फेयर रिजर्व अध्ययन'' पर एक कार्यशाला आयोजित की। पूर्वोत्तर के क्षेत्रीय केंद्र से			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	देशों के साथ जैव-सांस्कृतिक संबंध।	लिए प्राथमिक सूचना एकत्र करने के लिए खोजी दौरा आयोजित किया जाएगा।				शोध विद्वानों ने सघन फील्ड जांच के पहले पायलट सर्वेक्षण आयोजित किया। जोरिथांग सर्कल, लुंपो गांव, मोनपा, त्वांग जिला, अरुणाचल प्रदेश,असम बांग्लादेश सीमा को कवर करते हुए असम के धुबरी जिले के रामरेकुती गांव में फील्ड कार्य पूरा किया गया। सीमा क्षेत्र अध्ययन पर रिपोर्टः- जोरिथांग सर्कल अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में चीन भारत सीमा पर एक अध्ययन नियुक्त विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत सिक्किम में फील्ड कार्य शुरू किया गया है। डाटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन चल रहा है।			
ix.	**भारत के लोग जैव सांस्कृतिक**								2007-08

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अनुकूलन (दो घटक) क. पूर्वोत्तर भारत में समुदाय जेनेटिक एवं स्वास्थ्य	क. यह कार्यक्रम वैज्ञानिक संगठनों और चिकित्सा व्यवसायियों के साथ अत्यधिक सहयोग से होगा जिसके लिए वैज्ञानिक विशेषज्ञता और इसी प्रकार के अन्य संगठनों के साथ विचार–विमर्श करके फील्ड कार्य अपेक्षित होता है। इस कार्य के लिए एक सम्यक और निदर्शनात्मक निर्धारित कार्य करना होगा जिसके लिए मेडिकल क्लीनिक और सर्वेक्षण के प्रतिनिधियों दोनों से बाहर विशेषज्ञ वैज्ञानिकों को एक साथ लगना होगा जिससे वार्षिक कार्य योजना अवधि के प्रथम वर्ष के दौरान विभिन्न जनजाति, समुदायों और अन्य गांव तथा शहरी निवासियों में कार्यक्रम लागू करने के लिए बुनियादी तैयारी हो			क) इस कार्यक्रम में हम पूर्वोत्तर में जी6पीडी न्यूवता और हीमोग्लोबीन–पैथी के मामले में एक सहयोगी कार्यक्रम शुरू करेंगे। हीमोग्लोबिन व्यतिक्रम के विभिन्न रूपों के लिए कार्यरत अनुसंधान विद्वानों द्वारा संगृहीत नमूनों की जांच। **ख)** 'जीन चिप' प्रौद्योगिकी को शामिल करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अध्ययन के आयोजन के लिए परिसंघ बनाया गया है।	इस परियोजना के तहत राभा समुदायों में ^जेनेटिक कार्ड* वितरित करने के लिए सर्वेक्षण के एक अनुसंधान विद्वान और एक आउटसोर्स परियोजना वैज्ञानिक ने असम के बोको क्षेत्र का दौरा किया। पूर्वोत्तर में 227 संगृहीत रक्त नमूनों से डीएनए निकालना और डायलूट करना यशपूरा किया और उसे एनईआरसी, शिलांग की डीएनए लैब में रखा गया। असम की राभा समुदाय से संगृहीत डीएनए एक्सटेंशन का कार्य कल रहा है। MYFADS के तहत नमूनों का संग्रहण शुरू किया गया है। 800 रक्त और पेशाब नमूने तथा अन्य डाटा गंगादिकार वोक्कालिग आबादी पर संगृहीत किया गया है जिसका विश्लेषक अनुसंधान अध्ययन चल रहा है।			इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम घटकों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। मानवशक्ति में कमी के कारण परियोजना अनुसंधान कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ख. जेनेटिक एवं स्वास्थ्य : परिवार अध्ययन।	सकेगी। कार्यशाला आयोजित की जाएगी। ख. मानव जीनोम विविधता और संस्कृति तथा पर्यावरण के साथ उसकी पारस्परिकता से लोक स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव हो रहा है। वर्ष के दौरान वह साझेदारी (कंसोर्टियम) शुरू की जाएगी जिसे ^जीन चिप* प्रौद्योगिकी में शामिल करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अध्ययन करने के लिए बनाया गया था। यह अध्ययन इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि कंसोर्टियम के सदस्य देश में विभिन्न सांस्कृतिक/ पर्यावरण स्थितियों पर उसी अध्ययन की प्रतिकृति प्रस्तुत करेंगे।			ख. जीवन शैली से उत्पन्न रोगों के लिए जैव–सांस्कृतिक जोखिम घटकों का मूल्यांकन/ खोज, परिवार में अनेक मात्रापरक घटकों (जीनोम/ सांस्कृतिक/पर्यावरणीय) के लिए विश्लेषकों द्वारा आवश्यक होगा। मैसूर और वाल्टेयर में फील्ड अध्ययन शुरू करना, जो विशेषज्ञों की साझेदारी से कार्यान्वित किया जाएगा और उसे ^मैसूर परिवार अध्ययन* के नाम से जाना जाएगा। कार्यशाला और प्रशिक्षण के जरिए प्रोटोकॉल का मानकीकरण। मानवशक्ति का आउटसोर्सिंग करना।	– गंगादिकारा वोक्कालिगा से संगृहीत रक्त नमूनों पर डीएनए एक्सट्रैक्शन, मात्रा, जैव रासायनिक विश्लेषण किया गया है। – 114 रक्त नमूनों का जैव रासायनिक विश्लेषण और 75 रक्त नमूनों से डीएनए एक्सट्रैक्शन लिया गया है। – 75 रक्त नमूनों का डीएनए विश्लेषण, 7 प्लेक्स (114) और 2 प्लेक्स (76)के लिए लूमिनेक्स विश्लेषण और 40 नमूनों के लिए जैव–रासायनिक विश्लेषण तथा 30 नमूनों के लिए डीएनए मात्राकरण का कार्य नियोजित शोध विद्वानों द्वारा कर लिया गया है। एसआरसी मैसूर के एक शोध विद्वान द्वारा भौतिक मानव विज्ञानी अध्ययन पर शोध अभिपत्र लिखा गया है। 200 नमूनों			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						का मात्राकरण किया गया है। भारतीय आबादी में टाइप 2 मधुमेह के जैव–सांस्कृतिक जोखिम घटक मूल्यांकन पर एसआरसी, मैसूर के एक नियोजित विद्वान ने शोध अध्ययन शुरू किया है। इस सर्वेक्षण के नियोजित शोध विद्वानों द्वारा संगृहीत डाटा का जैव रासायनिक विश्लेषण अन्य संबद्ध शोध कार्य के साथ किया जा रहा है। एसआरसी, मैसूर से विद्वानों ने परिवार अध्ययन पर फील्ड कार्य का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। रक्त के नमूने और पेशाब के नमूने एकत्र किए गए। – मनोवैज्ञानिक सूचना, डाइट और खान–पान की आदतें तथा इनसे जुड़ी अन्य सूचना भी विश्लेषण और अध्ययन के लिए एक की गई।			
23	**नेहरू स्मारक**	पुस्तकों, समाचार–पत्रों,	**9.90**	**5.50**	सामान्यताया योजनेतर अनुदान		**9.67**	**3.98**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संग्रहालय एवं पुस्तकालय	अप्रकाशित संदर्भग्रंथों, निजी कागज़ात/ ली गई फोटो फिल्म के संग्रह के लिए यह जिम्मेदार है, तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित महत्वपूर्ण कागजात के अनुवाद के लिए भी जिम्मेदार है।			का उपयोग, प्रशासनिक और स्थापना खर्च, जिसमें पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ शामिल है, के लिए किया जाता है।				
(i)	शोध एवं प्रकाशन i)अध्येतावृत्ति देना। ii) सी आर परियोजना iii)प्रकाशन कार्यक्रम iv)सेमिनार और व्याख्यान v)मौखिक इतिहार प्रभाग का सुदृढ़ीकरण	तीन स्तरीय अध्येतावृत्ति का प्रस्ताव करना, अर्थात् वरिष्ठ अध्येतावृत्ति, कनिष्ठ अध्येतावृत्ति और संस्थानों के लिए छात्रवृत्ति तथा अल्पसंख्यक सहायता प्रदान करना। पुस्तकों, मोनोग्राफ आदि का प्रकाशन करना। आधुनिक भारतीय इतिहास के अध्ययन को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए व्याख्यान, सेमिनार, विचारगोष्ठी तथा सम्मेलन आयोजित करना।			32 स्वीकृत अध्येतावृत्तियों पर 20 अध्येता हैं। 2011–12 में रिक्तियों को भरने का प्रस्ताव है। इन अर्हक व्यायायियों को शोध कार्यों में सहायता प्रदान करना है। अध्येताओं के निष्कर्षों और उनक द्वारा तैयार किए गए शोध पत्रों को प्रकाशित किया जाता है। विद्वत समुदाय के लाभ के लिए शोध दस्तावेज का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है। स्व0 श्री राजगोपालाचारी की चुनिंदा कृतियों के प्रकाशन के लिए परियोजना शुरू की जानी है।*	अध्येता विभिन्न शोध–परियोजनाओं पर कार्य कर रहे थे और अध्येताओं के निष्कर्षों एवं उनके द्वारा तैयार शोध पत्रों को मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। –इसने अभिपत्र श्रृंखला को पुनरजीवित किया है और भारतीय विकास तथा इतिहास एवं समाज में परस्पेक्टिव पर नई श्रृंखला शुरू की है। सी राजगोपालाचारी की चुनिंदा कृतियों का प्रथम खण्ड, जिसमें 1905–1921 की अवधि को लिया गया है, प्रेस में भेज दिया गया है और			* आधुनिक भारत का अध्ययन को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने क लिए राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्याख्यान, सेमिनार, विचारगोष्ठियां और सम्मेलन

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						दूसरा खण्ड प्रकाशन के लिए तैयार है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनारों का आयोजन किया। मंगलवार सेमिनार और अन्य व्याख्यान पहले की तरह ही आयोजित किए गए। – उन विशिष्ट व्यक्तियों के संस्मरणों को रिकार्ड किया गया जिनका विभिन्न क्षेत्रों में एक नाम रहा है।			आयोजित किए गए। विशिष्ट व्यक्तियों के संस्मरणों की रिकार्डिंग का कार्य किया जाता है और रिकार्डिंग तथा पांडुलिपियों का परिरक्षण किया जाता है।
(ii)	पुस्तकालय का विकास पुस्तकों, पत्रिकाओं/ स्रोत सामग्री का अधिग्रहण मल्टी मीडिया	पुस्तकों/पेम्फ्लेटों,समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्मों, स्टिल फोटो, मोशन पिक्चर, साउंड रिकॉर्डिंग और अन्य सामग्री जो स्वतंत्रता आंदोलन के विशेष संदर्भ में आधुनिक भारती का इतिहास पर महत्व रखती हो, का रख–रखाव।			पुस्तकालय में नई पुस्तकों, पेम्फ्लेटों,समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्मों, स्टिल फोटो आदि का अधिग्रहण जारी रहेगा।	पुस्तकालय ने माइक्रोफिल्म और फोटो से संबंधित सामग्री के अलावा आधुनिक भारतीय इतिहास और संबद्ध सामाजिक विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुस्तकों का अधिग्रहण जारी रखा। पुस्तकालय में डिजिटल सदस्यता वायरलेस लैन, उच्च इन्ड कंप्यूटर जैसी अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।*			*डिजिटल सामग्री के लिए भंडारता सुविधा और सेमिनार कक्ष में आधुनिक प्रक्षेपण तंत्र लगाया जाएगा।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	संग्रहालय का विकास	जवाहर लाल नेहरू के व्यक्तित्व, स्मरणीय तथ्यों, स्मृतियों एवं उनके जीवन तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित अन्य वस्तुओं का संग्रहालय में रख–रखाव तथा उसे व्यवस्थित रखना ।			संग्रहालय का सामान्य रख–रखाव तथा व्यवस्थापना। नई प्रदर्शनियां लगाना, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना आदि, नए प्रदर्शों को तैयार करने के लिए ज्योति प्लेटफार्म का नवीकरण जैसी नियमित गतिविधियां।	संग्रहालय का सामान्य रखरखाव और व्यवस्थापन कार्य इसकी नई गतिविधियों के शुरू होने के साथ ही संभाल लिया गया था। आधुनिक भारत की गौरवमयी विरासत, उसके निर्मला और नियामक*			इसके विभिन्न चरणों का आयोजन प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और व्याख्यानों के जरिए किया गया था ।
(v)	नेहरू ताराघर का रखरखाव पांडुलिपि प्रभग, रेप्रोग्राफी सेवाएं, बाल संसाधन केन्द्रों का सुदृढीकरण	एनएमएमएल का नेहरू तारामंडल राजधानी में एकमात्र तारामंडल है तथा इसके कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक अभिरूची पैदा करते हैं।			यह शैक्षिक उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में नेहरू तारामंडल की ख्याति को बनाये रखने तथा उसे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। विज्ञान के लोकप्रियकरण की अनेक प्रतियोगिता आयोजित करना। यह आधुनिक भारत के राष्ट्रीय नेताओं तथा अन्य प्रमुख भारतीयों के दस्तावेज का अधिग्रहण करना, अनुरक्षण करना तथा परिरक्षण करना जारी रखेगा। आधुनिकीकरण परियोजनाओं के अंतर्गत पुराने अभिलेखीय रिकॉर्डों/दस्तावेजों	नियमित अनुरक्षण कार्यों के अतिरिक्त इसने छोटी मोटी मरम्मत का कार्य प्रारंभ किया। इन प्रदर्शनियों का नवीकरण किया गया है। – इसने प्रमुख लोगों के निजी कागजात का अधिग्रहण जारी रखा क्योंकि वे ऐतिहासिक अनुसंधान के लिए सूचना के प्राथमिक स्रोत थे। – समाचार पत्रों और नये चित्रों के नये माइक्रोरोल तैयार किये गये। – इसने माइक्रोफिल्म की कच्ची सामग्री का भी			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					का अंकीकरण किया जाना है।	अधिग्रहण किया।			
24	**भारतीय संग्रहालय, कोलकाता**	दीर्घाओं के पुनर्गठन और नवीकरण, शताब्दियों से सांस्कृतिक गाथा और परंपरा प्रस्तुत करने वाली और विदेशी अद्वितीय भारतीय कला निधि के संग्रहण में कार्यरत ।	6.75	12.00	संविदा आधार पर नियुक्त किए गए अधिकारियों के पारिश्रमिक का भुगतान ।		6.19	4.77	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।
(i)	वेतन	परियोजना प्रयोजन के लिए संविदा पर नियुक्त अधिकारियों को पारिश्रमिक			संविदा पर नियुक्त अधिकारियों को पारिश्रमिक का भुगतान	संविदा आधार पर नियुक्त अधिकारियों को भुगतान करना आवश्यक था ।			कार्यक्रमों का कार्यकरण उपलब्ध निधियों के आबंटन पर निर्भर करता है।
(ii)	अन्य व्यय	योजना शीर्ष के अंतर्गत परियोजना के कार्यान्वयन और प्रस्तावों के संबंध में व्यय ।			दीर्घाओं, पुस्तकालय, संरक्षण यूनिट, कलाकृतियों का परिरक्षण, मॉडलिंग यूनिट, सुरक्षा प्रबंध, प्रकाशन यूनिट आदि का आधुनिकीकरण और विकास ।	एसएफसी/ईएफसी की अस्वीकृति के कारण आधुनिकीकरण शुरू न किया जा सका। तथापि, वर्ष के दौरान वार्षिक कार्य योजना के अनुसार अन्य कार्य शुरू किए गए ।			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	यात्रा व्यय	परियोजना कार्यों के लिए यात्रा व्यय			परियोजना कार्यों के लिए यात्रा खर्च, यदि कोई हों, पूरा करना ।	परियोजना कार्यों के लिए यात्रा संबंधी व्यय संबंधित व्यक्तियों/टीमों को अदा किया गया।			
(iv)	टैगोर अध्येतावृत्ति स्कीम	टैगोर अध्येतावृत्ति स्कीम संबंधी सांस्कृतिक शोध कार्य			राष्ट्रीय टैगोर अध्येतावृत्ति स्कीम से संबंधित शोध कार्य	राष्ट्रीय टैगोर अध्येतावृत्ति स्कीम से संबंधित शोध कार्य चल रहा है।			
(v)	पूर्वोत्तर राज्यों का विकास	पूर्वोत्तर राज्यों में विकास कार्य			पूर्वोत्तर राज्यों के संग्रहालयों में विकास कार्य	यदि पूर्वोत्तर राज्यों संग्रहालयों के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए कुछ प्रस्ताव प्राप्त होते हैं, तो ऐसी परियोजनाओं पर समुचित निधियां खर्च की जाएंगी।			
25	**सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद**	यह एक राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय है जो सालारजंग I, II और III द्वारा अधिप्राप्त दुनियाभर से दुर्लभ और विविध संग्रह को इकट्ठा करता है।	**9.12**	**8.00**	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चे के लिए किया जाता है।		**9.12**	**8.00**	
(i)	परियोजना निर्माण	संग्रहालय के लिए अतिरिक्त स्थान विशेषकर			दीर्घाओं के विस्तार के लिए पश्चिमी और पूर्वी खंड के	कार्य चल रहा है।			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		दीर्घाओं के विस्तार के लिए प्रदान करने का लक्ष्य			ऊपर अतिरिक्त फ्लोर का निर्माण।				
(ii)	विकासपरक कार्य (विद्यमान भवन)	मौजूदा भवन का विभिन्न विकासपरक कार्य शुरू करना जिसमें दीर्घाओं का पुनर्गठन, भंडार का आधुनिकीकरण पांडुलिपि, पुस्तकालय आदि का संरक्षण कार्य भी शामिल है।			मौजूदा भवन के विभिन्न विकासपरक कार्य करना जिसमें दीर्घाओं का पुनर्गठन भी शामिल है।	वेंद्रीय भवन के भंडार कक्ष का निर्माण, दीर्घाओं के पहले से बचे कार्य, वाकिंग स्टिक दीर्घा, क्वाइन दीर्घा और बरामदा फ्लोरिंग तथा मुख्य भवन की फाल्स सीलिंग का निर्माण ।			
(iii)	सुरक्षा का उन्नयन	संग्रहालय की सुरक्षा सी सी टीवी कैमरा, फायर अलार्म तंत्र और अग्नि शामक तंत्र लगाकर बढ़ाई जा रही है।			सी सी टी वी कैमरा, फायर अलार्म तंत्र और अग्नि शामक तंत्र लगाकर संग्रहालय में सुरक्षा बढ़ाई गई है।	12 महीने के लिए सी आई एस एफ सुरक्षा की प्रतिपूर्ति और विभिन्न उपस्कर उपलब्ध कराकर संग्रहालय सुरक्षा का उन्नयन।			
(iv)	पुस्तकालय की पुस्तकों, कलाकृतियों, एम एस एस आदि का संरक्षण और शैक्षिक गतिविधियां फोटोग्राफी	संग्रहालय के पुस्तकालय में उपलब्ध कलाकृतियां/ पाडुलिपियों का संरक्षण			प्रदर्शित की जा रही तथा भंडार में भी रखी गई कलाकृतियों के संरक्षण और परिरक्षण के लिए सामान्य कार्रवाई की जाती है। ग्रीष्मकालीन कला कैंप, संग्रहालय सप्ताह, विशेष प्रदर्शनी, सेमिनार, कार्यशाला आदि जैसी शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।	कलाकृतियों का संरक्षण किया गया है। ग्रीष्मकालीन कैंप, चिल्ड्रन वीक, संग्रहालय सप्ताह जैसी शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की गई हैं। 28 विशेष प्रदर्शनी, 2 सेमिनार, 3 कार्यशाला, विशेष 11 व्याख्यान, मोबाइल फोटो प्रदर्शनी आदि आयोजित की			सभी वस्तुओं का डिजिटीकरण और आरक्षित संग्रह की नेटवर्किंग

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	भूमि अधिग्रहण				संग्रहालय के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधित पक्ष के साथ उठाया जाएगा।	गई। फोटोग्राफी उपस्कर का उन्नयन।			
26	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल**	एक ऐसा संग्रहालय जो मानव की जैव और सांस्कृतिक विकास की समय और स्थान के अनुसार मानव की कहानी बताते हुए एक वर्धमान अभिशाप की संकल्पना पर आधारित है।	**3.10**	**9.00** (टीएसपी) के लिए प्रावधान सहित	योजनेतर निधि से इंडोर प्रदर्शनी का रख–रखाव और व्यवस्थापन, 7 आउटडोर प्रदर्शनी कांप्लेक्स, भवन और, रोड नेटवर्क, भवन और अभिलेखीय यूनिट जैसे पुस्तकालय, फोटोग्राफी*	*संरक्षण आदि प्रतिवर्ष किए जाते हैं।	**3.10**	**10.00**	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(i)	अवसंरचना	शैक्षिक और आउटरीच गतिविधियों और आपरेशन साल्वेज के जरिए भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक परंपराओं के प्रलेखन, प्रदर्शन और प्रसार का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अवसंरचना सुविधा विकासित करना।			**क. अवसरंचना विकास :** प्रलेखन केंद्र भवन का निर्माण, इंडोर संग्रहालय भवन का निर्माण, बिलों का निपटान, बाउंड्री वाल का निर्माण, दर्शक अनुकूल सुविधा का विकास, प्रस्तुतिकरण स्थल/प्रेक्षागृह का निर्माण/उन्नयन, स्थल निर्माण **.2 ओपन एयर प्रदर्शनी का विकासः** इस वर्ष संग्रहालय नए हाउस टाइप प्रदर्शों को	प्रस्ताव पर ई सी का अभी अनुमोदन होना है। बाउड्रर वाल का तीसरा चरण चल रहा है। कैंपस में आंतरिक सड़क का पैच कार्य चल रहा है। म्युजिकल फाउंटेन का निर्माण और 16 मीटर ऊँचाई के दो हाई मास्ट लाइट की संस्थापना। – भोपाल और भारत के अन्य स्थलों पर संस्कृति से संबंधित विभिन्न टापिक पर			इंडोर प्रदर्शनी का अनुरक्षण एवं रखरखाव, रोड नेटवर्क भवन अथीलेखीय यूनीट जैसे पुस्तकालय फोटोग्राफी संरक्षण चित्रकला

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					शामिल करेगा, महानदी रिवर घाटी से प्रदर्श विकसित करेगा, विभिन्न संस्कृतियों में भले चंगे जीवन की पारंपरिक संकल्पना से संबंधित प्रस्तुतिकरण के लिए ओपन एयर स्पेस बनाना, इंडोर प्रस्तुतिकरण/उत्पादन स्पेस का निर्माण/प्रेक्षागृह का उन्नयन और सभी मौजूदा ओपर एयर	16 विशेष आवधिक प्रदर्शनियां लगाई गई। –वर्ष के दौरान मेघालय की गारो और उत्तराखंड की भोटिया जनजाति से संबंधित दो पारंपरिक लाइफ साइज हाउसों को ओपन एयर प्रदर्शनी में प्रदर्श के तौर पर शामिल किया गया।			अदि गैर योजनागत बजट से शुरू किए गए ।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					प्रदर्शों में दर्शक सुविधाओं का उन्नयन, श्रव्य टूर और श्रव्य पोस्ट की सुविधा विकसित करना, ब्रेल में पाठ और लेबल उपलब्ध कराना, ओपन एयर प्रदर्शनियों में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी स्थानों में एसकेलेटर सुविधा, सूचना कियोस्य (पीसी आधारित) उपलब्ध कराना और दर्शकों के लिए संचार सुविधा उपलब्ध कराना। आई जी आर एम एस लाइट और साउंड शो विकसित करेगा । **.3 इंडोर संग्रहालय में प्रदर्शनी दीर्घा का विकासः** इस वर्ष यह प्रस्ताव किया जाता है कि मौजूदा प्रदर्शनी दीर्घाओं का अतिरिक्त इलेक्ट्रानिक गेजेट उपलब्ध कराकर उन्नत किया जाए, और दर्शक सुविधा, डिस्प्ले सामग्री की सुरक्षा और संरक्षा को सीसीटीवी और चोरी अलार्म तंत्र तथा अग्नि शामक तंत्र लगाकर बढ़ाया जाए। शारीरिक रूप से विकलांग				

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					व्यक्तिओं का दीर्घा तक सुगमतापूर्वक जाने का प्रावधान होगा और वातानुकूलन तंत्र को दो दीर्घाओं में उन्नत किया जाएगा। यह प्रस्ताव है कि 'भारत और विश्व' थीम पर नई दिल्ली विकसित की जाए और विभिन्न थीमों पर नए प्रदर्श बनाने के लिए उपग्रह डिस्प्ले स्पेस निर्मित किया जाए। **ख संग्रहालय शिक्षा और आउटरीच गतिविधियां** **1. क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में विकास सुविधाएं :** भारतीय समुदाओं की जीवन शैली पर ओपन एयर प्रदर्शनी का विकास। यह मैसूर में सेमिनार/विचार गोष्ठी, शैक्षिक कार्यक्रम और फील्ड कार्य भी आयोजित करेगा। इसका नया क्षेत्रीय केंद्र भी स्थापित करने का प्रस्ताव है। *2 संस्कृति क्षेत्र विशिष्ट और थीमपरक सांस्कृतिक निर्वचन	1)इस अवधि के दौरान लगभग 16 पत्रिकाओं/यात्रा प्रदर्शनियों का आयोजन हुआ। प्रदर्शन कला प्रस्तुतिकरण के 13 कार्यक्रम, 10 करो और सीखो संग्रहालय शिक्षा कार्यक्रम, 7 सेमिनार, जिसमें मानव विज्ञान और संग्रहालय पर 2 राष्ट्रीय कार्यशालाएं शामिल हैं, लगभग 8 संग्रहालय लोकप्रिय व्याख्यान और लगभग 8 कलाकार कार्यशाला और इसी तरह			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					केंद्र का सृजन और प्रबंध। यह निर्वचन केंद्र, क्षेत्र के समुदाओं और उनकी ज्ञान पद्धति के लिए स्रोत केंद्र का काम करेगा। **3. अस्थायी और यात्रा प्रदर्शनी :** विभिन्न थीमों पर कुछ और प्रदर्शनियां, जिसमें लोक और जनजातीय संस्कृतियां शामिल हैं, लगाने का प्रस्ताव है। **4.** संग्रहालय और विरासत प्रबंधन पर अंतर्शाखा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम : **5.** समुदाय ज्ञान प्रणाली का प्रदर्शन : (कलाकार कैंप, जनजातीय डीलर्स कैंप, प्रदर्शन कला, मंच प्रस्तुतिकरण, पूनम बालरंग राष्ट्रीय स्कूल चिल्ड्रन महोत्सव, करो और सीखो आदि) लाइट और साउंड कार्यक्रम 6. **शैक्षिक और आउटरीच कार्यक्रम/वीडियो वृत्तचित्र :** संग्रहालय के लक्ष्य और	भोपाल और भारत में अन्य स्थानों पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों से भिन्न अन्य कार्यक्रम भी यथा अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस आयोजित किए गए। 2) अंतर्राष्ट्रीय विश्व देशीय लोग दिवस आयोजित किया गया जिसमें 10 दिवसीय कला और शिल्प कार्यशाला, सांस्कृतिक कार्यक्रम और एक प्रदर्शनी और इस अवधि के दौरान एस आर सी मैसूर में एक 7 दिवसीय टेराकोटा कार्यशाला का आयोजन शामिल है।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					उद्देश्यों से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर नियमित प्रकाशन निकाला जाएगा। श्रव्य आधारित सामग्री के प्रलेखन के लिए एक अलग आडियो यूनिट बनाने का प्रस्ताव है।				

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	आपरेशन सैलवेज	परंपरिक सामग्री संस्कृति के साल्वेज और वैनिशिंग के लिए प्रणालीयुक्त कार्य एक आवश्यकता है क्योंकि तेजी से हो रहे परिवर्तन और शहरीकरण के परिणामस्वरूप पारंपरिक सामग्री, संस्कृति, लोक जनजातीय कला वस्तुओं तथा भारत के अनेक भागों में प्राचीन रीति–रिवाज तेजी से विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसी सामग्री के साल्वेज का प्रणालीगत कार्यक्रम संग्रहण और प्रलेखन द्वारा किया जा रहा है।			1) भीमबेटका विश्व विरासत स्थल के आस–पास के गांव में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का प्रलेखन। 2) मानव विज्ञान संग्रहालय शास्य और प्रदर्शन कला में मौखिक परंपराओं के विभिन्न पहलुओं का प्रलेखन। 3) दुर्लभ वस्तुओं की पहचान और साल्वेज। 4) सामग्री संस्कृति वस्तुओं का संग्रहण। 5) नमूनों का संरक्षण। 6) रॉक कला अनुसंधान 7) सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति 8) छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम	इस अवधि के दौरान संग्रहालय के स्टाफ ने भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी वस्तुओं के संग्रहण और प्रलेखन के लिए भारत के विभिन्न सुदूरवर्ती क्षेत्रों में फील्ड कार्य किया। कुल मिलाकर 876 वस्तुएं प्राप्त हुईं हैं और भारत के विभिन्न समुदाओं से संबंधित संग्रहालय के नमूना भंडार में परिगृहीत की गई हैं।			
27.	**अन्य कार्यक्रम (संग्रहालय)**		**9.77**	**46.20**			**10.15**	**28.00**	
क.	**सांस्कृतिक संपदा संरक्षण केलिए राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला,**	सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण में देश में विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों की क्षमता का विकास करना और संग्रहालय,	**3.45**	**2.20**			**3.94**	**1.78**	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लखनऊ	अभिलेखागार, पुरातत्व विभाग, और इसी प्रकार की अन्य संस्थाओं को संरक्षण सेवाएँ प्रदान करना।							और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(i)	अनुसंधान एवं विकास फील्ड परियोजनाएं प्रशिक्षण सूचना स्रोत एवं संचार प्रयोगशाला सुविधाओं का उन्नयन	सतत संरक्षण सलूशन का विकास करना। संग्रहण, कलाकृतियों, वस्तु आदि का सरंक्षण करना संरक्षण एवं जीर्णोद्धार का विकास संरक्षण सूचना का प्रसार अद्यतन उन्नति के साथ चलना			संरक्षण उन्मूलन (10) 3600 मैप का संरक्षण, 3 मेटल वस्तुओं, 13 थांका, पुस्तकों के 10000 पन्नों, 265 पेंटिंग, बड़ा वूडेन राठा (20 फुट ऊँचा) 2 टाइगर स्किन, 2 ऐंटीलोप हेड, पुस्तकों के 20000 पन्नों, 5 स्क्रोल का संरक्षण । –15 संरक्षणों/रिस्टोरों का विकास –विभिन्न विश्वविद्यालयों से एम.ए. संग्रहालय संरक्षण के छात्रों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रम। 200 संरक्षण टाइटल, जर्नल आफ प्रिंट आदि का प्रापण। –उपलब्ध सूचना का 50» कैटलाग बनाना और उसे वेब	3600 मैप का संरक्षण किया गया, 2 मेटल वस्तुओं, 5 स्क्रोल, 2 टाइगर स्किन, 2 ऐंटीलोप हेड, पुस्तकों के 20000 पन्नों, 165 पेंटिंग, 5 स्क्रोल का संरक्षण किया गया, रथ का 75» कार्य पूरा किया गया। –12 प्रशिक्षार्थियों को संरक्षक/रिस्टोर के रूप में प्रशिक्षित किया गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों से 25 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। –एन आर एल सी द्वारा अब तक प्रकाशित शोध पत्रों को वेब पर उपलब्ध कराया गया। –रिपोर्ट/शोधपत्र (6) प्रकाशित किए गए। –सरंक्षण के लिए 3डी डिजिटाइजर खरीदा गया।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					पर डालना। –10 रिपोर्ट/नोट/शोध पत्र प्रकाशित करना –संरक्षण उपस्कर की खरीद; लीफ कास्टर, हॉट वैक्यूम टेबल, कलरीमीटर, स्टीरियो माइक्रोस्कोप				
ख.	**विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता***	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, कला इतिहास को प्रदर्शित करने वाली अवधि से संबद्ध सामग्री एवं डाटा संग्रहण में लगे समकालीन कला संग्रहालय।	3.70	14.00			3.70	6.93	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(i)	सी. पी. डब्ल्यू. डी./ए एस आई द्वारा विशेष मरम्मत और नवीकरण कार्य किया जाना है। गार्डन विकास	स्मारक भवन, छत का मरम्मत कार्य करना, बाहरी और भीतरी भाग की केमिकल सफाई करना। ब्गीचे का समुचित रख–रखाव तथा लॉन का			दरबार हाल सी टी टी कक्ष के गुंबद की आंतरिक सतह का एएसआई द्वारा प्रस्तुत आकलन के आधार पर मरम्मत। –दीर्घाओं को प्लास्टर एवं पुनः प्लास्टर करना, टिकट विक्रय काउंटर का निर्माण और अन्य अनुरक्षण कार्य। बगीचे का शेष भाग	–दरवाजों, खिड़कियों और फर्नीचर के लिए 70» पालिश कार्य पूरा हो गया। –एएसआई द्वारा भवन का वार्षिक अनुरक्षण किया जा रहा है। –बाउंडbी वाल की पेंटिंग पूरी हो गई। –दक्षिण और पूर्व की ओर			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रेक्षागृह एवं प्रशासनिक ब्लाक के लिए एनेक्सी का निर्माण	सौंदयीकरण। अंतर्राष्ट्रीय मानको की प्रदशनियां लगाने के लिए तथा सेमिनार, पुस्तकालय सुविधा आदि के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराना।			सीपीडब्ल्यूडी उद्यान द्वारा कार्य किया गया है। वर्ष के दौरान एनेक्सी भवन का निर्माण शुरू किया जाएगा।	निर्माण पूरा हो गया। –निधि जमा कर दी गई है किंतु कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। –दर्शकों के पीने के पानी की अंडरग्राउंड लाइन का निर्माण कार्य पूरा हो गया। –उत्तर की ओर का निर्माण कार्य चल रहा है। –सीपीडब्ल्यूडी द्वारा हाल ही में आकलन प्राप्त हुआ है जो विचाराधीन है। –कार्य को आउटसोर्स कर दिया गया है और चल रहा है। – सेवानिवृत्ति के मुद्दे के निपटाने तक जोकि संस्कृति मंत्रालय और सी टी टी के बीच चल रहा है, कार्य लंबित है।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	घरेलू प्रदर्शनी	संग्रह की समृद्धि के बारे में लोगों को परिचित कराना और अपने विगत इतिहास, संस्कृति तथा सौन्दर्यबोध के बारे में बताना तथा भारत के किसी एक महानगर में कम से कम एक यात्रा प्रदर्शनी लगाना।			होप्स की शांति निकेतन की फोटो प्रदर्शनी, कुछ नए, कुछ पुराने विषयों पर पुस्तकों का विमोचन, मार्ग फाउंडेशन मुंबई के सहयोग से रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती खंड । वी. एंड ए. संग्रहालय, यू.के.के सहयोग से कालीघाट पेंटिंग की प्रदर्शनी चार्ल्स डोली की कलाकृतियोंु की प्रदर्शनी कालीघाट पेंटिंग की प्रदर्शनी के संबंध में विभिन्न कार्यक्रम वी एंड ए संग्रहालय और ब्रिटिश कौंसिल के सहयोग से तय किया जाता है। विक्टोरिया मेमारियल हाल द्वारा लोक कार्यक्रमों के साथ रबीन्द्र भारती सोसाइटी से प्राप्त संग्रह से पेंटिंग की प्रदर्शनी। 'आइडिया ऑफ स्पेस एंड रबीन्द्रनाथ टैगोर' पर फोटोग्राफी ।	–16.04.2011 को लगाई गई – लोगों का विचार जानने के लिए 15.10.2011 को उद्घाटन हुआ। –अगस्त 2011 को लगाई गई –नवंबर 2011 में आयोजित –गगेन्द्रनाथ टैगोर की कलाकृतियों पर प्रदर्शनी 30.01.2012 को लगाई गई 27.02.2012 को लगाई गई – '21वीं शताब्दी में महान राष्ट्र ds रूप मे भारत का विकास' में भाग लिया। –8वां जातीय संहति उत्सव–ओ–भारत मेला 2011 –24वां विष्णुपुर मेला–2011 –सुंदरबन किस्टी मेला–ओ–लोक संस्कृति उत्सव 2011 –35वां सुंदरबन मेला 2012 –मेला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी			वर्ष 2011–12 के दौरान वीएम एच ने विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें विश्व विरासत दिवस, बाल दिवस, अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस मनाना शामिल है और विभिन्न कार्यशालाओं, व्याख्यान, पैनल विचार–विमर्श, विशेष व्याख्यान आदि आयोजित किया ।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	प्रकाशन क्लाकृतियों का प्रलेखन, कैटलाग बनाना, अभिग्रहण, माल सत्यापन, फोटो प्रलेखन आदि।	यूरोपीय कलाकारों की कृतियों के हमारे अद्वितीय संग्रह पर कुछ उच्च गुणवत्ता का प्रकाशन और कुछ प्रामाणिक कैटेलॉग प्रकाशित करना			मेमोरियल गार्डन का प्रकाशन निकालना और खत्म हो गए प्रकाशनों की पुनः प्रिंटिंग करना। अभिग्रहण और कैटलाग बनाना, फोटो प्रलेखन, लगभग 1000 कृतियों के प्रलेखन का डिजिटाइजेशन करना।	चार्ल्स डोली के कैटलाग का प्रकाशन किया गया। गंगा से संबंधित पिक्चर पोस्टकार्ड प्रकाशित किया। कार्य चल रहा है। –विक्टोरिया मेमोरियल फोटो यूनिट ने 1150 डिजिटाइजेशन पूरा किया। –चल रहा कार्य और रानी विक्टोरिया का पियानो सेन्ट्रल हाल में प्रदर्शित किया गया।			*दीर्घाओं में नए संकेतक लगाए गए।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण	क्लाकृतियों और स्मारकों को नष्ट किए जाने और चोरी होने से सुरक्षा प्रदान करना और सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा करना			एक्स–रे बैगेज स्कैनर मशीन की संस्थापना, –फिक्स मेटल डोर मेटल डिकेक्टर की संस्थापना –कोलकाता पुलिस प्राधिकार द्वारा संस्तुत 02 और बैटरी चालित कार्ट –पहले की तरह 46 कोलकाता पुलिस लगाना –निजी सुरक्षा कर्मियों को लगाना –13 वाकी टाकी किराए पर लेना –कैंपस और संग्रहालय दीर्घाओं की सुरक्षा के लिएि सीआईएसएफ कर्मियों को लगाना।	पहले ही संस्थापित पहले ही संस्थापित चल रहा है जारी है 17 निजी सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं जारी है गृह मंत्रालय, भारत सरकार के विचाराधीन			सीसीटीवी कैमरा और सिस्टम की मरम्मत की गई और ठीक से काम कर रहे है। 13 वाकी टाकी किराए पर लेना जारी है।
(v)	दीर्घाओं और कलाकृतियों का भंडार बनाना/ आधुनिकीकरण करना और लाइटिंग, क्लाइमेट कंट्रोल, दर्शक	मेमोरियल की सभी दीर्घाओं को पुनः निर्मित करना/रिमाडल बनाना जिसमें समुचित डिस्प्ले, लाइटिंग पद्धति और क्लाइमेट कंट्रोल होगा।			एनबीसीसी द्वारा दीर्घाओं और भंडार का आधुनिकीकरण। जे.यू. कोलकाता/एनबीसीसी द्वारा दीर्घाओं में प्रकाश व्यवस्था की रिडिजाइनिंग ।	पूर्व परियोजना लागत के लिए 4.82 लाख एनबीसीसी में जमा करा दिया गया और स्थापाना तथा लेखा अनुभाग को डारमेटरी और पुराने रेस्त्रां में ले जाने का कार्य चल रहा है –कार्य चल रहा है।			

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सुविधा आदि की संस्थापना								
(vi)	कलाकृतियों का परिरक्षण, मरम्मत और संरक्षण	आधुनिक भारतीय इतिहास की सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण			430 तैल चित्रों, एम एस एस, 200 पन्ने, पुस्तकालय अभिलेखागार की 20 पुस्तकों आदि का परिरक्षण, संरक्षण और मरम्मत	एएसआई विज्ञान शाखा देहरादून, एनआरएलसी लखनऊ, राष्ट्रीय संग्रहायल, नई दिल्ली; ने 2 एक दिवसीय इन हाउस सेमिनार आयोजित किया। 1314 कलाकृतियों का संरक्षण किया। आवश्यक उपचार किया गया। 04 बड़ी मार्बल मूर्तियों और 27 मेटल कलाकृतियां–विक्टोरिया मेमोरियल हाल की टीम का सीजीडब्ल्यूबी अधिकारियों के साथ अनेक बैठकें, विक्टोरिया मेमोरियल हाल और सीजीडब्ल्यूबी, कोलकाता में आयोजित की गईं ताकि विक्टोरिया मेमोरियल हाल में रेन वाटर हार्वेस्टिंग परियोजना के कार्यान्वयन की संभावनाएं खोजी जा सकें और विक्टोरिया मेमोरियल हाल ने सीजीडब्ल्यूबी विशेषज्ञ की सलाह पर डाटा पहले ही उन्हें भेज दिया है। आवश्यक			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						कार्रवाई सरल बोस संग्रहालय, राजभवन, कोलकाता हाई कोर्ट - 3 थर्मोहाइड्रोमीटर खरीदे गए।			
(ग)	**इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद**	संग्रहालय के मुख्य कार्यों में कलाकृतियों का परिग्रहण, दीर्घाओं का पुनर्गठन और पुस्तकालय का समृद्ध करने वाला रिजर्व और फोटोग्राफी यूनिट तथा प्रकाशन शामिल है।	2.15	2.50	योजनेतर अनुदान से चिकित्सा प्रतिपूर्ति, फर्नीचर एवं फिक्सर, टेलीफोन और बिजली प्रभार आदि भी पूरे किए जाते हैं।		2.15	0.00	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है
(i)	भवन का नवीकरण	स्टाप और दर्शकों के लिए अपेक्षित अतिरिक्त स्थान समुचित ढंग से उपलब्ध कराने का लक्ष्य			प्रथम तल पर टायलेट का निर्माण, संग्रहालय के सम्मुख बूच कार्य की मरम्मत/नवीकरण, संग्रहालय के परिसर और निदेशक के बंगले में संग्रह कक्ष और सर्वेंट क्वार्टर में टीन का रोड लगाना।	मौजूदा भवन के कुछ भाग को नया लुक दिया गया और स्टाप तथा दर्शकों के लिए अपेक्षित स्थान और सुविधाएं भी बढ़ाई गई।			निधियों के समय पर उपलब्ध होने पर प्रगति निर्भर करेंगे।
(ii)	पुस्तकालय फोटो ग्राफी प्रलेखन और उसका सुदृढ़ीकरण	पुस्तकालय संग्रह को सुदृढ़ करना और संग्रहालय के जर्नलों और खण्डों का सेट प्राप्त करना, ऐसी कतिपय पुस्तकों और जर्नलों की			वर्गीकरण, कैटलाग बनाना और कंप्यूटरीकृत पुस्तक मांग सूची जैसे नेमीकार्य, पुस्तकों की बाइंडिंग, विशेषज्ञ लगाकर फारसी पाण्डुलिपियों का	विभिन्न विषयों पर 11 पुस्तकें खरीदी गईं और अभिगृहीत की गईं। 5 पुस्तकं पुस्तकालय को दान की गईं। 16 पुस्तकों का वर्गीकरण और कैटलाग बनाया			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		माइक्रोफिल्म बनाना जो संग्रहालय कर्मियों की टीम भेजने पर भी उपलब्ध नहीं हो पाई और संग्रहालय के पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए महत्वपूर्ण पुस्तकें और जर्नल प्राप्त करना।			कैटलाग बनाना, पुस्तकालय साफ्टवेयर की खरीद, संग्रहालय की वस्तुओं का डिजिटाइजेशन, कंप्यूटर, एलसीडी की खरीद, 20 इंची डीवीडी एन्लार्जर और सीडी प्लेयर/राइटर आदि।	गया। 8 दैनिक समाचार पत्र संग्रहालय में मंगाए गए। 3601 पाठक पुस्तकालय में आए। विद्वानों ने 322 पुस्तकों को संदर्भ के रूप में देखा। 3991 जीराक्स प्रतियां ली गई।			
(iii)	दीर्घाओं का आधुनिकीकरण	इस उद्देश्य में वूडेन पैनलिंग, नए शो केस/वूडेन इलाका बनाना और संग्रहालय की मौजूदा विभिन्न दीर्घाओं का आधुनिकीकरण/पुनर्गठन शामिल है।			दीर्घाओं के शो केस का नीवकरण कार्य, पालिश और पेंटिंग कार्य, पैनेल बनाना, कुमार स्वामी हाल में पार्टीशिन के लिए वूडेन का कार्य, 3 दीर्घाओं का आधुनिकीकरण अर्थात् नेहरू दीर्घा, मिनियेचर पेंटिंग दीर्घा और आधुनिक पेंटिंग।	3 दीर्घा अर्थात् मिनियेचर पेंटिंग, आधुनिक पेंटिंग, नेहरू दीर्घा का आधुनिकीकरण चल रहा है। बिजली जाने के बाद व्यवस्था के लिए जनरेटर के लिए डीजल। गांधी दीर्घा के सभी लेबलों और कैप्सनों को बड़ा किया गया और उन्हें एक्रीलिक कवर में रखा गया।*			*आर्म दीर्घा का कैप्सन, शोकेस और दीर्घा शीट, प्राकृतिक इतिहास दीर्घा और पुरातत्व दीर्घा की मरम्मत करके उन्हें बदला गया।
(iv)	क्लाकृतियों का अधिग्रहण	कला खरीद समिति को उपयुक्त अंतराल पर हुई बैठक के जरिए संग्रहालय के लिए कलाकृतियों का प्रापण			कला खरीद समिति की पहली और दूसरी बैठक क्रमशः अक्टूबर, सितंबर 11 और फरवरी, 12 में आयोजित हो सकती है।	प्रसिद्ध कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के परिवार के सदस्य और निराला साहित्य और संस्थान के महासचिव ने 15 अक्तूबर 2011 को इलाहाबाद संग्रहालय को निजी वस्तुएं दान की जिनमें कुर्त्ता, टोपी,			यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई जाली एन्टिक नहीं लिया जाएगा।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						पेन, प्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा द्वारा हस्ताक्षरित कवि का प्रथम दिन कवर स्टाम्प शामिल है।			
(v)	रिजर्व संग्रह की प्रदर्शनी और डिस्पले का आयोजन/शैक्षिक और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां/शोध अध्येतावृत्ति और अनुसंधान एवं रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला।	देश के उभरते कलाकारों को प्रोत्साहित करना और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की धर्म और संस्कृति के ज्ञान में वृद्धि करना।			कौसे और पुरातात्विक वस्तुओं के लिए शोकेस तैयार करना। प्रसिद्ध कलाकारों और पुरस्कार प्रापत पेंटिंगों/क्ले माडलों की प्रदर्शनी थांका दीर्घा की संस्थापना, संग्रहालय में उत्कृष्ट कृतियों की प्रदर्शनी लगाना। अंत संग्रहालय और अंतराज्य प्रदर्शनियां रखना।	पुरस्कार प्राप्त पेंटिंग/क्ले माडलिंग की प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। विभिन्न प्रदर्शनियां लगाई गईं जिनमें कृष्ण, अर्जुन–गीता रथ, रीवन्द्र नाथ टैगोर की नजरों में स्वतंयता, भारत के स्मारक, इलाहाबाद के चर्च शामिल हैं। स्वामी विवेकानन्द की 150 वीं जन्मशती के अवसर पर एक पेंटिंग प्रदर्शनी आयोजित की गई। – रिजर्व संग्रह का पुनर्गठन चल रहा है। – 12 रबर सांचे, प्लास्टर मोल्ड आदि तैयार किए गए। 258 सांचों की रंगाई और प्लास्टर आफ पेरिस की 200 मूर्तियों का सांचा तैयार किया गया। – वर्ष के दौरान प्रसिद्ध नेताओं/धार्मिक व्यक्तियों की			*पत्थर की 208 मूर्तियों वाले 1091 वस्तुओं का संरक्षण, 19 पेंटिंगें, 15 अभिलेखीय प्रलेखनों, 59 मेटल वस्तुओं, 5 टेक्सटाइल, 1 सिरेमिक्स, 71 पुस्तक सामग्री, 687 सिक्कों, 7 स्वर्ण सिक्कों का इस अवधि के दौरान संरक्षण किया

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						शताब्दी पर हिंदी पखवाडा, मेमोरियल व्याख्यान, वृत्त चित्र, शो, कार्यशाला, फिल्म शो आदि के आयोजन सहित विभिन्न शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं।*			गया। कार्बनिक वस्तुओं वाली दीर्घाओं में ऐंटी इन्सेक्टी साइडल उपचार।
(घ)	**राष्ट्रीय कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली**	कला, इतिहास, कलाकृतियों का संरक्षण और मरम्मत उनका संग्रहालय में डिस्प्ले और रख–रखाव।	0.27	4.00			0.16	3.00	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक एवं स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(i)	अकादेमिक कार्यक्रम	कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान के क्षेत्रों का ज्ञान का प्रसार और संवर्धन। सेक्टर 62, नोएडा में 3 एकड़ भूमि में अपने भवन			एम. ए. और पीएचडी पाठ्यक्रमों के छात्रों का प्रवेश देकर और 3 अल्पकालिक पाठ्यक्रमों–दो अंग्रेजी में और एक हिंदी में प्रवेश देकर पाठ्यक्रम चलाना। – 1 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और 3 राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला, 12 विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।	उत्तीर्ण छात्रः एमए–26, पीएचडी, 08,30 छात्र अल्पकालिक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए। तीन राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाएं/प्रदर्शनियां/ सम्मेलन आयोजित किए गए। 3 विशेष व्याख्यान तीन विभागों द्वारा (प्रत्येक द्वारा 1) चलाए गए। निर्माण कार्य, अनुदान अनुमोदन की स्वीकृति			पीएचडी की अवधि 5 वर्ष की है। अल्पकालीन पाठ्यक्रमों की अवधि 5 वर्ष की है। निर्माण कार्य की लागत का आंकलन

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	नोएडा परियोजना	का निर्माण सेक्टर–62 नोएडा में 3 एकड़ भूमि पर अपना भवन बनाना।			– वर्ष के दौरान निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।	के लिए एस एफ सी की बैठक न होने के कारण शुरू न हो सका।			किया गया है। कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के कारण संशोधित किया गया है।
(ङ)	**क्षेत्रीय और स्थानीय संग्रहालयों के 'संवर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम**	क्षेत्र राज्य और स्थानीय स्तर पर मौजूदा संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना।	---	**15.00 (जिसमें टी एस पी के लिए प्रावधान शामिल है)**	विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त लगभग 120 पुस्तकों में इस इस स्कीम के तहत लगभग 50 संग्रहालयों को अनुदान का लाभ मिलेगा।	विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त लगभग 75 प्रस्तावों में से 45 संग्रहालयों को अनुदान प्राप्त हुआ।	--	**15.79**	विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त पूर्ण/समुचित प्रस्तावों की संख्या के आधार पर अनुदान का जारी किया जाना निर्भर करता है।
(च)	**महानगरों में संग्रहालयों के आधुनिकीकरण के लिए स्कीम**	देश के कुछ संग्रहालयों को विश्व में सर्वोत्तम संग्रहालयों के समक्ष लाना।	--	**8.00**	छत्रपति शिवाजी वास्तु संग्रहालय, मुंबई के दूसरे चरण का आधुनिकीकरण 11. 46 करोड़ की परियोजना लागत से किया जाना है। सरकारी संग्रहालय, एग्मोर संग्रहालय, चैन्ने की दूसरी	क्लम 5 में उल्लिखित संग्रहालय को पहले जारी अनुदान का उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त न होने के कारण वर्ष के दौरान कोई अनुदान जारी नहीं किया गया।	--	--	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					किस्त जारी होनी है।				
(छ)	**वृंदावन अनुसंधान संस्थान, वृंदावन**	भारत की सांस्कृतिक विरासत को परिरक्षित करना।	**0.20**	**0.50**	ब्रज लोक संस्कृति पर विभिन्न अनुसंधान, प्रलेखन, सर्वेक्षण और प्रकाशन तथा पांडुलिपि का संरक्षण शुरू किया जाएगा।	ब्रज की रासलीला, श्रीरंग मंदिर ब्रहमोत्सव, फूल बंग्लाकला, लघु सिद्धांत कोस्तुभ की वी आर आई पांडुलिपियों में से प्रत्येक की 500 प्रतियां प्रकाशित की गयी। ब्रज संस्कृति संग्रहालय* का रखरखाव।	**0.20**	**0.50**	*संग्रहालय में नयी विथियों की स्थापना। समानतः गैर योजना अनुदान का प्रयोग, वेतन और प्रशासनिक परियोजनों के भुगतान के लिए किया जाता है।
28.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता**	भारत से संबंधित भारत तथा विदेश में तैयार की गई सभी पठन और सूचना सामग्री के आधान	**23.60**	**15.00**	सामान्यतः गैर योजना अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना योजना के लिए किया जाता है।		**22.54**	**14.57**	

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		के रूप में सेवा प्रदान करना।							
(i)	संग्रह निर्माण और पुस्तक प्रकाशन आंकड़े।	भारत में प्रकाशित पुस्तकों और अन्य मुद्रित सामग्रियों का संग्रह करना, विदेशी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं को प्राप्त करना।			डीबी अधिनियम/खदीर द्वारा विदेशी पुस्तकें - 3500 शीर्षकें - 680 40,000 भारतीय प्रकाशन प्राप्त होने का लक्ष्य है।	ई- जर्नल सहित विदेशी जर्नलों की 720 पुस्तकें खरीदी गई।			पुस्तक एवं समाचार पत्र वितरण अधिनियम, 1954 के अंतर्गत संग्रहण प्रकाशकों के सहयोग पर निर्भर करता है।
(ii)	रेट्रो कन्वर्जन परियोजना तथा पुराने, दुर्लभ प्रकाशनों का डिजटीकरण (पाठक सेवाएं)	प्रयोगशाला का रेट्रो-संरक्षण, डिजिटीकरण तथा आधुनिकीकरण, कम्प्यूटर इकाईयों का परिरक्षण।			रेट्रो-कन्वर्जन और डिजिटीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत, प्राचीन और दुर्लभ भ्रंगुर पठनीय सामग्री के 4 लाख रिकार्ड सृजित करने का लक्ष्य है वर्ष के दौरान 20 लाख पृष्ठों का डिजिटीकरण किया जाना है।	पुराने और दुर्लभ लोक भंगुर पुस्तकों का संरक्षण करने के लिए परियोजना के अंतर्गत 2. 5 मिलियन पृष्ठों से अधिक पृष्ठों को स्कैन किया गया। अंकीकरण का प्रशासनिक अनुमोदन संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त किया जाना है।			समय से प्रशासनिक अनुमोदन के अध्यधीन मुक्त निविदा के आधार पर फर्मों, एजेंसियों का चयन किया जाएगा।
(iii)	प्रशासन का सुदृढ़ीकरण	भाषा भवन आदि का फर्नीचर और आंतरिक सज्जा।			पुस्तकालय के आउटसोर्स किये हुए गार्डों, सफाई कर्मचारियों और अन्य को भुगतान।	इस कार्यक्रम के लिए संचार मंत्रालय के प्रशासनिक अनुमोदन की आवश्यकता है।			यह समय से प्रशासनिक

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									अनुमोदन पर निर्भर करता है।
29.	**दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी**	दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में सचल पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करना।	**11.70**	**5.00**	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।		**11.70**	**3.19**	
(i)	संग्रह विकास	दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी का मूल उद्देश्य दिल्ली के लोगों को पुस्तकालय और सूचना की निशुल्क सेवाएं प्रदान करना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी अपनी सभी सेवा यूनिटों में अपने संग्रह विकास को सुदृढ करने का प्रस्ताव करती है।			लगभग 5000 शीर्षक (डी पी एल प्रणाली के लिए अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में 60,000 बहुल प्रतियाँ खरीदी जानी हैं। इसके साथ ही श्रव्य दृश्य कैसेट और संदर्भ पुस्तकें आदि भी खरीदे जाएंगे।	वर्ष के दौरान पुस्तकालय के लिए लगभग 37,830 पुस्तकें और 377 डीवीडी खरीदे गए।			
(ii)	संरक्षण और परिरक्षण	जिल्दसाजी संबंधी देखभाल और पुस्तकों और अन्य पठन			लगभग 20-25 हजार खंडों की पुस्तकें वाणिज्यिक जिल्दसाजों के माध्यम से	2340 पुस्तकों की जिल्दसाजी द्वारा बँधाई की गई।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		सामग्रियों की मरम्मत डी पी एल की एक सतत् प्रक्रिया है। भावी पीढ़ी के प्रयोजन के लिए पुस्तकालय में दस्तावेजों का परिरक्षण आवश्यक है।			जिल्द चढ़वानी है।				
(iii)	आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी का विकास लोक इंटरनेट अभिगम सदस्यता अभियन	पुस्तकालय कार्यकलापों का आधुनिकीकरण डी पी एल की सतत् प्रक्रिया है। पुस्तकालय की कम्प्यूटर प्रणाली का संवर्धन करने का प्रस्ताव है, जिसके लिए अन्य भारतीय भाषाओं में डाटाबेस का सृजन करने के लिए अपेक्षाकृत अधिक कम्प्यूटर, सर्वर, स्कैनर, प्रचालन प्रणाली, आई एस एम इत्यादि की आवश्यकता है।			दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी पटेल नगर, सरोजनीनगर और केन्द्रिय लाइब्रेरी में निशुल्क इंटरनेट अभिगम सेवाएं प्रदान कर रही हैं। यह सेवा अन्य 6 यूनिटों यथा करोल बाग, विनोबा पुरी, जनक पुरी, नरेला, आर के पुरम और शाहदरा पुस्तकालयों में प्रदान की गयी हैं। डीवीडी कार्नर निम्नलिखित स्थानों में भी स्थापित किये गये हैं– पटेल नगर, सरोजनी नगर और केन्द्रीय लाइब्रेरी, जनकपुरी, करोल बाग, विनोबा पुरी, नरेला पुस्तकालय।	अन्य 6 यूनिटों यथा करोलबाग, विनोबा पुरी, जनकपुरी, नरेला, आर.के.पुरम सेक्टर–8 और शाहदरा पुस्तकालयों में निःशुल्क इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार किया गया है। डीपीएल के द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के कारण इसकी सदस्यता बढ़कर 76,548 हो गई है।			
(iv)	सेमिनार/	कर्मचारियों में नये			वर्ष के दौरान करीब 25	विभिन्न प्रशिक्षणों और			केंद्रीय

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	व्याख्यान/ प्रशिक्षण प्रकाशन	व्यवसायिक कौशल और दक्षता का विकास करना। डीपीएल के विभिन्न कार्यकलापों को पाठकों तक पहुंचाना।			स्टाफों को प्रशिक्षित किया जाएगा। पुस्तकालय की वार्षिक रिपोर्ट	सेमिनारों तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया। योजना प्रस्ताव के अनुसार कार्य निष्पादित किया गया।			
	नई स्कीम **क. नए पुस्तकालय खोलना** **ख. पुस्तकालय भवन का निर्माण**	पुस्तकालय सेवाओ को पाठकों के द्वार तक पहुंचाना।			सोसायटी के कमजोर वर्गो के आवासीय क्षेत्रों में नए पुस्तकालय खोलने का प्रस्ताव है। अशोक विहार और बवाना में दो खाली भूखण्डों पर पुस्तकालय भवन का निर्माण प्रारंभ किया जाना है।	इन स्कीमों/परियोजनाओं पर अभी संस्कृति मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्यकता है।			
30.	**राजा राममोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान**	देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन को प्रोत्साहित करना और सहायता देना।	**3.44**	**30.50 (टीएसपी के लिए प्रावधान सहित)**			**3.44**	**36.19**	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
क.	**मैचिग स्कीमः** पुस्तकों के पर्याप्त स्टॉक के निर्माण के लिए सहायता	पुस्तकालयों के पुस्तक स्टॉक की पुनःपूर्ति।			पुस्तकालयः 9000, पुस्तकः 30 मिलियन	पुस्तकालय – 12139			राज्य सरकार कभी–कभी समय से अंशदान जारी करने में असमर्थ होती है।
	(ख) बाल पुस्तकालयों और सामान्य सार्वजनिक पुस्तकालयों के बाल खण्ड को सहायता	बच्चों के बीच पुस्तक पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना।			पुस्तकालय – 150	पुस्तकालय – 59			
	(ग) पुस्तकों के केन्द्रीय चयन के माध्यम से राज्य केंद्रीय पुस्तकालयों एवं जिला पुस्तकालयों की सहायता।	हाल की महंगी पुस्तकों से पुस्तक के भंडार की पुनःपूर्ति करना।			पुस्तकालय – 387 पुस्तक – 15 मिलियन	पुस्तकालय – 387			
	(घ) विश्वभारती के तहत एफिलियेटेड	ग्रामीण लोगों के बीच पुस्तक पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना।			पुस्तकालय – 37	पुस्तकालय – 37			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुस्तकालयों केंद्रीय प्रायोजित पुस्तकालयों को सहायता।								
	(ड़) (i) अखिल भारतीय स्तर के निकाय यथा – आई एल ए इत्यादि को सेमिनारों, सम्मेलनों इत्यादि के लिए सहायता।	राष्ट्रीय व्यवसायिक संगठनों को बढ़ावा देना।			संगठन – 5	पुस्तकालय – 16			
	(ड.)(ii) शताब्दी समारोहों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों को सहायता	पुराने पुस्तकालयों को प्रोत्साहित करना।							
	(च) बाल–कोने की स्थापना के लिए सहायता।	बाल प्रयोक्ताओं को आकर्षित करना।			पुस्तकालय – 40	पुस्तकालय – 12			

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(छ) विकलांग लोगों के लिए कार्नर की स्थापना हेतु सहायता	विकलांग लोगों को पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करना।				पुस्तकालय - 31			
	(ज) विकलांग लोगों के लिए कार्नर की स्थापना हेतु सहायता	विकलांग लोगों को पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करना।				पुस्तकालय - 7			
31.	**अन्य पुस्तकालय**		7.55	15.70			8.04	11.69	
(क)	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता**	(क) भारतीय राष्ट्रीय बिब्लियोग्राफी का संकलन और प्रकाशन (रोमन लिपि तथा संबंधित भाषा लिपियों में) जो भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं में और अंग्रेजी में मौजूदा भारतीय प्रकाशनों की ग्रंथ सूची है तथा (ख) इंडेक्स इंडियाना का संकलन और प्रकाशन	**2.15**	**0.60**			**2.09**	**0.37**	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	भारतीय राष्ट्रीय बिबलियोंग्राफी और इंडैक्स इंडियाना अन्य कार्यकलाप **क. ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षु** **ख. क्षेत्रीय भाषाओं में ग्रंथ सूचियों के संकलन में पूर्वोत्तर के व्यवसायिकों के लिए प्रशिक्षण**	भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची क. भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची वार्षिक खंड 2008 और 2009 का प्रकाशन ख. आइएनबी एवी 2008–09 का संकलन ग. आइएनबी 2011 जनवरी से दिसंबर तक के मासिक अंक			क. 2010 आईएनबी के वार्षिक खंड की 250 प्रतियां ग. आइएनबी जुलाई – 2010 तथा जनवरी से अक्टूबर 2011 के मासिक अंक। इंडैक्स इंडियाना 2004–2010 संचय खंड का मुद्रण और प्रकाशन 40 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाना है। मिजोरम, असम और डिब्रुगढ में प्रशिक्षण सह कार्यशाला 3 पुस्तक मेले मलयालम 2010	इंडियन नेशनल बायोग्राफी 2008–2009 का मुद्रण पूरा किया गया और इसे जारी किया गया। एवी 2009 पूरा किया गया और यह विक्रय के लिए तैयार है। 40 विद्यार्थियों के आठ बैचों को प्रशिक्षित किया गया। 3 प्रशिक्षण कार्यशाला/सेमिनार सीआरएल के विक्रय और प्रदर्शनी, राष्ट्रीय पुस्तक मेले में प्रकाशनों का आयोजन करना। मलयालम 2010 प्रकाशित			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ग. राष्ट्रीय पुस्तक मेले **घ. भाषा ग्रंथ सूचियां, मलयालम** **ड. पूंजीगत व्यय (भवन परियोजना)**								
(ख)	**खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी पटना**	यह पुस्तकालय मौलवी मोहम्मद बख्श के व्यक्तिगत संग्रह से बना है जो साहित्य प्रेमी तथा पुस्तकों के प्रेमी थे। इसमें 20000 से अधिक पांडुलिपियां और कुछ दुर्लभ छपी हुई पुस्तके हैं।	**2.25**	**1.50**			**2.79**	**0.93**	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	अधिग्रहण : पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों तथा वीडियो और ऑडियो कैसेटों की खरीद	पुस्तकें, पांडुलिपियां, माइक्रोफिल्म तथा ऑडियों वीडियो सीडी पाठकों के उपयोग के लिए प्राप्त करना।			5000 मुद्रित पुस्तकों, 50 पांडुलिपियों और 120 शीर्षकों को खरीदना।	4110 छपी पुस्तकें, 13 पाण्डुलिपियां और 87 पत्रिकाएं, 24 समाचार–पत्र, की खरीद और 94*			*श्रव्य और दृश्य कैसेट

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	शोध और प्रकाशन : दुर्लभ सामग्री का प्रकाशन कैटलॉग का मुद्रण, शोध संगोष्ठियां व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम, खुदाबख्श शोध अध्येता वृत्तियां और त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन	पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण अंकों का प्रकाशन करना, दुर्लभ मूल्य की पुस्तकों का, प्रतिष्ठित विद्धानों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का प्रकाशन करना। बाहर रहनेवालों को विवरणात्मक कैटेलॉग के छुपे हुए खजाने से परिचित कराना। संगोष्ठियां, सुप्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान आयोजित करना। विख्यात विद्धानों को अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्तियां।			20 पुस्तकों का प्रकाशन 3 का अंग्रेजी अनुवाद 1 का हिंदी अनुवाद और 2 दुर्लभ पांडुलिपियों की अनुकृति सूचीपत्र के 2 खंडों का मुद्रण तथा हैंडलिस्ट का एक खंड, निम्नलिखित का आयोजन करना। राष्ट्रीय सेमिनार – 2 वार्षिक व्याख्यान – 1 विस्तार व्याख्यान – 4 लोकप्रिय व्याख्यान – 12*	9 पुस्तक प्रकाशित, 3 सेमिनार, 1 राष्ट्रीय व्याख्यान, 3 विस्तार व्याख्यान, 4 लोकप्रिय व्याख्यान, 1 प्रदर्शनी, 1 मुशायरा और कुछ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 2 वरिष्ठ अध्येतावृत्ति और 5 कनिष्ठ अध्येतावृत्ति तथा 1 टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति कार्यरत जर्नल के 5 अंक प्रकाशित किए गए। रेट्रो परिवर्तित पुस्तकों और पत्रिकाओं की जांच पूरी की गयी।			सांस्कृतिक कार्यक्रम –अनेक वरिष्ठ अध्येतावृति, 3 कनिष्ठ अध्येतावृति, 7 अनुसंधान परियोजनाएं विद्धानों का आवंटित की गयीं। तिमाही पत्रिकाओं के चार अंकों का प्रकाशन
(iii)	संरक्षण और परिरक्षण : परिरक्षण प्रयोगशाला और पुस्तक परिरक्षण और रैप्रोग्राफिक सुविधाओं का	नेमी अनुरक्षण, उपचारात्मक तथा निवारक और परिरक्षण के लिए परिरक्षण प्रयोगशाला। पुस्तकों को ठीक स्थिति में रखना।			पुस्तकों और पाण्डुलिपियों के निरोधक और निवारक परिरक्षण के लिए नेमी कार्यलाप मुद्रित पुस्तकों और पाण्डुलिपियों को संविदा आधार पर जिल्दसाजी करवाना पाण्डुलिपियों को पुनः स्कैन	250 पुस्तकों और पाण्डुलिपियों को संविदा आधार पर जिल्दसाजी करवाया गया। पाण्डुलिपि के 10 लाख पृष्ठों के अंकीकरण की प्रायोगिक परियोजना एनआईसीएसआइ द्वारा पूरी की गयी। जिन पाण्डुलिपियों के चित्र अस्वीकार			*इस अवसर पर उचित रूप से अनेक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। शौचालयों का

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास, आधुनिकीकरण और स्वचालन समारोहों और प्रदर्शनियों का आयोजन, आधुनिकीकरण और स्वचालन				करने का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। एक ई–पुस्तकालया की स्थापना की परियोजना एनआइसीएसआइ को सौंपी जानी है।	कर दिये गये हैं। उनकी फिर से स्कैनिंग की जा रही है। कम्प्यूटर, हार्डडिस्क और प्रिंटर खरीदे गये। संस्थापक की वर्षगांठ मनाई गयी।*			जीर्णोद्धार, नये प्रशासनिक प्रकोष्ठ का कार्य प्रारंभ किया गया।
(ग)	**तंजावुर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावुर**	यह संस्कृति और ज्ञान का एक अमूल्य भंडार है इसकी परिकल्पना 16वीं शताब्दी में रॉयल पैलेस पुस्तकालय के रूप में की गई थी	–	0.50			––	0.00	
(i)	संस्कृत, तमिल, मराठी इत्यादि में पांडुलिपि से पुस्तकों का प्रकाशन	पांडुलिपियों का अनुवाद, लिप्यंतरण और पुस्तकों को प्रकाशित करना।			इस वर्ष 14 नई पुस्तकों और 10 पुनर्मुद्रण का काम किया जाएगा।	3 नयी पुस्तकों और 9 पुर्नमुद्रित पुस्तकों को मुद्रित किया गया।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	संरक्षण	ताड़ के पत्तों पर सिट्रोनेला तेल लगाना तथा कागज पर लिखी गई पांडुलिपियों/बहुमूल्य पुरानी पुस्तकों इत्यादि को परिरक्षित करना।			पांडुलिपियों के 110000 पत्तों साफ करना तथा 2000 पुस्तकों को साफ करना और परिरक्षित करना।	पाण्डुलिपियों के 106000 पन्नों को साफ किया गया और परिरक्षित किया गया तथा 1900 पांडुलिपियों की मरम्मत की गयी।			
(iii)	रिप्रोग्राफी	पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों की माइक्रो फिल्म बनाना।			1000 नई तमिल पांडुलिपियों को माईक्रोफिल्म बनाना और साफ करना।	वर्ष के दौरान लक्ष्य प्राप्त किया गया।			
(घ)	**तिब्बती कार्य और अभिलेखागार पुस्तकालय, धर्मशाला, हि.प्र.**	इसका उद्देश्य तिब्बती पुस्तकों और पांडुलिपियों को प्राप्त करना और संरक्षित करना तथा गहन संदर्भ सेवा प्रदान करना है तथा तिब्बती पांडुलिपियों, चित्रों तथा कलाकृतियों के केन्द्र के रूप में कार्य करना है।	**1.25**	**0.50**	यह संस्थान तिब्बती सभ्यता और भारत तिब्बती–ज्ञान के समृद्ध विरात के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।	नई पुस्तकों की खरीद, पुरानी/दुर्लभ पुस्तकालय स्रोतों का परिरक्षण, शैक्षिक कार्यक्रम का संवर्धन, पुस्तकालय का आंशिक आधुनिकीकरण।	**1.25**	**0.50**	योजनेत्तर क्षेत्र से प्राप्त निधियों का उपयोग प्रायः स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(ङ)	**रामपुर रजा पुस्तकालय रामपुर**	पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य भारत–इस्लामी पांडुलिपियों, लघु चित्रों,	**1.25**	**3.00**			**1.25**	**2.25**	सामान्यता प्रशासनिक तथा

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पुस्तकों तथा पुस्तकालय में कला और विज्ञान की अन्य वस्तुओं को प्राप्त करना और संरक्षित करना है तथा संदर्भ और शोध के एक केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कला केन्द्र के रूप में भी कार्य करना है।							स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	प्रकाशन और मुद्रण	अरबी, फारसी और संस्कृत पांडुलिपियों के पाठ की पुस्तकों का प्रकाशन।			पुस्तकों, जरनलों, तकनीकी रिपोर्टें, पेंटिंग आदि का प्रकाशन।	2 पुस्तकें प्रकाशित की गईं और शेष प्रेस में हैं।			
(ii)	दो विरासत भवनों का परिरक्षण और पुनरूद्धार।	रज़ा पुस्तकालय की दो ऐतिहासिक महल नामतः हामिद मंज़िल और रंग महल पुरातत्वीय महत्व के स्मारक हैं, जिसे मरम्मत किए जाने की जरूरत है, जिसका अनुमोदन रामपुर रजा पुस्तकालय बोर्ड ने 37वीं बैठक में दिया था।			पिछले 8 वर्षों के भीतर हामिद मंजिल के कक्षों की आलंकारिक छतों के अधिकांश भाग को पुनःस्थापित किया गया है और बाकी को वित वर्ष 2010–11 में पुनर्स्थापित कर लिया जाएगा।	समीक्षाधीन अवधि के दौरान छोटी–मोटी मरम्मत की गयी।			
(iii)	पुस्तकों, पांडुलिपियों का	अनुसंधान विद्वानों की मांग को पूरा करने के			पुस्तकालय दुर्लभ एमएसएस, मुद्रित पुस्तकें और कलाकृतियों	244 मुद्रित पुस्तकें खरीदीं गयीं। 6 छात्रवृतियां प्रदान की			* 26 सुरक्षा

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रापण, छात्रवृति और पुरस्कार सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी संकलनों का परिरक्षण एवं संरक्षण, आईटी का कंप्यूटरीकरण और अनुप्रयोजन, सीआईएसएफ का नियोजन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और दरबार हाल संग्रहालय का आधुनिकीकरण	लिए दुर्लभ पांडुलिपियों, पुस्तकों और कला वस्तुओं का प्रापण विद्वानों, अकादमीविदों के तालमेल के लिए अकादमिक और सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुस्तकालय के मूल्यवान संकलन की रक्षा करना।			का प्रापण करेगा, 12 छात्रवृतियां और 3 पुरस्कार, 2 कार्यशालाएं 2 प्रदर्शनियां और 2 व्याख्यान मुशायरा और कवि सम्मेलन एमएसएस, चित्र, कलाकृतियों का प्रलेखन किया जाएगा। दुर्लभ एमएसएस, के 8000 पृष्ठें, कलाकृतियों, पुस्तकों, चित्रों का संरक्षण। कैलिग्राफी के लगभग 5 लाख एमएसएस नमूनों को डिजिटाइज किया जाएगा।	गयीं और अरबी तथा फारसी पाण्डुलिपियों का चार अनुवाद किया गया,2 छात्रवृतियां दी गयीं। 2 प्रदशनियां और 1 सेमिनार आयोजित किए गए। विभिन्न प्रलेखों, चित्रों और कलाकृतियों का प्रलेखन किया गया। पाण्डुलिपियों के 1464 पृष्ठों, मुद्रित पुस्तकों के 1444 पृष्ठों को मुद्रित किया गया। पुस्तकालय संग्रह के 2492 फ्यूमिगेशन (पुस्तक और पाण्डुलिपियां) की वैज्ञानिक रूप से मरम्मत की गयी। 31 मार्च 2012 तक 1,16,000 पृष्ठों को डिजिटाइज किया गया।*			गार्ड लगाये गये, 2 उपस्कर खरीदे गये। बगीचों और लॉन का रखरखाव, प्रचार तथा विज्ञापन पुस्तकालय की आवश्यकता के अनुसार शुरू किया गया। संग्रहालय के दरबार हॉल का आधुनिकीकरण चल रही परियोजना है।
(च)	**राष्ट्रीय पांडुलिपि परिरक्षण मिशन**	मिशन का उद्देश्य पूरे देश की बहुमूल्य पांडुलिपियों के कैटेलॉग बनाना, उनका संरक्षण	--	**7.00**			**0.00**	**7.04**	

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		करना और संग्रह करना तथा पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों, पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना और गौरवपूर्ण पांडुलिपियों के कैटेलॉगों का डिजिटीकरण करना है।							
(i)	पांडुलिपि स्रोत केन्द्र को वार्षिक अनुदान	एमपीसी में उपलब्ध पांडुलिपियों का प्रलेख			48 मौजूदा एमआरसी हैं और 4 नवसृजित एमआरसी हैं। अनुदान @ 4.5 लाख जमा 4.5 लाख जमा 4.5 लाख जमा 6 लाख की दर से जारी किया जाता है जो वास्तविक निष्पादन तक सीमित होता है।	48 मौजूदा एमआरसी हैं और 4 नवसृजित एमआरसी के लिए 42 किश्तें जारी की गयी हैं। 1.54 लाख पांडुलिपियों को प्रलेखन किया गया है। प्रलेखित पांडुलिपियों की लागत 33 लाख है।			
(ii)	पांडुलिपि संरक्षण केन्द्र (एमसीसी) को वार्षिक अनुदान	संरक्षण और संबद्ध क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का उद्देश्य			कुल 33 मौजूदा एमसीसी हैं। 12 और एमसीसी नये बनाये गये हैं। अनुदान @ 2.5 लाख जमा 2.5 लाख की दर से जारी किये जाते हैं जो वास्तविक निष्पादन तक सीमित होता है।	44 किश्तें जारी की गयीं। निवारक संरक्षण 10.5 लाख पन्नों के लिए किया गया। 2. 5 लाख पन्नों के लिए निवारक संरक्षण किया गया।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	संरक्षण कार्यशालाएं और प्रशिक्षण	मांग के अनुसार, निवारक, दुर्लभ समर्थन, उपचारात्मक कार्यशाला आदि आयोजित करना।			मांग के आधार पर निवारक, दुर्लभ समर्थन, उपचारात्मक कार्यशालाएं चलाना और संरक्षण प्रदान करना।	18 कार्यशालाएं चलाई गयीं और 540 अभ्यार्थियों को संरक्षण कार्य में प्रशिक्षित किया गया।			
(iv)	अनुसंधान और प्रकाशन	मुद्रित पुस्तकों का संपादन और प्रकाशन करना।			अनुसंधान और प्रकाशन।	3 पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।			
(v)	डिजिटीकरण	महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण करना।			महत्वपूर्ण पांडुलिपियों को डिजिटाइज करना।	24 लाख छवियों का डिजिटीकरण किया गया और कार्य चल रहा है।			
(vi)	राष्ट्रीय सर्वेक्षण (राज्यवार) एवं बाद का सर्वेक्षण	पांडुलिपियों की पहचान करने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण करना।			एमएसस की उपलब्धता का पता लगाना और सर्वेक्षण में पता चले एमएसएस का प्रलेखन करना।	राष्ट्रीय/बाद के सर्वेक्षण के लिए निधियों की अनुपलब्धता के कारण कार्य न किया जा सका।			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vii)	पांडुलिपि और पैलियोग्राफी कार्यशाला और प्रशिक्षण	विश्वविद्यालयों के जरिए पांडुलिपि विज्ञान को बढ़ावा देना।			कार्यशाला और प्रशिक्षण चलाना।	15 कार्यशालाएं चलाई गयीं, पांडुलिपि विज्ञान में 475 विद्वानों को प्रशिक्षित किया गया।*			*पेलियोग्राफी
(छ)	**पुस्तकालयों संबंधी एक राष्ट्रीय मिशन की स्थापना जिससे आगे चलके एक आयोग का गठन किया जा सके।**	सार्वजनिक पुस्तकालयों की समस्याओं पर ध्यान देना और एक समय–सीमा के भीतर सार्वजनिक पुस्तकालयों की अवसंरचना तथा प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का उन्नयन करना।	––	**0.40**	राष्ट्रीय पुस्तकालय आयोग के लिए प्रारंभिक कार्य की शुरूआत हेतु टोकन प्रावधान।	यह स्कीम 2012–13 से कार्यान्वित की जाएगी। कुछ आधुनिकीकरण और अवसंरचनात्मक सुविधाएं आरआरआरएलएफ के जरिये अनेक पुस्तकालयों को भी उपलब्ध करायी जाएंगी।	––	––	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ज)	**एशियाटिक सोसाईटी, मुम्बई**	सामान्यतया एशिया और खासकर भारत के संबंध में दर्शन, भाषा, कला और समाज विज्ञान के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान संस्थान। अपनी भूमिका को बनाए रखने और वृद्धि करने के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों और कलाकृतियों का पुस्तकालय और विरासत संग्रहालय का रखरखाव करना।	--	1.00	650 मुद्रित पुस्तकों की खरीद, प्रतिदिन 700 पृष्ठों की माइक्रोफिल्म तैयार करना, प्रतिदिन दुर्लभ पुस्तकों के 650 पृष्ठों का डिजिटीकरण, संरक्षण/रासायनिक उपचार 1300 पुस्तकों को धूम्रीकृत किया जाना 60000 पृष्ठों का निःअम्लीकरण, 58500 पृष्ठों का टिशु तैयार किया गया तथा 1900 नक्शों को धुम्रीकृत किया जाना है।	916 पुस्तकों की खरीद, संरक्षण कार्य–1835 किताबों का धूमीकरण किया गया। 28545 पृष्ठों का निःअम्लीकरण किया गया। 14 पुस्तकों को बंगाल की एसियाटिक सोसाइटी के जर्नलों के साथ संरक्षित किया गया। (57 खण्ड जिसमें मैप, प्लेट और निदर्शन शामिल हैं)। माइक्रोफिल्म का कार्य– वर्ष के दौरान 15456 पृष्ठों वाली 54 पुस्तकों और 27170 पृष्ठों वाले बाम्बे गजट की 47 फाइलों (जनवरी 1869 से दिसंबर 1887 तक) की माइक्रोफिल्म बनायी गयी।*	--	0.78	* माइक्रोफिल्में बनायी गयीं, 41 पत्रिकाएं खरीदी गयीं, 784 मैपों का साफ किया गया, धूमीकृत एवं चपटा बनाया गया और 559 मैपों को कपडे पर बनाया गया, एसियाटिक सोसाइटी, मुंबई के 15 खंडों को डीजिटाइज किया गया।

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(झ)	**राष्ट्रीय दृश्य-श्रव्य सामग्रियों के लिए अभिलेखागार**	यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संबंधी केंद्रीय डाटा बैक तथा एकीकृत ज्ञान और वास्तविक प्रलेखित सामग्री के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।	--	0.40	यह नई स्कीम है तथा नई स्कीम के प्रतिपादन और अन्य संबंधित मामलों के लिए प्रारंभिक कार्य वर्ष के दौरान शुरू किए जाएंगे।	समीक्षाधीन अवधि के दौरान इस स्कीम को कार्यान्वित न किया जा सका। किंतु स्कीम के ब्यौरों का पता लगाया गया है ताकि उसे 2012-13 के दौरान कार्यान्वित किया जा सके।	--	0.00	
(ञ)	**राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई**	प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 और पुस्तक वितरण अधिनियम, 1954 के उपबंधों के अंतर्गत पुस्तकें और पत्रिकाएं प्राप्त करना तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित करना।	0.30	0.20			0.30	0.00	
	राज्य केन्द्रीय राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण/ कम्प्यूटरीकरण/ डिजिटीकरण/ उन्नयन	दुर्लभ पुस्तकों और दुर्लभ दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों का डिजिटीकरण करना। डीबीए पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण/रेट्रोकन्वर्शन			डीबीए अनुभाग में प्राप्त डीवीए खंड में प्राप्य 17000 पुस्तकों, 800 पत्रिकाओं, 500 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से संसाधित किया जाएगा और 2 लाख पाठकों को प्रदान किया जाएगा।	पाठकों, अनुसंधानकर्ताओं और डीवीए खंड में प्राप्त वर्ष के दौरान 20,000 पुस्तकों, 500 पत्रिकाओं, 319 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से संसाधित किया गया और 2 लाख पाठकों को पुस्तकालय की सुविधाएं			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						उपलब्ध करायी गयी।			
ट.	**कोन्नेमारा सार्वजनिक पुस्तकालय, चेन्नई**	यह 1954 के पुस्तक और समाचार–पत्र वितरण (सार्वजनिक पुस्तकालय) यथा संशोधित अधिनियम के उपबंधों के अंतर्गत भारतीय प्रकाशनों के 4 प्राप्तकर्त्ताओं में से एक है जो भारत में प्रकाशित सभी सामग्रियों को निःशुल्क प्राप्त कर सकता है। यह एक यूनेस्को सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करता है और यूनेस्को के सभी प्रकाशनों को प्राप्त करता है। यह एशियाई विकास बैंक के प्रकाशनों की भी एक डिपॉजिटरी है। यह एशियन विकास बैंक प्रकाशन के लिए संग्रहक भी है।	**0.35**	**0.60**	पुस्तकालय का उन्नयन और सही प्रयोक्ता के लिए सही समय पर सही सूचना प्रदान करना । मुद्रित प्रलेखों का डिजीटाइजेशन, पठन सामग्री की खरीद।	डीबी अधिनियम के अंतर्गत 21714 पुस्तकें प्राप्त की गई, 10327 पुस्तकों का उपचार किया गया और संशोधित किया गया तथा उन्हें पुस्तकालय संग्रह में लिया गया। 3400 पुस्तकों का संसाधन किया गया जिसमें विदेशी मूल की पुस्तकें भी शामिल हैं। 411500पृष्ठों का डिजिटाइज रूप में भंडारण किया गया और 7820 पुस्तकों की परिरक्षण के लिए जिल्दसाजी की गयी।	**0.35**	**0.60**	

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	नई स्कीम पुस्तका मेलों, पुस्तक प्रदर्शनियों और अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों/प्रकाशनों में भागीदारों के लिए वित्तीय सहायता	पुस्तक मेलों, पुस्तक प्रदर्शनियों और अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों/प्रकाशन कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए सहायता करना।	--	1.00	वर्ष के दौरान पुस्तक मेलों और प्रदर्शनियों आदि के लिए पात्र आवेदकों को वित्तीय सहायता देने हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाएगा।	समीक्षाधीन अवधि के दौरान इस स्कीम का कार्यान्वयन अभी किया जाना है।	--	--	
	योग (राजस्व)		553.00	745.00			561.73		
32.	**पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम की परियोजनाओं, स्कीमों के लिए प्रावधान।**								
32.1	**कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु परियोजना/ स्कीम।**	पूर्वोत्तर राज्यों में कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रसार और संरक्षण।	--	62.59	पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न शहरों में कला और संस्कृति के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करना और विभागीय स्कीमों के जरिए एनजीओ/व्यक्तिओं को लाभ देना।	विभिन्न योजना स्कीमों के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न संगठनों/कलाकारों को लाभान्वित किया गया।	--		**पूर्वोत्तर के कार्यकलापों के लिए 2011–12

परिणाम बजट 2013-14
अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2011-12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011-12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									के व्यय संबंधित योजनाशीर्ष/ स्कीमों के अंतर्गत शामिल किए गए है।
32.2	**पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय**	पुरातत्व, अभिलेखागारों और संग्रहालयों के क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यकलापों का संवर्धन।	--	4.10	पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों का विकास करना और अभिलेखीय कार्यकलापों के क्षेत्र में एन ई आर में एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करना।*	वर्ष के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न स्मारकों, स्थलों और संग्रहालयों, राज्य अभिलेखागारों आदि का संरक्षण/परिरक्षण किया गया।	--		
32.3	**पुस्तकालय**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों को बढ़ावा देना।	--	11.81	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का विकास।	आर आर आर एल एफ के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र में अनेक पुस्तकालयों को लाभान्वित किया गया।	--		
		योग (एन ई आर हेतु प्रावधान)	--	78.50			--	**	
33 संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की भवन									

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
परियोजनाएँ									
1.	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**		––	3.00			––	2.29	
	(i)	एन ए आई भवन के वातानुकूलित संयंत्र को बदलना			एन ए आई भवन के वातानुकूलित संयंत्र को बदलना	ये परियोजनाएं लंबित हैं।			
	(ii)	एनएआइ कैम्पस में हॉस्टल का निर्माण			एनएआइ कैम्पस में हॉस्टल का निर्माण				
	(iii)	अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के कार्यात्मक भवन का निर्माण।			अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के कार्यात्मक भवन का निर्माण।	एन ए आई मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्र में अनेक छोटे–मोटे कार्य प्रारंभ किए गए।			
	(iv)	एनएआई मुख्य/एनेक्सी भवन; रिकार्ड केंद्र जयपुर और पांडिचेरी और क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में जोड़ने और बदलने का काम			एनएआई मुख्य/एनेक्सी भवन; रिकार्ड केंद्र जयपुर और पांडिचेरी और क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में जोड़ने और बदलने का काम				
2.	**भारतीय मानव–विज्ञान सर्वेक्षण**		––	2.80			––		
	(i)	साल्टलेक, कोलकाता में			इन परियोजनाओं को शुरू	2012–2013 से निर्माण			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कार्यालय भवन का निर्माण			करने के लिए भवन के निर्माण के लिए प्रारंभिक प्राक्कलन सीपीडब्ल्यूडी द्वारा सूचित कर दिए गए है। क्षेत्रीय केन्द्र देहरादून के उत्तर–पश्चिम में अतिथि गृह का निर्माण कार्य चल रहा है।	कार्य प्रारंभ किया जाएगा।			
	(ii)	भूमि का प्रापण और केंद्रीय क्षेत्रीय के केद्र नागपुर में संग्रहालय का निर्माण							
	(iii)	क्षेत्रीय केन्द्र देहरादून के उत्तर–पश्चिम में अतिथि गृह का निर्माण							
	(iv)	अतिरिक्त भूमि का प्रापण और एसआरसी, मैसूर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अतिथि गृह, डीएनए लैब का निर्माण।				कार्य पूरा होने की स्थिति में है।			
	(v)	एसआरसी, जगदलपुर में कार्यालय भवन और संग्रहालय का निर्माण।							
3.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	एनआरएलसी अतिथि गृह के परिसर में प्रशिक्षण संस्थान और प्रेक्षा गृह का निर्माण	––	**4.00**	काम चल रहा है।	प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए एनआरएलसीपी, लखनउ में प्रशिक्षण संस्थान–सह–छात्रावास/अतिथि गृह।			@राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने उल्लिखित व्यय में शामिल है।

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(एनआरएलसी)								
4.	**राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली**	राष्ट्रीय संग्रहालय में विभिन्न लंबित पड़े मरम्मत और उन्नयन कार्य	--	**2.00**	राष्ट्रीय संग्रहालय में सिविल और विद्युत कार्य	राष्ट्रीय संग्रहालय की दीर्घाओं और अधिकारी विंग में बेहतर सुविधाएं प्रदान करना।	--	**3.23**	एनजीएमए और एनआरएलसी परियोजनाओं के लिए व्यय शामिल है।
5.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय**	दिल्ली और बेंगलुरू में एनजीएमए की नई एनेक्सी भवन का नवीकरण/ साज–सज्जा	--	**4.00**	कार्य चल रहा है।	कार्य चल रहा है।			@राष्ट्रीय संग्रहालय में दर्शाए गए व्यय में शामिल है।
6.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	नागपुर में ए एस आई के लिए कार्यालय भवन का निर्माण, ग्रेटर नोएडा में पुरातत्व संस्थान का निर्माण, समांतरपुर, भुवनेश्वर में एएसआई की अपनी भूमि पर संयुक्त कार्यालय भवन का निर्माण, 24, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में भवन का निर्माण।	--	**24.00**	काम चल रहा है।	एएसआई के स्टाफ की आवास सम्सया का समाधान किया जाएगा।	--	**8.98**	
7.	**सार्वजनिक**	**केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय**	--	**0.20**	यह काम 2011–12 में पूरा	कार्यालयी कार्य में क्षमता			

परिणाम बजट 2013–14
अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2011–12 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुस्तकालय	इस कार्यालय में एसी सुविधा के संस्थापन से संबधित कार्य			किया जाएगा।	बढ़ाने के लिए कार्यालय में कार्य सुविधाएं प्रदान करना जिन्हें अभी प्रारंभ किया जाना है।			
		योग (भवन परियोजनाएँ)	--	40.00			--	**20.81**	
		कुल योग (कला और संस्कृति)	553.00	785.00			561.79	**749.01**	